{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 17 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 202
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,111.24
निफ्टी	-	24,231.30
सोना	-	1,55,350
चांदी	-	2,70,000
डॉलर	-	93.27

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

लोकसभा में सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़े तीन संशोधन बिल किए पेश...

चर्चा के दौरान कांग्रेस ने कहा-सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए लाई है परिसीमन बिल...पीएम मोदी बोल-नियत में खोट वालों को नारी शक्ति माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े तीन संशोधन बिल पेश किए। परिसीमन विधेयक को छोड़कर अन्य दो विधेयक संविधान संशोधन विधेयक हैं। पहला बदलाव संवैधानिक संशोधन है, इसके तहत संसद में सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर 850 तक की जाएगी। साथ ही एक विधेयक पेश हुआ, जिसके जरिए एक परिसीमन आयोग का गठन होगा ताकि नए संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बनाए जा सके। केंद्र सरकार ने परिसीमन प्रक्रिया को एक-दूसरे अहम बदलाव से जोड़ दिया है- महिलाओं के लिए आरक्षण अधिनियम का कार्यान्वयन, जिसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना है। महिला आरक्षण अधिनियम 2023 या कहें नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पारित किया गया था, लेकिन इसे तब तक के लिए स्थगित रखा गया था जब तक कि लंबे समय से लंबित परिसीमन प्रक्रिया के जरिए लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों की संख्या नहीं बढ़ा दी जाती। लेकिन सरकार जिस तरह इन बिलों को संसद में लाई है उसको लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास की खाई गहरा गई है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि तीनों बिल संसद में लटक सकते हैं।

विपक्ष ने बिल पर चर्चा के दौरान सरकार की नियत पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि साल 2023 में ही महिलाओं के लिए रिजर्वेशन संविधान का हिस्सा बन चुका था। अब बस इसे चुनावों में लागू करना बाकी था। इस प्रक्रिया को परिसीमन के काम से जोड़ा गया था, जो 2027 के बाद ही मुमकिन लग रहा था। पर अब केंद्र ने संविधान के उस प्रावधान में संशोधन करके परिसीमन की प्रक्रिया को तेज करने का फैसला किया है। जिसका पूरा विपक्ष विरोध कर रहा है। इन्हें पारित करने के लिए संसद में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। विपक्ष का वॉकआउट बहुमत के आंकड़े को कम कर सकता है। लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 360 है। सत्ताधारी दल के पास 293 सदस्य हैं, यानी उसे अभी भी 67 अतिरिक्त वोटों की जरूरत है। राज्यसभा में बहुमत के लिए जादुई आंकड़ा 163 है। सत्तापक्ष की वर्तमान ताकत 142 के आसपास है, जो उसे बहुमत के आंकड़े से 21 सीट दूर रखती है। यानी वोटिंग में अगर विपक्षी पार्टियों ने वाक आउट नहीं किया और विरोध में मतदान किया तो तीनों बिलसंसद में अटक सकते हैं।

सत्तापक्ष और विपक्ष में जोरदार बहस

लोकसभा में बिल पर चर्चा के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष में जोरदार बहस हुई। पीएम मोदी ने महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा किया है। कभी माफी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसलिए जिनको भी इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि वे (पीएम) कह रहे हैं कि उन्हें इसका श्रेय नहीं चाहिए। मैं कहती हूं कि बार-बार बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं पहचान लेती है। सावधान हो जाइए नहीं तो पकड़े जाएंगे। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा कि अब भाजपा नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रखेंगे।

हम भाजपाई साजिश के खिलाफ- अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानती नहीं है कि उनसे सबसे ज्यादा दुखी महिलाएं ही हैं। जब हम महिला आरक्षण पर बहस कर रहे हैं तो हमारे बिलकुल बगल में 40 हजार लोग सड़कों पर हैं। वहां महिलाएं धरने पर बैठी हैं। ये इसलिए हैं कि उन्हें न्याय नहीं मिला रहा है। हम महिला आरक्षण के साथ हैं लेकिन भाजपाई साजिश के खिलाफ हैं। देश की सबसे बड़ी आबादी को लेकर ये चुप्पी साधे हैं। जब हम पीएम को सुनते थे तो वे कहते थे कि वे पिछड़े वर्ग से आते हैं। लेकिन संशोधन के नाम पर जो जल्दबाजी दिखा रहे हैं वो जनगणना में जातीय जनगणना न करवाने के लिए है।

आप हमें सजा दे रहे हैं, यह सही नहीं है- मारन

परिसीमन विधेयक 2026 पर डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कहा, भाजपा जो विधेयक लाई है वह दक्षिण-विरोधी और तमिलनाडु-विरोधी है। हमें लगता है कि हमारी आवाजें दबा दी जाएंगी। सिर्फ आबादी के आधार पर हमें लगता है कि यह अन्यायपूर्ण होगा। आप हमें सजा दे रहे हैं। यह सही नहीं है।

भाजपा देश को असम या कश्मीर बनाना चाहती है

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जब मैंने पहली बार अपनी आपत्ति उठाई थी, तब भी मैंने यही कहा था कि महिला आरक्षण की आड़ में असल मकसद कुछ और ही है। उनका असली इरादा पूरे देश को असम या कश्मीर जैसा बना देना है, ठीक उसी तरह जैसे उन इलाकों में परिसीमन किया गया था। पूरे देश की सभी राजनीतिक पार्टियां महिला आरक्षण बिल के समर्थन में एकजुट थीं। इसे 2023 में सर्वसम्मति से पास किया गया था। तो फिर, अचानक परिसीमन का यह नया मुद्दा सामने क्यों आ गया? सरकार महिलाओं को बहाना बनाकर पूरे राष्ट्रीय सिस्टम को अपने एजेंडे के हिसाब से बदलना चाहती है।

महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ न जोड़ें- गोगोई

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हमने कानून मंत्री की बात सुनी, उनकी बातों से लग रहा था कि पहली बार सदन के अंदर महिला आरक्षण पर चर्चा हो रही है। ऐसा उन्होंने ढांचा बनाने की कोशिश की। आज से ही 3 साल पहले गृह मंत्री ने ऐसी ही बातें की थीं।अगर दोनों की बातें सुनेंगे तो 90 प्रतिशत वही बातें हैं, जो आज कानून मंत्री ने कहीं। उस समय भी ऐसी ही बातें थीं। तब भी हमने यही कहा था कि हमारी पार्टी महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन इसे सरल कीजिए, ताकि जब पारित हो तभी लागू हो जाए। इसे परिसीमन के साथ न जोड़ें।

जिसने नारी शक्ति का विरोध किया, उसका बुरा हाल हुआ

लोकसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पर जारी चर्चा में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा हुआ है। उन्हें कभी माफी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसलिए जिन्हें भी इसमें राजनीति

की बू आ रही है, वे खुद के परिणामों को देख लें। इसमें फायदा है, जो नुकसान हो रहा है उससे बच सकते है। इसलिए इस बिल को राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

खास खबर

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को मिली जेड सिक्योरिटी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को लगातार मिल रही बम धमकियों और हालिया सुरक्षा चूक के बाद जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। इसके साथ ही विधानसभा परिसर की सुरक्षा भी पूरी तरह मजबूत की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष की सुरक्षा बढ़ाते हुए उन्हें जेड श्रेणी सुरक्षा कवर दिया गया है। यह फैसला तब लिया गया है, जब विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष कार्यालय को आधिकारिक ईमेल आईडी पर करीब 6 से 7 धमकी भरे ईमेल मिले। इन ईमेल में बम धमाके की धमकी दी गई थी। इन धमकियों के अलावा हाल ही में विधानसभा परिसर में एक बड़ी सुरक्षा चूक भी सामने आई थी। एक व्यक्ति विधानसभा के गेट पार कर अंदर पहुंच गया और अध्यक्ष की गाड़ी में एक संदिग्ध वस्तु रखकर चला गया।

यौन उत्पीडन् में 3 असिस्टेंट प्रोफेसर बर्खास्त

शिमला। हिमाचल सरकार ने यौन उत्पीडन् के आरोपों में गुरुवार को तीन सहायक प्रोफेसरों की सेवाएं समाप्त कर दीं। तीनों को अपने-अपने कॉलेजों में छात्राओं के साथ यौन उत्पीडन् का दोषी पाया गया है। इसके बाद, सेक्रेटरी एजुकेशन राकेश कंवर ने पवन कुमार, अनिल कुमार और वीरेंद्र शर्मा को बर्खास्त कर दिया। घटना के वक्त सहायक प्रोफेसर (डांस-कथक) पवन कुमार फाइन आर्ट कॉलेज चौड़ा मैदान शिमला, सहायक प्रोफेसर (रसायन विज्ञान) अनिल कुमार राजकीय महाविद्यालय नादौन और सहायक प्रोफेसर (गणित) वीरेंद्र शर्मा राजीव गांधी डिग्री कॉलेज चौड़ा मैदान शिमला में तैनात थे। पवन कुमार पर 7वें सेमेस्टर की छात्रा ने यौन उत्पीडन् के आरोप लगाए थे, जो कि विभागीय जांच में सही पाए गए।

घरेलू खिलाड़ियों को अनुबंध देने वाला पहला राज्य क्रिकेट संघ बना एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने अपने खिलाड़ियों के लिए 2026-27 सत्र से सालाना अनुबंध लागू करने का फैसला किया है। वह यह कदम उठाने वाला पहला राज्य क्रिकेट संघ बन गया है। एमसीए ने ग्रेड ए, बी और सी के तहत करार देने का फैसला किया है। यह प्रस्ताव हाल ही में हुई एपेक्स काउंसिल मीटिंग में पास हुआ। खिलाड़ियों को 8 लाख रुपये से 20 लाख रुपये तक मिलेंगे। ग्रेड ए के खिलाड़ियों को 12 लाख रुपये से 20 लाख रुपये सलाना मिलेंगे। ग्रेड बी के खिलाड़ियों को 8 लाख से 12 लाख रुपये सलाना मिलेंगे। ग्रेड सी के खिलाड़ियों को 8 लाख रुपये मिलेंगे।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल एसआईआर मामले में अनुच्छेद 142 का प्रयोग करते हुए सुनाया अहम फैसला

जिनकी अपील मंजूर, वो दे सकेंगे वोट

नई दिल्ली। बंगाल में एसआईआर मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 की शक्तियों का प्रयोग किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिन व्यक्तियों की अपील अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा मंजूर की जाएगी, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस न्यायालय द्वारा स्थापित बहुस्तरीय सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट हो जाता है कि यदि अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा अपील स्वीकार कर ली जाती है। समावेशन या अपवर्जन के लिए कोई निर्णायक निर्देश जारी किया जाता है, तो ऐसे निर्देशों को पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान करने से पहले विधिवत रूप से प्रभावी किया जाना चाहिए।

राज्य में पहले फेज की वोटिंग 23 अप्रैल को है। दूसरे फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पहले फेज की वोटिंग में राज्य के 152 चुनाव क्षेत्रों में जिन वोटर्स के नाम ट्रिब्यूनल द्वारा मंजूर किए गए हैं। 21 अप्रैल तक वोट देने की इजाजत दी गई है, उन्हें वोट देने की इजाजत दी जाएगी। दूसरे फेज के लिए डेडलाइन 27 अप्रैल है। अगर ट्रिब्यूनल एप्लीकेशन को मंजूरी देता है तो वे लोग वोट दे पाएंगे। हालांकि, जिन वोटर्स के नाम ट्रिब्यूनल द्वारा खारिज कर दिये जाते

हैं। वे वोट नहीं पाएंगे। चुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल करने के आखिरी दिन कमीशन ने वोटर लिस्ट को फ्रीज कर दिया है। इस बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी खास शक्तियों का इस्तेमाल किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 की शक्तियों का किया प्रयोग

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ट्रिब्यूनल वोटिंग से दो दिन पहले तक विचाराधीन वोटरों के एप्लीकेशन के निपटारे के बाद लिस्ट में उनके नाम शामिल करने के लिए क्लीयरेंस सर्टिफिकेट जारी करेगा। हालांकि, विचाराधीन वोटरों के एप्लीकेशन का निपटारा ट्रिब्यूनल को ही करना होगा। सिर्फ वहां अप्लाई करना काफी नहीं होगा। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले बंगाल में कुल 7,66,37,529 मतदाता थे। 28 फरवरी को आई पहली सूची में ही करीब 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जबकि 60,06,675 नामों को विचारणाधीन श्रेणी में रखा गया था। इनमें से 27 लाख 16 हजार 393 लोग अयोग्य पाए गए, जबकि 32 लाख 68 हजार 119 को पात्र मानकर सूची में बहाल किया गया है। मौजूदा समय में राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6,77,20,728 रह गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अकासा और स्पाइसजेट के विमान टकराए

-सभी यात्री सुरक्षित लेकिन विमानों को हुआ नुक्सान

नई दिल्ली,। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान आपस में टकरा गए। यह घटना 16 अप्रैल को करीब दोपहर 2 बजे एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अकासा एयर की दिल्ली से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट क्यूपी-1406 पुशबैक के दौरान पार्किंग बे से बाहर निकल रही थी। उसी समय लेह से दिल्ली पहुंचा स्पाइसजेट का बोइंग बी-737-700 विमान टैक्सी वे से गेट की ओर बढ़ रहा था, तभी दोनों विमानों की टक्कर हो गई।

हादसे में स्पाइसजेट विमान का राइट विंगलेट क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि अकासा एयर के विमान के लेफ्ट होरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को नुकसान पहुंचा है। टक्कर के बाद मौके पर मौजूद ग्राउंड स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों विमानों में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, घटना के बाद दोनों विमानों को एहतियातन ग्राउंड कर दिया गया है और उन्हें अगली उड़ानों के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

इस संबंध में अकासा एयर के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट क्यूपी-1406 को वापस पार्किंग बे में लाया गया और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल, इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती तौर पर इसे ग्राउंड मूवमेंट के दौरान हुई तकनीकी या समन्वय की चूक माना जा रहा है। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही हादसे के सटीक कारणों का पता चल सकेगा।

आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई - अखिलेश का पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर तंज

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर आयोजित विशेष सत्र के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर तंज सकते हुए कहा, अगर आप सीट रिजर्व करा देंगे तो महिलाओं में आपस में ही कंपटीशन हो जाएगा। आपकी वो सास-बहू वाली तो हार गई। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ओबीसी की 33 प्रतिशत महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के समय भाजपा ने ऐसी रणनीति बनाई है जिससे फायदा केवल उन्हें मिले। उन्होंने मांग की कि परिसीमन से पहले जनगणना हो, ताकि सही आंकड़ों के आधार पर सीमाएं तय की जा सकें। सपा प्रमुख ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के जेंडर जस्टिस और सोशल जस्टिस के सिद्धांतों पर चल रही है।

बंगाल चुनाव : खुले मतदान केंद्रों के चारों ओर बांस की बाड़ लगाने के निर्देश

आयोग ने कहा- बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर करें मतदान पर्ची वितरित

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए बिना चारदीवारी वाले मतदान केंद्रों के चारों ओर अस्थायी बांस की बाड़ लगाने का निर्देश दिया है। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सूत्र ने बताया कि जांच में आयोग के प्रतिनिधियों ने बिना उचित चारदीवारी वाले खुले स्कूल भवनों में कई मतदान केंद्रों की पहचान की है, जिससे अनधिकृत व्यक्तियों के लिए मतदान केंद्रों के अंदर प्रवेश करना और वहां मौजूद सीएपीएफ कर्मियों की निगरानी से बचना आसान हो जाता है।

मीडिया रिपोर्ट में सीईओ कार्यालय के सूत्र के हवाले से बताया गया है कि दूरदराज के वन क्षेत्रों में स्थित कुछ खुले मतदान केंद्रों के चारों ओर घने जंगल या झाड़ियां हैं, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से ये केंद्र असुरक्षित हो जाते हैं। इसलिए, इन बातों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने फैसला लिया है कि ऐसे खुले मतदान केंद्रों के चारों ओर बांस की बाड़ लगाई जाएगी। ऐसे मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा ताकि बांस की बाड़ पर चढ़कर कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतदान केंद्र परिसर में प्रवेश न कर सके। इस बार आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि बीएलओ को मतदाताओं के घर-घर जाकर उन्हें मतदान पर्ची वितरित करनी होगी, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने राज्य में हाल ही में संपन्न एसआईआर अभ्यास के जनगणना चरण के दौरान जनगणना प्रपत्र वितरित किए थे। आयोग ने बीएलओ को कड़ी चेतावनी जारी की थी कि किसी भी परिस्थिति में उन्हें मतदान पर्चियों के वितरण का कार्य किसी भी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को नहीं सौंपना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों के पहले चरण से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ने सेक्टर अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों और अन्य मतदान अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मतदान अधिकारियों की इन श्रेणियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मतदान प्रक्रिया में किसी भी मतदान दल के प्रतिनिधियों, जिनमें मतदान एजेंट भी शामिल हैं, किसी भी प्रकार की सहायता न तो मांगें और न ही स्वीकार करें। चुनाव अधिकारियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे किसी भी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए किसी भी प्रकार के भोजन, पानी या अन्य सामग्री को स्वीकार न करें।

राहुल गांधी ने कहा- वेणुगोपाल का माइक क्या सही है? स्पीकर बोले.....माइक चालू है, आपका ही होता है बंद

नई दिल्ली,। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन गुरुवार को लोकसभा में उस समय माहौल हल्का-फुल्का लेकिन राजनीतिक रूप से गरम हो गया, जब माइक को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बातचीत ने तंज का रूप ले लिया। घटना के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के माइक को लेकर सवाल उठाया कि क्या उनका माइक ठीक से काम कर रहा है। इसी बीच कुछ सांसदों ने भी कहा कि माइक बंद है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुस्कुराते हुए तंज कस दिया—卐माइक चालू है, आपका ही बंद होता है।卐 उनकी यह टिप्पणी सदन में कई सदस्यों के लिए हंसी का कारण बनी, लेकिन राजनीतिक संकेतों के कारण यह चर्चा का विषय भी बन गई। गृह मंत्री अमित शाह ने भी विपक्ष की ओर से की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बिना विधेयक पर विस्तृत चर्चा के उसकी मंशा पर सवाल उठाना उचित नहीं है। सदन में बहस के दौरान विपक्षी दलों ने सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों पर सवाल उठाए। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने इन्हें 卐असंवैधानिक卐 बताते हुए इनके समय और प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज की। इस बीच, संसद में चल रहे इस विशेष सत्र में महिला आरक्षण, परिसीमन और संघ शासित प्रदेशों से जुड़े तीन अहम विधेयकों पर चर्चा हो रही है। इन प्रस्तावों के कारण सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार तीखी बहस देखने को मिल रही है।

अमेरिका ने छूट बढ़ाने से किया इंकार.... भारत अब रुस से सस्ता कच्चा तेल नहीं खरीद सकेगा?

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका द्वारा रूसी और ईरानी कच्चे तेल पर दी गई छूट को खत्म करने का फैसला भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक चुनौती बन गई है। इस विशेषज्ञों द्वारा भारत पर दबाव बनाने की सोची-समझी रणनीति बताया जा रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैनिक जैसी स्थिति बन सकती है। भारत अपनी तेल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इन देशों से सस्ते दामों पर पूरा कर रहा था, लेकिन अब अल्पकालिक राहत के खत्म होने से भारतीय रिफाइनरियों के सामने संकट खड़ा हुआ है। अमेरिका का यह कड़ा रुख न केवल भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा लेगा, बल्कि घरेलू बाजार में ईंधन की कीमतों और मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने की मोदी सरकार की कोशिशों को भी मुश्किल बना सकता है। कुल मिलाकर, अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक नई मुसीबत की तरह है। इसकी घोषणा ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने की। बेसेंट ने कहा, हम रूसी तेल के लिए जारी सामान्य लाइसेंस को आगे नहीं बढ़ाएंगे, और न ही हम ईरानी तेल के लिए जारी सामान्य लाइसेंस को आगे बढ़ाएंगे। यह वह तेल था जो 11 मार्च से पहले ही पानी में (जहाजों में) था। इसलिए, वह सारा तेल अब तक इस्तेमाल हो चुका है।

12 मार्च को, यूएस ट्रेजरी ने 30 दिन की एक अस्थायी छूट की घोषणा की थी, जिससे भारतीय रिफाइनरियों को वह रूसी ऊर्जा खरीदने की अनुमति मिल गई थी जो पहले से ही टैंकरों में लोड थी। इस छूट की घोषणा करते हुए बेसेंट ने कहा, वैश्विक बाज़ार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए, ट्रेजरी विभाग 30 दिन की एक अस्थायी छूट दे रहा है, जिससे भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिल सके। यह जान-बूझकर उठाया गया एक अल्पकालिक कदम है, जिससे रूसी सरकार को कोई खास वित्तीय लाभ नहीं होगा, क्योंकि यह केवल उन सौदों को ही मंजूरी देता है जिनमें वह तेल शामिल है जो पहले से ही समुद्र में फंसा हुआ था।

वॉशिंगटन ने छूट का बचाव कर कहा कि वैश्विक ऊर्जा की कीमतों, विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए यह कदम जरूरी था।

सड़क हादसा स्कूल बस के पीछे घुसी मोटरसाइकिल एक की मौके पर मौत दूसरा गंभीर

रामपायली पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम डोंगरमाली भेंडारा मार्ग पर गुरुवार की दोपहर एक हृदय विदारक सड़क दुर्घटना घटित हुई। यहाँ एक चलती निजी स्कूल बस के पीछे मोटरसाइकिल के घुस जाने से एक युवक की बस के टायर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। घटना १६ अप्रैल की दोपहर करीब ३ बजे की है। भेंडारा निवासी परमेश नगपुरे ३२ वर्ष अपने साथी चंद्रकिशोर दमाहे के साथ अपनी मोटरसाइकिल से किसी कार्यवश डोंगरमाली की ओर आ रहे थे। रास्ते में उनकी मोटरसाईकिल आगे चल रही एक निजी स्कूल बस के पिछले हिस्से में घुस गयी। यह टक्कर इतनी घातक थी कि मोटरसाइकिल सवार परमेश सीधे बस के पिछले टायर के नीचे आ गया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार दूसरा युवक चंद्रकिशोर दमाहे भी इस हादसे में बुरी तरह घायल हुआ है जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। हादसे के बाद घटना स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मृतक के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर

ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। लगभग २० मिनट से अधिक समय तक चले इस हंगामे के दौरान ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। रामपायली पुलिस ने मौके पर पहुँचकर प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और उचित कानूनी कार्यवाही का भरोसा दिलाते हुए जाम खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर रामपायली शव विच्छेदन गृह भेजा जहाँ पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए वाहन को जब्त कर लिया है। फरार बस चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा १०६.१ एवं १२५ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा १८४ के तहत अपराध दर्ज किया हैं। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

मेरे भाई की रोड एक्सीडेंट होने से मृत्यु हो गयी-कुमेश नगपुरे

कुमेश नगपुरे ने पुलिस को बताया की मैं ग्राम भेण्डारा रहता हूं मजदूरी का काम करता हूँ। परमेश मेरा बड़ा भाई है वह करीबन १ बजे की बात है मेरा भाई परमेश गांव के चंद्रकिशोर दमाहे के साथ उसकी मोटरसायकल से भेंडारा से डोंगरमाली पाईप लेने के लिये जा रहे थे। तभी कुछ देर बाद चंद्रकिशोर ने घर आकर मुझे बताया कि हमारा ढीमरटोला मेन रोड़ पर दुर्घटना हो गयी। परमेश को चोट लगने से मौत हो गई है मुझे भी चोट लगी है। फ़ि मैं व मेरे परिवार के सभी लोग ढीमरटोला पहुंचे तो देखे कि मेरा भाई परमेश रोड़ पर लहू लुहान पडा हुआ था रोड एक्सीडेंट होने से मौत हो गयी है।

इनका कहना हैं

दृश्यांश पर चर्चा में बताया कि मिनी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर में परमेश नगपुरे की मौत हो गई। वहीं उसका साथी चंद्रशेखर गंभीर घायल है जिसका उपचार जिला अस्पताल में जारी है। मामले में सभी कार्यवाही कर मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है वही वाहन चालक पर अपराध भी दर्ज कर दिया गया जिसकी विवेचना की जा रही है।

कलशराम उइके उपनिरीक्षक थाना रामपायली

बांसी एथेनॉल प्लांट के वेयरहाउस में लगी आग

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसी स्थित एथेनॉल प्लांट के वेयरहाउस में बीती रात्रि अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठते ही प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया। हालाँकि कर्मचारियों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा होने से टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग लगने की सूचना मिलते ही प्लांट का स्टाफ और कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे। बिना वक्त गंवाए कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वारासिवनी दमकल विभाग को सूचित किया गया था। लेकिन जब तक दमकल की टीम मौके पर पहुँचती उससे पहले ही मुस्तैद कर्मचारियों ने आग को बुझा दिया था। इस अग्निकांड में वेयरहाउस में रखी झिल्ली प्लास्टिक कवर और बांस,बल्लियों को काफी नुकसान पहुँचा है। गनीमत यह रही कि आग अन्य हिस्सों में नहीं फैली जिससे बड़ी हानि होने से बच गई। फ़िलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। प्रबंधन के द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कारंजा का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल द्वारा 15 अप्रैल को घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के प्रतिष्ठित बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कारंजा ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड कायम किया है। कक्षा 10वीं में स्कूल का कुल परिणाम 93.90 प्रतिशत रहा, जिसमें कुल 82 छात्र-छात्राओं में से 77 सफल हुए। लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारी। 10वीं कक्षा में अंजली पिता पूरन बसेने 97 प्रतिशत से प्रथम, आरवी पिता तेजप्रकाश बिसेन 93.6 प्रतिशत से द्वितीय स्थान एवं प्रियांशी पिता ईश्वरदास बागड़कर 93.2 प्रतिशत से तृतीय स्थान। कक्षा 12वीं में स्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 93 प्रतिशत रहा। जिसमें गुलशन मनोहर कोतवे 89.6 प्रतिशत (कला समूह) से प्रथम, प्रांशु शिवकुमार पाटिल 87.8 प्रतिशत (कला समूह) द्वितीय व आदित्य रामप्रसाद पटले 87.2 प्रतिशत (गणित समूह) तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी सफल छात्र-छात्राओं ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा स्कूल के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव, क्षेत्र, समाज और विद्यालय का नाम रोशन किया है।

जमीन के बदले दी जाए जमीन, विस्थापन का मिले मुआवजा

मप्र आदिवासी कांग्रेस जिला इकाई ने सौपा ज्ञापन : पन्ना और छतरपुर के पीड़ित आदिवासियों को इंसाफ दिए जाने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पन्ना और छतरपुर जिले में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ आदिवासी समुदाय का उग्र प्रदर्शन जारी है जहा जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए महिलाएं चिता आंदोलन कर रही हैं, जिसमें सांकेतिक चिताओं पर लेटकर विस्थापन और उचित मुआवजे की मांग को लेकर उनका 23 मार्च से जारी यह आंदोलन अब व्यापक रूप लेता जा रहा है जिसको विभिन्न आदिवासी समाज व संगठनों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।अब मप्र आदिवासी कांग्रेस जिला इकाई ने केन बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित पीड़ित आदिवासी परिवारों को न्याय प्रदान किए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जहां सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने नियमो को ताक में रख आदिवासियों को जल जंगल जमीन से बेदखल करने, विस्थापन नीति का पालन न करने, उन्हें मुआवजा राशि न दिए जाने और भू अधिग्रहण अधिनियम के नियमों का उल्लंघन कर आदिवासियों को प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है।जिन्होंने परियोजना के नाम पर बेघर किए जा रहे आदिवासी समाज के लोगों को जमीन के बदले जमीन देकर विस्थापित करने, सभी आदिवासियों उचित मुआवजा दिए जाने सहित अन्य मांगे पूरी किए जाने की गुहार लगाई है। वही ज्ञापन के माध्यम से उनकी 6 सूत्रीय मांगो को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की मांग की है। कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान मध्य प्रदेश आदिवासी कांग्रेस जिला इकाई अध्यक्ष धरमसिंह मरकाम, कांग्रेस प्रदेश महासचिव हिरासन उइके, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे, गौरव परते, रोहित मरकाम,नीलम सिंह मरकाम,कांता मड़ावी, और पुष्पा कोकोडे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन 6 सूत्रीय मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

मप्र आदिवासी कांग्रेस द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में भूमि अधिग्रहण कानून की धारा 11, 15, 18, 19, 21 का पालन करने,ग्राम सभा की प्रक्रिया का विधिवत रूप से पालन करने,,ग्रामसभा की अनदेखी ना करने,पीड़ित परिवार के लोगो को जमीन के बदले जमीन और पीड़ित परिवार के प्रत्येक सदस्य को उचित मुआवजा देने,विरोध में आंदोलन कर

रहे पीड़ित परिवार जन की भोजन, पेयजल, अन्य सुविधायें भी सरकार द्वारा बंद कर दी गई हैं जो अमानवीय जर्मनीक सरकार का रवैया है, उसे पुनः शुरू करने, विगत 9 दिनो से भूखहड़ताल व सांकेतिक चिता प्रदर्शन कर रहे आदिवासी समाज के लोगो से मुलाकात कर उनकी मांगों को पूरा करने, और विकास के नाम पर आदिवासियों का विनाश व विस्थापन बंद करने की मांग की है।

जमीन के बदले जमीन दे या फिर दे मौत, इस तर्ज पर हो रहा आंदोलन

जापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष धरमसिंह मरकाम और प्रदेश कांग्रेस महासचिव हिरासन बाई उइके ने संयुक्त रूप से बताया कि परियोजना पन्ना और छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम शुरू हो गया है जिससे हजारों की तादाद में आदिवासी बेघर हो गए हैं निर्माण कार्य शुरू करने के पूर्व आदिवासियों के विस्थापन की व्यवस्था करनी चाहिए थी, जो नही की गई, क्षतिपूर्ति के रूप में प्रत्येक व्यक्ति को उचित मुआवजा देना था, उसके बाद निर्माण कार्य शुरू करना था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया, यहां तक की ग्राम सभा में विधिवत् अनुमोदन भी प्राप्त नहीं किया गया इसीलिए वहां के आदिवासी हताहत है परेशान है और वे लोग पिछले 8-10 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं।आदिवासी परिवार जन भूख हड़ताल पर बैठकर प्रतिकात्मक चिता पर लेटकर मृत्यु दो या न्याय दो ऐसे नारो के साथ अपनी जायज मांग को लेकर सरकार और वन विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे है । म.प्र. सरकार और जिला प्रशासन आज दिनांक तक उनकी मांग पर निर्णय नही लिया सभी पीड़ित जीते जी चिता पर लेटकर सरकार से मृत्यु या न्याय की मांग कर रहे है हमारी महामहिम राष्ट्रपति महोदया से मांग है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना निर्माण से पीड़ित आदिवासी एवं अन्य परिवार जन को उचित न्याय एवं वैधानिक मुआवजा प्रदान किया जाए,पीड़ित परिवार जन जो लम्बे समय से धरना प्रदर्शन आंदोलन कर रहे है उनसे मुलाकात कर समस्यायें सुनें एवं प्रभावित पीड़ित आदिवासी परिवार जनों को न्याय प्रदान करें।

कन्या शिक्षा परिसर बिरसा का शानदार प्रदर्शन, 100 प्रतिशत परिणाम सभी छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विकासखंड बिरसा स्थित कन्या शिक्षा परिसर ने इस वर्ष कक्षा 10वीं (सीबीएसई बोर्ड) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय की सभी छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर संस्था और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष की परीक्षा में दीक्षा धुर्वे ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया और टॉपर रहीं। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय की अन्य मेधावी छात्राओं में गरिमा मरकाम (81.4 प्रतिशत), लता पंदे (77.8 प्रतिशत), आंचल धुर्वे (77.4 प्रतिशत), दिशा मेरावी (77 प्रतिशत), दिव्या कुशरे (76.2 प्रतिशत), विशाखा धुर्वे (74.4 प्रतिशत), गौरी मरकाम बिसेंबर (73.8 प्रतिशत), प्रियंका मरकाम (70.2 प्रतिशत), जानवी मरकाम (70 प्रतिशत), सुहाना कुशरे (69.4 प्रतिशत), जागेश्वरी मरकाम (69.2 प्रतिशत), खुशबू मेरावी (66.2 प्रतिशत), रिया मेरावी (65.4 प्रतिशत), गौरी मरकाम मानसिंह (65 प्रतिशत), दिना मरकाम (64.4 प्रतिशत), सीता नेताम (64.2 प्रतिशत) एवं गौरी धुर्वे अंतराम (62.4 प्रतिशत) शामिल रहीं। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, श्रीमती शकुंतला डामोर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनजातीय वर्ग की सभी बालिकाओं का प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से यह सिद्ध कर दिया है कि उचित संसाधन और अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। विशेष बात यह है कि इन सभी छात्राओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनकी नीट परीक्षा की तैयारी परिणाम आने से पहले ही प्रारंभ करवा दी गई है, जिससे उन्हें महंगी कोचिंग संस्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह पहल छात्राओं की चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सशक्त आधार प्रदान करेगी।

नहीं रहे महाजन जी... !, विधिविधान से किया गया अंतिम संस्कार

डामेश्वर महाजन का ट्रेन दुर्घटना में दुःखद निधन से नम हुई सभी की आँखे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था बागरेचा एंड तिजारे एसोसिएट्स में विगत दो दशकों से वरिष्ठ लेखापाल के रूप में कार्यरत डामेश्वर महाजन जिन्हें हर कोई महाजन जी नाम से संबोधित करता था उनका ट्रेन दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया,उनकी दुर्घटना होने और उपचार के दौरान निधन हो जाने की खबर पाते ही हर कोई स्तब्ध रह गया क्योंकि कोई सोच भी नहीं सकता था की हंसमुख स्वभाव के 42 वर्षीय महाजन जी एक दिन सबको छोड़कर यूं ही अचानक

चले जाएंगे।उनका इस तरह चले जाना उनके स्नेहीजनों के बीच बहुत कुछ शेष छोड़ गया।

बताया जाता है की महाजनजी कार्यालयीन आवश्यक कार्य से दुर्ग छत्तीसगढ़ गए थे वहीं वें धोखे से मंगलवार की अपराह्न 3.35 बजे दुसरी ट्रेन में चढ़ गए और जब उन्हें ये समझ आया की वे दूसरी ट्रेन में सवार हो गए है तो उतरते समय उनका पांव फिसल गया और वे ट्रेन के निचले भाग की चपेट में आ गए,गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त महाजनजी को भिलाई के बीएम हॉस्पिटल में विशेष उपचार हेतु भर्ती कराया गया लेकिन बुधवार की सुबह 6 बजे के लगभग उन्होंने अपने जीवन की अंतिम सांसें ले ली...उनके निधन से जहां उनके स्नेहीजन दुःखी है वहीं संपूर्ण बागरेचा एंड तिजारे एसोसिएट्स के सदस्य स्तब्ध है।जिनका अंतिम संस्कार विधिविधान के साथ किया गया।बताया गया कि उनका अस्थाई निवास बालाघाट के बैहर चौकी में था, लेकिन उनके पार्थिक देह का अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम बैहर के खुरमुंडी में विधिविधान पूर्वक किया गया। जहां परिजनों सहित अन्य ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। उनके भरेडूंपूरे परिवार में सेवानिवृत्त शासकीय चिकित्सक पिता तुकाराम महाजन, माताजी मीरा महाजन, धर्मपत्नी ललिता महाजन दो बच्चे रुद्र 13 वर्ष, रेयांश 7 वर्ष,एक भाईडूएक बहन है।आज उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में स्नेहीजन उनके गृहग्राम बैहर खुरमुंडी पहुंचें, शोकाकुल परिवार को इस दुखद भर घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से करते हुए अपनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट का शानदार प्रदर्शन, 97.6 प्रतिशत परिणाम के साथ विद्यार्थियों ने लहराया परचम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बालाघाट के छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 10वीं (सीबीएसई) बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। घोषित परीक्षा परिणामों में विद्यालय ने 97.6 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की, जो संस्था की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है। विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कुल 72 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 70 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। अधिकांश विद्यार्थियों ने उच्च अंक अर्जित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में आरुष वाढीचार ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, रजत सरकार ने 96.6 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान तथा वाणिशा राउत ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय परिवार ने इस सफलता को सामूहिक प्रयास और समर्पण का परिणाम बताया है।

शहर से गांव तक शराब दुकानों के खिलाफ बढ़ा विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अब शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी शराब दुकानों के संचालन और प्रस्तावित नई दुकानों के खिलाफ विरोध तेज होता जा रहा है। रहवासी क्षेत्रों, स्कूलों और कॉलोनियों के पास शराब दुकान खोले जाने के विरोध में लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में भरवेली क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और वार्ड क्रमांक 9 में प्रस्तावित शराब दुकान के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा कि रहवासी इलाके में इस प्रकार की दुकान खोले जाने से सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा।

शहर के विभिन्न वार्डों में भी शराब दुकानों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। बूढ़ी वार्ड क्रमांक 13, मोती नगर चौक वार्ड क्रमांक 25 सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाएं बड़ी संख्या में एकत्रित होकर धरना-प्रदर्शन कर रही हैं। वार्ड क्रमांक 25 में बीते लगभग 10 दिनों से लगातार विरोध जारी है, जहां महिलाएं दिन-रात धरने पर डटी हुई हैं। बीती रात बूढ़ी वार्ड क्रमांक 13 में चल रहे धरने को समर्थन देने बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भी मौके पर पहुंचे और महिलाओं के साथ विरोध में शामिल हुए। इसके अलावा कुछ स्थानों पर महिलाएं रात्रि के समय भी अपने-अपने वार्डों में संभावित स्थानों पर लाठी लेकर निगरानी कर रही हैं, ताकि कहीं अचानक शराब दुकान शुरू न कर दी जाए। इधर, ग्रामीण क्षेत्र में भी विरोध की लहर तेज हो गई है। 16 अप्रैल को ग्राम भरवेली के वार्ड क्रमांक 9 में सिंचाई विभाग की नहर किनारे एक निजी भूमि पर शराब दुकान खोले जाने का प्रस्ताव है, जिसका स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध किया है। स्थानीय निवासी डॉ. जितेंद्र सोनी और अंजनी काकोटिया ने बताया कि जिस स्थान पर दुकान प्रस्तावित है, उसके आसपास रहवासी क्षेत्र के साथ-साथ निजी स्कूल, लाइब्रेरी और क्लिनिक भी स्थित हैं। यहां से प्रतिदिन छात्र-छात्राओं और मरीजों का आवागमन होता है। ऐसे में शराब दुकान खुलने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और क्षेत्र का माहौल भी खराब होगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि दुकान के आसपास किसानों की कृषि भूमि है, जहां वर्तमान में रबी फसल लगी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि शराबियों के जमावड़े से वहां गंदगी फैलेगी, जिससे खेती और फसल को नुकसान हो सकता है। वार्डवासियों का कहना है कि शराब दुकान खुलने से क्षेत्र की शांति और जनजीवन प्रभावित होगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रस्तावित स्थान पर दुकान खोलने के निर्णय को तत्काल निरस्त किया जाए। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

किराये से देना है

काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें- 8516809720

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/2010/ अति.कले. / वि.अधि. /2026 बालाघाट तारीख 06/04/2026

आम-सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अन्तर्गत विशेष विवाह हेतु आवेदकगण धर्मेन्द्र मेश्राम उम्र 33 वर्ष पिता श्री नरेन्द्र मेश्राम जाति महार निवासी वार्ड नं 09 ग्राम धरपीवाडा पोस्ट निलजी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं आवेदिका बरखा मेश्राम उम्र 24 वर्ष पिता श्री विजय मेश्राम जाति महार निवासी वार्ड नं 15 ग्राम नेवरगांवकॅला तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक 22/04/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक 22/04/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

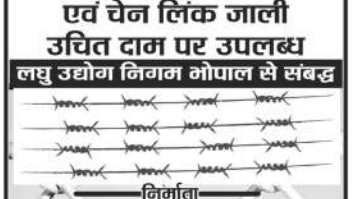

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मलाजखंड माइंस में संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन, मांगों को लेकर किया धरना

लंबे समय से लंबित समस्याओं पर नाराजगी, प्रबंधन पर टालमटोल का आरोप,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की ताम्र परियोजना मलाजखंड माइंस में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर असंतोष अब खुलकर सामने आ गया है। भारतीय खनिज मजदूर संघ, मलाजखंड के बैनर तले कर्मचारियों ने माइंस परिसर में एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी समस्याओं को लंबे समय से प्रबंधन के समक्ष रखा जा रहा है, लेकिन अब तक उनका निराकरण नहीं किया गया है। इससे नाराज कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की।

धरना प्रदर्शन के दौरान भारतीय मजदूर संघ मलाजखंड के महासचिव हेमंत भगत ने बताया कि संविदा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन पिछले लगभग एक वर्ष से लगातार प्रबंधन को अवगत करा रहा है। इसके बावजूद समस्याओं के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कई बार ज्ञापन सौंपने और चर्चा करने के बावजूद प्रबंधन इन मांगों के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहा है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी के चलते कर्मचारियों को प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन मुख्य प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, मलाजखंड ताम्र परियोजना को सौंपा। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। इनमें भविष्य निधि (पीएफ) राशि को कोलकाता ट्रस्ट से जबलपुर स्थित पीएफ कार्यालय में स्थानांतरित करने, अर्धकुशल कर्मचारियों को कुशल तथा कुशल कर्मचारियों को उच्चकुशल श्रेणी में पदोन्नति देने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को पूर्ण उपस्थिति दर्ज नहीं होने की समस्या भी उठाई गई, जिस पर आवश्यक कार्रवाई कर पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की गई।

चालक परिचालक और मजदूर संघ ने किया एलान

तो...22 से थम जाएगे बसों के पहिए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर क्षेत्र में पद के दुरुपयोग और कथित उत्पीड़न का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय मजदूर संघ, बालाघाट ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) बैहर पर एक बस चालक के साथ अभद्र व्यवहार और अन्यायपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की चेतावनी दी है। जिन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि 7 दिनों के भीतर मामले का निराकरण नहीं किया गया और संबंधित ड्राइवर पर दर्ज किया गया अपराध, रद्द नहीं किया गया, तो भारतीय मजदूर संघ के आव्हान पर चालक परिचालक संघ के नेतृत्व में 22 अप्रैल को बालाघाट जिले के सभी बसों के पहिए थम जाएंगे, जहा न केवल बसों के पहिए थामेंगे ,बल्कि ट्रक, फोर व्हीलर वाहन सहित अन्य वाहनों के चालक परिचालक भी हड़ताल पर रहेंगे, ।जब तक हमे इस मामले में न्याय नहीं मिल जाता तब तक उनकी यह अनिश्चितकालीन हड़ताल तक के लिए जारी रहेगी। बैठक के दौरान भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे जिलाध्यक्ष योगेश यादव चालक परिचालक संघ जिलाध्यक्ष दिलीप सोनी,वाय.के.शुक्ला,फारूख खान,न्याजमीन खान,ताहीर खान और ताज खान सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

क्या है पूरा मामला

संघ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल 2026 की रात लगभग 10:30 बजे तन्नौर नदी के पास एक यात्री बस और एसडीओपी का वाहन आमने-सामने से गुजरे। सड़क संकरी और मोड़ होने के कारण, दोनों वाहनों की तेज लाइट के चलते बस चालक एसडीओपी के वाहन को पहचान नहीं सका। हालांकि दोनों वाहन बिना किसी नुकसान के निकल गए, लेकिन आरोप है कि इसके बाद एसडीओपी ने अपने पद का रौब दिखाते हुए बस चालक के साथ अभद्रता की है ।उसपर फर्जी धराओ के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

चालक को चौकी में बैठाकर किया प्रताडित

संघ का आरोप है कि मामूली यातायात स्थिति को लेकर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करने के बजाय एसडीओपी ने व्यक्तिगत द्वेषवश सालेटेकरी चौकी प्रभारी को निर्देश देकर चालक को चौकी में बैठाया और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

धारा 151 में कार्रवाई पर उठे सवाल

मजदूर संघ ने यह भी आरोप लगाया कि बिना ठोस आधार के चालक कमलेश वाहने पर धारा 151 के तहत कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया, जो न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। संघ ने इसे एक गरीब दलित मजदूर के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है।

चालक-परिचालकों में रोष

घटना के बाद जिलेभर के चालक-परिचालकों में आक्रोश व्याप्त है। संघ का कहना है कि एक जिम्मेदार लोकसेवक द्वारा इस प्रकार का व्यवहार प्रशासनिक गरिमा के खिलाफ है और इससे आम मजदूरों में भय और असंतोष का माहौल बन रहा है।

22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

भारतीय मजदूर संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारी पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई और पीड़ित चालक को न्याय नहीं मिला, तो 22 अप्रैल 2026 से जिले में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और कामबंद हड़ताल शुरू की जाएगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मामले के निराकरण के लिए दिया गया है 7 दिनों का अल्टीमेटम -योगेश

भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि बैहर क्षेत्र में पुलिस प्रशासन की तानाशाही देखने को मिल रही है, जबकि मौका स्थल पर बस और एसडीओपी की गाड़ी की टक्कर नहीं हुई, ना उनके बीच में कोई बातचीत हुई, बावजूद इसके बस चालक पर 151 के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल में डाल दिया गया है तत्काल उसे जमानत भी नही दी गई उन्होंने बताया कि वाहन चालक दलित समाज से है बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के दिन उसे जेल में प्रताडित किया गया, यदि उसने कोई नियम तोड़ा था तो उसे पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करना था, लेकिन उन्होंने नियमों के तहत कार्रवाई नहीं की, इसी बात को लेकर आज बैठक रखी गई थी हमने शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है और मामले के निराकरण के लिए 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है यदि इन सात दिनों के भीतर मामले का निराकरण नहीं होता, बस चालक को न्यायालय नहीं दिया जाता तो फिर बसों के पहिए थाम दिए जाएंगे और अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो जाएगी।

22 से करेंगे अनिश्चकालीन हड़ताल-दिलीप

वहीं चालक परिचालक संघ अध्यक्ष दिलीप सोनी ने बताया कि आज बैठक में यहां निर्णय लिया गया है कि 22 अप्रैल से सभी बसों के पहिए थाम दिए जाएंगे, जिले में कोई भी बस चलने नहीं देंगे, क्योंकि एक ड्राइवर पर 151 की धारा लगाई गई है जबकि मोटर व्हीकल एक्ट में 151 की धारा कहीं नहीं है ड्राइवर ने एसडीओपी से कुछ नहीं बोला था और ना ही उनके वाहन टकराए थे, फिर भी फर्जी धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है। इसीलिए इसके विरोध में 22 अप्रैल से बसों के पहिए जाम कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी,

जब तक इंसाफ नही मिलेगा अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी- राजकुमार

वहीं भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे ने बताया कि आज बैठक में सर्व सहमति से 22 तारीख से हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है 22 तारीख को सभी बसों के पहिए थम जाएंगे, चक्का जाम किया जाएगा, बस स्टैंड में जनसभा का आयोजन कर धरना प्रदर्शन करेंगे और उक्त मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा ।हमारी यह अनिश्चितकालीन हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक हमें इंसाफ नहीं मिल जाता।

अवंती बाई चौक पर लगा लंबा जाम, एक घंटे तक थमा यातायात

अव्यवस्थित ट्रैफिक और अधूरे कार्य बने कारण, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार शाम स्थानीय बस स्टैंड स्थित अवंती बाई चौक पर अचानक जाम की स्थिति बन गई। देखते ही देखते चारों दिशाओं से आने वाले वाहन चौक पर फंस गए और यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। यह जाम करीब एक घंटे तक बना रहा, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों ने जाम का कारण रेलवे फाटक के देर से खुलने को बताया, जबकि अन्य का मानना था कि अव्यवस्थित यातायात और नियमों का पालन नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी। शाम करीब 6 बजे शुरू हुआ जाम धीरे-धीरे बढ़ता गया और लगभग 7:30 बजे के आसपास जाकर स्थिति सामान्य हो सकी।

शहर में लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था अब आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात होने के बावजूद हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। इसका ताजा उदाहरण 16 अप्रैल की शाम स्थानीय अवंती बाई चौक पर देखने को मिला, जहां अचानक जाम की स्थिति निर्मित हो गई। शाम करीब 6 बजे शुरू हुआ यह जाम देखते ही देखते विकराल रूप ले बैठा। चार से पांच अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहन एक साथ चौक पर पहुंच गए और अव्यवस्थित तरीके से खड़े हो गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। बूढ़ी , कालीपुतली, भटेरा, बूढ़ी अस्पताल और गुजरी मार्ग से आने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि चौक पर बड़े चारपहिया वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों के निकलने तक की जगह नहीं बची। हर दिशा से वाहन चौक के बीचों-बीच फंस गए और धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में जाम फैल गया। जाम में फंसे वाहन चालक लगातार हॉर्न बजाते रहे, लेकिन व्यवस्था सुधारने के लिए पर्याप्त प्रयास नजर नहीं आए। हालांकि मौके पर यातायात

पुलिस के जवान मौजूद थे, लेकिन जाम इतना बड़ा था कि एक-दो पुलिसकर्मियों के लिए इसे नियंत्रित करना संभव नहीं हो सका। यह जाम लगभग शाम 6:00 बजे के बीच शुरू हुआ और करीब 7:30 बजे जाकर पूरी तरह खुल पाया। इस दौरान लगभग एक घंटे से अधिक समय तक वाहन चालक परेशान होते रहे। जाम के दौरान कुछ दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर गिरते भी नजर आए, हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। फिर भी इस अव्यवस्था ने लोगों को काफी असुविधा में डाल दिया। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से पुलिस विभाग द्वारा शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर यातायात सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं और हेलमेट चेकिंग जैसे अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर यातायात व्यवस्था सुचारू नहीं हो पा रही है । जाम की सूचना मिलने के बाद यातायात विभाग की टीम करीब आधे से एक घंटे बाद मौके पर पहुंची और धीरे-धीरे वाहनों को व्यवस्थित कर जाम खुलवाया गया। वहीं, अवंती बाई चौक पर नगर पालिका द्वारा खोदी गई नाली भी इस समस्या का एक बड़ा कारण बनती नजर आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से नाली खुदी हुई है, लेकिन उसका मरम्मत कार्य पूरा नहीं किया गया है, जिससे सड़क संकरी हो गई है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

जनगणना-2027 के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन कार्य का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनगणना-2027 के अंतर्गत 16 अप्रैल से सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) का कार्य प्रारंभ हो गया है, जो 30 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसी क्रम में 16 अप्रैल को तहसील बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा स्वयं ऑनलाइन सेल्फ एन्यूमरेशन कर इस महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर एसडीएम गोपाल सोनी, तहसीलदार सुश्री छवि पंत सहित संबंधित प्रगणक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर मृणाल मीना ने आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है। इससे प्राप्त आंकड़े शासन की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि आम नागरिक जनगणना पोर्टल के माध्यम से 30 अप्रैल तक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे न केवल प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि जब प्रगणक घर-घर सर्वे के लिए पहुंचेंगे, तब उनका कार्य भी सुगम हो जाएगा।

प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय रहते सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया पूर्ण करें और राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इसी क्रम में गुरुवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे द्वारा भी जनगणना-2027 के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर नागरिकों को इस अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। जनगणना सेल्फ इन्म्यूरेशन के दौरान तहसीलदार मंजुला महोबिया भी उपस्थित थी।

फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार, हादसे में एक युवक की मौत

घायल दो युवक का गोंदिया में चल रहा है इलाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना अंतर्गत रजेगांव गांव रोड पर फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवक घायल हो गए ।तीनों युवक को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया जहां एक युवक की मौत हो गई। दो घायल युवक जिनमे आकाश पिता देवराम बाहे 21 वर्ष और अंकेश पिता रूपचंद बाहे 20 वर्ष ग्राम जामड़ी निवासी का इलाज गोंदिया के एक निजी अस्पताल में किया जा रहा है। मृतक युवक देवेंद्र पिता फूलचंद बाहे 20 वर्ष ग्राम जामड़ी थाना किरनापुर निवासी ही है। किरनापुर पुलिस ने इस युवक का पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है ।तीनों युवक एक ही परिवार के हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जामड़ी निवासी बालचंद बाहे के बेटे की शादी हाल ही में ग्राम कन्नड़गाँव में हुई थी। 15 अप्रैल को बालचंद बाहे अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ अपने बहू को लाने के लिए ग्राम कन्नड़गांव गए थे। साथ में उन्हीं के परिवार के देवेंद्र, आकाश और अंकेश भी मोटरसाइकिल में कन्नड़गांव गए थे। शाम 6:30 बजे करीब बालचंद अपनी बहू को फोर व्हीलर मे लेकर अपने गांव जामड़ी जा रहे थे। देवेंद्र आकाश और अंकेश तीनों मोटरसाइकिल में कन्नड़गाँव से अपने गाँव जामड़ी जाने निकले थे। रजेगांव गांव से महज 6 किलोमीटर दूर ग्राम हल्बीटोला पेट्रोल पंप के पास किरनापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में देवेंद्र अंकेश और आकाश तीनों घायल हो गए। खबर मिलते ही बालचंद अपने रिश्तेदारों के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों घायल को प्राइवेट वाहन से यूनाइटेड हॉस्पिटल गोंदिया लेकर गए ।डॉक्टर द्वारा चेक करने पर देवेंद्र को मृत घोषित कर दिए। देवेंद्र की घटना स्थल से गोंदिया ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी ।घायल आकाश और अंकित को यूनाइटेड हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज किया किया जा रहा है। देवेंद्र का शव उनके परिजनों ने किरनापुर अस्पताल लाये। 16 अप्रैल को किरनापुर पुलिस ने देवेंद्र का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है और अज्ञात वाहन के चालक के विरुद्ध धारा 106,125(ड्ड),281 भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर इस अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही हैं। बताया गया कि देवेंद्र के माता-पिता खेती किसानी करते हैं और वह दो भाई में सबसे छोटा था और भोपाल में पढ़ाई कर रहा था। अंकिश और आकाश भी बालाघाट में पढ़ाई कर रहे हैं।

कोहकाडिबर बलवा कांड : तीन आरोपी गिरफ्तार

9 आरोपियों ने सरपंच पति आतिश पर किए थे प्राण घातक हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के बहुचर्चित कोहकाडिबर बलवा कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरपंच लक्ष्मी लिल्हारे के पति पूर्व सरपंच आतिश लिल्हारे की हत्या की कोशिश के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिए। 6 आरोपी फरार है ।जिनकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार तीन आरोपी को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

क्या है मामला

घटना 7 अप्रैल की रात की है ।जब गांव में एक शादी समारोह के दौरान जमुना प्रसाद बिरनवार के साथ मारपीट करने की सूचना मिलते ही आतिश लिल्हारे अपने साथी शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े के साथ मौके पर पहुंचे थे और जमुना प्रसाद को सुरक्षित घर छोड़ने के बाद जब वे लौट रहे थे। तभी घात लगाए हमलावरों ने उन पर अचानक हमला कर दिये ।हमलावरों ने लाठी और तलवार से ताबड़तोड़ हमला किये ।जिसमें आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद बिरनवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े को मामूली चोटें आईं ।गंभीर रूप से घायल आतिश लिल्हारेऔर जमुना प्रसाद बिरनवार गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था।

3 आरोपी गिरफ्तार-6 आरोपी फरार

हट्टा पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत 9 आरोपियों पर अपराध दर्ज किये थे। घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हो गए थे ।हट्टा पुलिस द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच पड़ताल की जा रही थी। जांच पड़ताल के दौरान 16 अप्रैल को हट्टा पुलिस ने तीन आरोपी महेश पिता श्रीराम पिछोडे 32 वर्ष,राजेन्द्र पिता पीतमलाल मसकरे 35 वर्ष और सीताराम पिता सोहनलाल जामरे जाति मरार 37 वर्ष को गिरफ्तार कर बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिये ।जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

ये आरोपी है फरार

अब इस माम्मले चिमनलाल बिरनवार, राजू बिरनवार, गुड्डु बिरनवार, शैलेन्द्र मसकरे, सीताराम मसकरे, और योगेश बिसेन फरार है। जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार कर बालाघाट की अदालत में पेश कर दिया जाएगा। मामले की जांच पड़ताल थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर द्वारा की जा रही है ।इस मामले के सभी आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 191(2), 191(3), 190, 115(2) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में जनजातीय कार्य विभाग के विद्यालयों का शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सत्र 2025-26 की कक्षा 10वीं (सीबीएसई पाठ्यक्रम) बोर्ड परीक्षा में जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। जिले के कुल 6 विद्यालयों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें अधिकांश विद्यालयों ने शानदार उपलब्धि दर्ज की।

विशेष रूप से माता शबरी आवासीय कन्या परिसर बालाघाट, बिरसा, परसवाड़ा एवं आदर्श आवासीय विद्यालय मलाजखंड ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हासिल कर अपनी गुणवत्ता का परिचय दिया है। वहीं, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा का परिणाम 94.34 प्रतिशत तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर का परिणाम 91.80 प्रतिशत रहा, जो अत्यंत सराहनीय है। इस परीक्षा में कुल 292 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 177 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 107 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी तथा 1 विद्यार्थी ने तृतीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की। यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन को दर्शाता है।

जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर ने सभी सफल विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्राचार्यों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने आगामी सत्र में सभी विद्यालयों से और बेहतर प्रदर्शन तथा शत-प्रतिशत परिणाम की अपेक्षा जताई है। यह उपलब्धि जिले के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली सिद्ध हुई है और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

आस-पास की खबरें

मेधावी छात्रा पलक ने बढ़ाया मान, 12 वीं की परीक्षा में हासिल किये 86.7 प्रतिशत अंक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से बड़ी से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। इसे चरितार्थ कर दिखाया है क्षेत्र की होनहार बेटी पलक अवधिया ने। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 12 वीं के परीक्षा परिणामों में पलक ने 86.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। ग्राम पंचायत अमोली निवासी पूर्व उपसरपंच राकेश अवधिया की सुपुत्री पलक ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कठिन परिश्रम, अनुशासन और अपने गुरूजनों व परिजनों के मार्गदर्शन को दिया है। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद, पलक ने कभी अपनी पढ़ाई से समझौता नहीं किया। उनके परिजनों का कहना है कि पलक शुरू से ही पढ़ाई के प्रति अत्यंत गंभीर और अनुशासित रही हैं। पलक अवधिया की इस शानदार सफलता की खबर मिलते ही अमोली गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं ग्रामीणों का मानना है कि पलक की यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी। छात्रा पलक अवधिया की इस सफलता पर उनके दादा गणेशप्रसाद अवधिया, दादी श्रीमती उमा अवधिया, पिता राकेश अवधिया, माता श्रीमती सीमा अवधिया, चाची साधना अवधिया, चाचा मुकेश अवधिया, फ्रिन्स, प्रियांश और अवीर सहित अन्य शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कक्षा 10 वीं में श्रीनील तरवरे का सुयश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम जाम के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र तरवरे के सुपुत्र श्रीनील तरवरे ने कक्षा दसवीं की परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता दर्ज की है। श्रीनील शासकीय उत्कृष्ट उ'चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा के अंग्रेजी माध्यम का छात्र है। छात्र श्रीनील तरवरे की इस सफलता पर सदगुरू रविदास समाज लालबर्रा ने प्रसन्नता व्यक्त एवं शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीनील ने अपनी कड़ी मेहनत से समाज और माता-पिता का नाम रोशन किया है। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने श्रीनील के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने का आशीर्वाद दिया है।

भीषण गर्मी में तप रहे बच्चें, स्कूल समय बदलने की उठी मांग

बढ़ते तापमान से बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित, स्कूलों में उपस्थिति भी हुई कम

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 1 अप्रैल से नवीन शैक्षणिक सत्र का आगाज हो चुका है। जिसके साथ ही स्कूलों में रौनक तो लौट आई है और पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है। लेकिन आसमान से बरसती आग और चढ़ता पारा यानि भीषण गर्मी अब छोटे एवं बड़े बच्चों की शिक्षा की राह में बड़ी बाधा बन रहा है। वर्तमान में स्कूलों का समय पूर्व की तरह ही प्रातः 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक निर्धारित है। लेकिन इस भीषण गर्मी एवं धूप की तपिश से परेशान विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगणों ने समय परिवर्तन कर सुबह के समय स्कूल लगाने की मांग कर रहे है। ताकि बच्चों को स्कूल आने में परेशानियों का सामना न करना पड़ा। वहीं भीषण गर्मी के चलते ब'चे बहुत कम संख्या में स्कूल पहुंच रहे है और जो बच्चें पहुंच भी रहे है वे भी कक्ष में कम उपस्थिति देखकर छुट्टी लेकर घर चले जाते है जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसलिए क्षेत्र के जागरूक नागरिक, बच्चें व उनके अभिभावकों ने पुरजोर मांग करते हुए प्रशासन से स्कूल का समय जल्द बदलने की मांग की है।

दोपहर की तपिश में बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर

अप्रैल महीने के दूसरे पखवाड़े के शुरू होते ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचने लगा है। दोपहर के बाद जब स्कूलों की छुट्टी होती है, तब धूप और लू (गर्म हवाएं) अपने चरम पर होती हैं। ऐसी स्थिति में पैदल या साइकिल से घर लौटने वाले कक्षा पहली से बारहवीं तक पढ़ाई करने वाले बच्चों को भीषण लू का सामना करना पड़ रहा है। वहीं क्षेत्र के कुछ स्कूलों से इस तेज धुप व उमस भरी गर्मी के चलते ब'चों के बीमार पड़ने, डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) और सिरदर्द की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। वहीं भीषण गर्मी का असर अब स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति पर भी दिखने लगा है। अभिभावकों का कहना है कि चिलचिलाती धूप में बच्चों को स्कूल भेजना जोखिम भरा साबित हो रहा है। इसके चलते कई माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं। साथ ही कही विद्यालयों में पंखे-कूलर की भी व्यवस्था नही है ऐसी स्थिति में बच्चों को पढ़ाई करने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षकों का भी मानना है कि गर्मी के कारण बच्चे कक्षाओं में एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं और दोपहर होते-होते उनकी ऊर्जा पूरी तरह समाप्त हो जाती है।

अभिभावकों की मांग, प्रातः 7.30 से लगे स्कूल

अभिभावकों ने शासन-प्रशासन और जिला शिक्षा विभाग से गुहार लगाई है कि बढ़ते तापमान को देखते हुए स्कूलों के समय में तत्काल परिवर्तन किया जाये और उनकी मांग है कि स्कूलों का संचालन प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाये। प्राथमिक स्कूल के बच्चों की छुट्टी जल्दी की जाये ताकि दोपहर की भीषण गर्मी से पहले बच्चे सुरक्षित अपने घर पहुंच सके। वहीं अप्रैल माह में लग रही गर्मी, मई माह के जैसा अहसास करा रही है। वहीं प्रातः 10 बजे के बाद स्कूल आना और दोपहर 3 बजे के बाद बच्चों को स्कूल से घर जाने में इस भीषण गर्मी के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही शासकीय स्कूलों में पूर्व से निर्धारित समय पर ही स्कूल लग रहे है। कुछ अशासकीय विद्यालयों का संचालन सुबह के समय किया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए कि बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द समय में बदलाव के आदेश जारी करे। जबकि पिछले वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए नवीन सत्र 1 अप्रैल के शुरू होने के साथ ही सुबह के समय से स्कूल का संचालन करने के निर्देश दिये गये थे। लेकिन इस वर्ष पिछले वर्ष से भी अधिक धूप व गर्मी लग रही है लेकिन अप्रैल माह का 15 दिन बीत जाने के बाद भी स्कूल के समय परिवर्तन को लेकर शिक्षा विभाग के द्वारा कोई आदेश जारी नही किये गये है। इसलिए स्कूल प्रबंधन के द्वारा पूर्व में निर्धारित समय अवधि पर ही स्कूल का संचालन किया जा रहा है। लेकिन चिलचिलाती धूप की तपिश एवं उमस भरी गर्मी से बच्चों के साथ ही शिक्षकगण भी परेशान है और उन्हे धूप में निकलने पर लू होने के साथ ही स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने का डर भी सता रहा है।

प्रशासन के निर्णय का इंतजार

फिलहाल विभाग की ओर से समय परिवर्तन को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जानकारों का मानना है कि यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो आगामी दिनों में स्कूलों के समय में कटौती या प्रातःकालीन शिफ्ट का आदेश जारी किया जा सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन नौनिहालों को इस तपती गर्मी से राहत देने के लिए क्या कदम उठाता है।

स्कूल के समय में किया जाये परिवर्तन - ओमप्रकाश

औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि, अभिभावक ओमप्रकाश बिसेन ने बताया कि वर्तमान में भीषण गर्मी जारी है एवं दोपहर में तेज धुप एवं चिलचिलाती गर्मी से हर कोई परेशान नजर आ रहे है। लेकिन 1 अप्रैल से शिक्षा का नवीन सत्र शुरू हो चुका है और वर्तमान में पूर्व निर्धारित समय पर ही स्कूल का संचालन हो रहा है एवं ब'चें स्कूल आ रहे है जिससे दोपहर के समय तेज धूप एवं तपिश से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है एवं बच्चें बीमार हो सकते है। श्री बिसेन ने बताया कि प्रशासन बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्कूल के समय में परिवर्तन कर सुबह के समय से स्कूल लगाना प्रारंभ करवाये, जिससे अभिभावक अपने बच्चों को बिना किसी चिंता के स्कूल भेज सके। साथ ही यह भी बताया कि इस भीषण गर्मी के चलते स्कूलों में बच्चों की संख्या बहुत कम दिखाई पड़ रही है इसलिए शासन से मांग है कि गर्मी के प्रकोप को देखते हुए समय परिवर्तन कर प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच ही स्कूल का संचालन हो।

समय परिवर्तन को लेकर कोई आदेश नही आये है - दुबे

सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनतकुमार दुबे ने बताया कि 1 अप्रैल से नवीन शिक्षण सत्र प्रारंभ हो चुका है। सत्र प्रारंभ होते ही बच्चों की संख्या बेहतर थी परंतु जैसे ही तेज गर्मी प्रारंभ हुआ है जिससे बच्चों की संख्या कम होने लगी है। साथ ही अभिभावकों के द्वारा भी स्कूल के समय में परिवर्तन करने की मांग की जा रही है, लेकिन इस संबंध में हमें शासन स्तर से किसी प्रकार का पत्र एवं आदेश प्राप्त नही हुआ है। जैसे ही हमें कोई दिशा-निर्देश मिलते हैं तो उसका पालन किया जायेगा। श्री दुबे ने बताया कि वर्तमान में भीषण गर्मी बढ़ रही है और लू का प्रकोप भी है, ऐसी स्थिति में बच्चों के बीमार होने की संभावना है, जिसे देखते हुए अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे है, शासन स्तर से हमें जो निर्देश मिलेगा उसका पालनन किया जावेगा, जितने बच्चें स्कूल आ रहे है उनका शिक्षा अध्यापन कार्य संपन्न करवाया जा रहा है।

इनका कहना है-

भीषण गर्मी के चलते बच्चों को प्रातः 10 बजे के बाद स्कूल आने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और समय परिवर्तन की भी मांग की जा रही है। तेज धूप लगने से स्कूल आने में छात्र-छात्राओं हो रही परेशानियों की समस्या से जिला कलेक्टर महोदय को अवगत करवा दिया गया है। जल्द ही स्कूल के समय बदलने का आदेश जारी कर दिया जायेगा और सुबह के समय से स्कूल लगेगा।

अश्विनी उपाध्याय
जिला शिक्षा अधिकारी
बालाघाट।

सघन टी.बी. मुक्त अभियान 2.0 के क्रियान्वयन के लिए ब्लॉक स्तरीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभाकक्ष में गुरूवार को सघन टी.बी. मुक्त अभियान 2.0 के सफल क्रियान्वयन हेतु एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज दुबे एवं बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज दुबे ने राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की और उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को परिवार नियोजन के विभिन्न पहलुओं और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के विषय में तकनीकी जानकारी प्रदान की। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाकर ही इन लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. रितु धुर्वे ने सघन टी.बी. मुक्त अभियान के तहत ब्लॉक की कार्ययोजना प्रस्तुत कर बताया कि लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत 42 हाई रिस्क (अत्यधिक संवेदनशील) गांवों को चिन्हित किया गया है। इन गांवों के लिए माइक्रो-प्लानिंग तैयार कर ली गई है और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। वहीं बैठक में जिले से पधारे डी.पी.जी. उमाकांत मरठे के द्वारा टी.बी. कार्यक्रम के विभिन्न संकेतकों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने वल्नरेबल पापुलेशन (संवेदनशील जनसंख्या) की पहचान और उनके स्वास्थ्य परीक्षण पर जोर दिया। इसके साथ ही राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम एवं अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अभियानों की भी विंदुवार समीक्षा की गई। वहीं बैठक के अंत में सभी उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को अभियान को मिशन मोड में संचालित करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बीपीएम भुवनेश्वर बोपचे, बी.ई.ई. मोनिका गाडेश्वर, एसटीएस पूजा विश्वकर्मा, रितु उरकुड़े, जयकरण पंचेश्वर, श्री चौबे, देवेन्द्र पवार सहित विकासखंड के समस्त सी.एच.ओ. एवं ए.एन.एम. उपस्थित रहे।

1 मई से शुरू होगा जनगणना का महाअभियान

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश की जनसांख्यिकी और सामाजिक संरचना को समझने के लिए आगामी 1 मई से जनगणना का कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। इसी तारतम्य में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 15 अप्रैल से तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जहां प्रगणक और सुपरवाईजर (पर्यवेक्षकों) को जाति जनगणना की बारीकियों से अवगत करवाया जा रहा है। महाविद्यालय के तीन अलग-अलग कक्षों में आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रत्येक बैच में 42-42 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक शामिल हो रहे हैं। जिन्हे मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल प्रस्तुति देकर यह समझाया जा रहा है कि गणना के दौरान डेटा को किस प्रकार दर्ज करना है। साथ ही प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य गणना कार्य में त्रुटि की गुंजाइश को शून्य करना है। वहीं वर्ष 2026 में होने वाली जनगणना की सबसे खास बात यह है कि इस बार 34 विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की जायेगी। जिसमें जातिगत आधार पर विस्तृत डेटा जुटाया जायेगा। जिससे 10 वर्ष बाद देश में विभिन्न जाति वर्गों के सटीक प्रतिशत और उनकी स्थिति का पता चल सकेगा।

स्व-जनगणना की सुविधा, प्रगणक करेंगे सत्यापन

शासन के द्वारा इस बार आम नागरिकों को स्व-जनगणना का विकल्प भी दिया है। इस प्रक्रिया में कोई भी व्यक्ति स्वयं ऑनलाइन के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकता है। वहीं स्व-जनगणना के बाद, शासन द्वारा नियुक्त प्रगणक और पर्यवेक्षक उस डेटा का घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। भौतिक सत्यापन के बाद ही उस जानकारी को अंतिम और सही माना जायेगा। साथ ही 10 वर्ष के अंतराल में होने वाली इस जनगणना से देश के विकास कार्यों की योजना बनाने और विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त होंगें। उक्त कार्य को पूर्ण करने के लिए लालबर्रा क्षेत्र के प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें उन्हे किस तरह से 34 बिन्दुओं पर जनगणना करना है उसके बारे में विस्तार से बताकर प्रशिक्षित किया जा रहा है। चर्चा में मास्टर ट्रैनर देवेन्द्र हनवत ने बताया कि देश में आगामी जनगणना 2026-2027 की तैयारियां शुरू हो चुकी है और 1 मई से जनगणना का प्रथम चरण शुरू हो जायेगा जिसमें मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के सुचारू संचालन के लिए फील्ड प्रशिक्षकों द्वारा प्रगणकों और सुपरवाइजरों को सघन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें मकान सूचीकरण और गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक एक माह की अवधि में पूर्ण किया जायेगा। श्री हनवत ने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस होगी। प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर कुल 34 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र की जायेगी। इस बार की जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता स्व-गणना का विकल्प है। नागरिक स्वयं वेबसाइट के माध्यम से अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जिसके बाद जब प्रगणक उनके घर पहुंचेगें तो उन्हे वह आईडी दिखानी पडेगी, जिससे डेटा का मिलान और सत्यापन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि भारत में पहली बार स्व-गणना का विकल्प दिया जा रहा है, जो डिजिटल इंडिया की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर मास्टर ट्रैनर्स, प्रगणक, सुपरवाईजर (पर्यवेक्षक) उपस्थित रहे।

दसवीं मे सानिया भीमटे तो बारहवीं मे हर्ष मेश्राम ने पाया प्रथम स्थान

विवेक ज्योति विद्या ज्ञानपीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय हिर्री किरनापुर का उत्कृष्ट रहा परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शिक्षा के क्षेत्र मे अग्रणी रहने वाले शिक्षण संस्थान विवेक ज्योति विद्या ज्ञानपीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय हिर्री किरनापुर का मध्य प्रदेश बोर्ड दसवीं एवं बारहवीं का परीक्षा परिणाम बेहद ही सराहनीय रहा। इस संबंध मे विद्यालय के प्राचार्य प्रशांत पाराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा दसवीं मे विद्यालय की छात्रा सानिया पिता मनोज भीमटे ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसी प्रकार माही पिता देवेन्द्र पिछोड़े ने 89.4 प्रतिशत, नैतिक प्रहलाद चंदनवार ने 87.8 प्रतिशत अंक, मयंक मिलिंद हुमनकर ने 84 प्रतिशत अंक, महक पिता कमलेश नगपुरे ने 83.8 प्रतिशत अंक हासिल किया है। उसी प्रकार कक्षा बारहवीं मे हर्ष पिता सुरेन्द्र मेश्राम ने 95.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं श्रेय पिता योगेश जोशी ने 90.8 प्रतिशत अंक, श्रेया पिता विजय मानधाता ने 90.6 प्रतिशत अंक, दीपक पिता यशलाल कावरे ने 86.4 प्रतिशत अंक प्रिंस पिता लिमचंद नगपुरे ने 82.4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने माता पिता एवं विद्यालय को गौरांवित किया है। छात्रों की इस अभूतपूर्व सफलता पर विवेक ज्योति विद्या ज्ञानपीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय हिर्री किरनापुर के विद्यालय के प्राचार्य प्रशांत पाराशर, शिक्षक राजेन्द्र चावके, गजेन्द्र अवसरे, प्रहलाद रंगारे, नंदलाल भगत, मनोज मेश्राम, आशीष अजीत, शानू गेडाम, तोमप्रकाश लिल्हारे, भक्त प्रहलाद आगड़े, प्रवीण चौधरी, चित्रलेखा पंचशील, माया वैद्य गोमती पांचे सहित समस्त विद्यालय परिवार के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र छात्राओं को बधाईयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नल जल योजना बनी शोभा की सुपारी विभागीय उदासीनता और ठेकेदार की लापरवाही से ग्रामीणजन परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरमाली में पानी को लेकर त्राहि त्राहि मची हुई है। शासन द्वारा करोड़ों की लागत से स्वीकृत नल जल योजना विभागीय उदासीनता और ठेकेदार की लापरवाही के कारण ग्रामीणों के लिए शोभा की सुपारी साबित हो रही है। योजना पूर्ण होने से पहले ही विवादों में घिर गई है जिसके चलते ग्रामीणजन बूंद बूंद पानी के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं।

5 साल बाद भी अधूरी योजना 1 करोड़ की लागत पर फिरा पानी

ग्रामीणों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से वर्ष २०२१ में करीब १ करोड़ रुपये की लागत से इस नल जल योजना को स्वीकृति मिली थी। १मार्च २०२१ को इसका निर्माण कार्य बड़े जोर.शोर से शुरू किया गया था। नियमानुसार इस कार्य को जल्द पूर्ण होना था लेकिन विडंबना देखिए कि १६ अप्रैल २०२६ तक यानी ५ साल बीत जाने के बाद भी यह योजना ना तो पूर्ण हो पाई है और ना ही सुचारू रूप से पंचायत को हैंडओवर की गई है।

7 लाख का बिजली बिल बना बाधा अंधेरे में भविष्य

योजना के बंद होने का मुख्य कारण ७ लाख रुपये का बकाया बिजली बिल है। ठेकेदार के द्वारा विद्युत देयकों का भुगतान नहीं किए जाने के कारण विद्युत विभाग ने नल जल योजना का कनेक्शन काट दिया है। जहाँ एक ओर ठेकेदार बिल भुगतान से पल्ला झाड़ रहा है वहीं दूसरी ओर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी इस अधूरी और कर्ज में डूबी योजना को पंचायत के सुपुर्द करने के लिए अनुचित दबाव बना रहे हैं।

कागजों पर 412 कनेक्शन, जमीन पर सिर्फ 70

पंचायत प्रतिनिधियों ने विभाग और ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिकारियों के द्वारा तैयार किए गए दस्तावेजों में ४१२ घरेलू कनेक्शन दर्शाए जा रहे हैं और सरपंच,सचिव पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया जा रहा है। जबकि वास्तविकता यह है कि पंचायत के अनुसार महज ७० कनेक्शन ही चालू स्थिति में हैं। पंचायत का आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण कार्य में भारी अनियमितता गुणवत्ताहीन कार्य और वित्तीय हेराफेरी की है।

सूखते कुएं और सिमटता तालाब 1000 मीटर दूर से आ रहा पानी

डोंगरमाली की स्थिति वर्तमान में भयावह है गांव के अधिकांश कुएं और निजी बोरवेल पूरी तरह सूखने की कगार पर हैं। १४ एकड़ में फैला विशाल तालाब में ८ एकड़ में अतिक्रमण कर अब महज ६ एकड़ में सिमट गया है ,जिससे मवेशियों के लिए भी पानी का संकट खड़ा हो गया है। महिलाओं और बच्चों को चिलचिलाती धूप में ५०० से १००० मीटर की दूरी से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। इतनी मशक्कत के बाद भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

कार्यवाही की मांग

ग्रामीणों और पंचायत प्रशासन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अधूरी योजना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही दोषी ठेकेदार पर कड़ी कार्यवाही करते हुए बकाया बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित कराया जाए। ताकि ठप पड़ी जल प्रदाय व्यवस्था को पुनः बहाल किया जा सके।

नल जल योजना शासन ने सुविधा दी है तो पूरी तरह व्यवस्था बनाना था-निरूपा वासनिक

ग्रामीण निरुपा वासनिक ने बताया कि नल जल योजना १५ दिनों से बंद है कुएँ हैंडपंप सूख गए हैं थोड़ा बहुत पानी हैंडपंप के माध्यम से हमें मिल रहा है। परंतु उसके लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ रहा है करीब ५०० मीटर चलना पड़ता है फिर भी हमें पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। यहां पर करीब ३५ परिवार है जो बहुत दिक्कत में है ,अब पानी नहीं मिल रहा है तो इसके लिए हम पंचायत तक जा सकते हैं सरपंच को भी हमने बोला है। परंतु बताया जा रहा है कि बिजली बिल ७ लाख रुपए का है पंचायत में फंड भी नहीं है जब शासन ने यह सुविधा दी है तो पूरी तरह व्यवस्था बनाना था।

7 लाख का बिजली बिल नही भरना ठेकेदार और अधिकारी की लापरवाही है-दुर्गेश उइके

पंच दुर्गेश उइके ने बताया कि मैं वार्ड नंबर २० में रहता हूं और वार्ड नंबर १५ का मैं पंच हूँ। यह जो पानी टंकी है इसकी पाइपलाइन इस पूरे ५ वार्डों में फैली हुई है जहां पानी नहीं पहुंचता है। ठेकेदार भाग गया है अभी हमारे यहां पर बोरवेल सुख रहे हैं प्राइवेट घरों में जो बोरवेल है वहां से थोड़ा बहुत पानी की व्यवस्था बना रहे हैं। इनके द्वारा ४१२ कनेक्शन नल जल योजना के बताए जा रहे हैं परंतु ७० प्रतिशत कनेक्शन बंद है। पौन महीना हो गया बहुत ज्यादा दिक्कत है इसके लिए सरपंच के द्वारा भी प्रयास किया जा रहा है। अभी यह योजना हैंडओवर नहीं हुई है तो सरपंच और पंचायत कैसे इस योजना का बिजली बिल देगी यह नियम में भी नहीं है। इसका समाधान प्रशासन को निकालना चाहिए इसमें ठेकेदार शासन और अधिकारी की लापरवाही है।

ठेकेदार और अधिकारी की मिली भगत से शासन की योजना का पलीता लगा रहे है-मनोज लिल्हारे

सरपंच मनोज लिल्हारे ने बताया कि सरकार ने हर घर पानी पहुंचाने अच्छी योजना लाई है। परंतु ठेकेदार और अधिकारी की मिली भगत कर इसे पलीता लगा रहे हैं। डोंगरमाली में पांच वर्ष बाद भी यह योजना चालू नहीं हो पाई है पंचायत , पीएचई और ठेकेदार का इस पूरी योजना निर्माण और संचालन में कुछ अनुबंध तो रहा होगा। योजना का ७ लाख रुपये का बिजली बिल बकाया होने के कारण जल आपूर्ति ठप है। पीएचई मंत्री , एसडीएम और सीईओ से गुहार लगाने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला उल्टा पंचायत पर ही भुगतान का दबाव डाला जा रहा है। सरपंच अपनी निजी संपत्ति बेचकर बिल नहीं भरेंगे अभी गर्मी के समय बिजली विभाग ने लाइन का बंद कर दी। हितग्राही सरपंच के पास आते हैं परंतु सरपंच कलेक्टर के पास बात नहीं रख सकता इतना अधिकार किसी सरपंच को नहीं है। यह ठेकेदार गर्रा का कोई बिसेन है इन्होंने ४१२ कनेक्शन दस्तावेज में बताएं। जबकि हमने गीना तो ७० कनेक्शन दिए हैं इसमें भी हेरा फेरी करें। लगातार ग्राम का जलस्तर बैठ रहा है कुएँ हैंडपंप तालाब सूख रहे हैं ऊपर से हैंडोवर लेने के लिए अधिकारी दबाव बना रहे हैं। पंचायत में अधिकारियों ने हस्ताक्षर कर दस्तावेज भेज दिए हैं सरपंच सचिव की बिना साइन करो कहते हैं। मैं अपने जीवन काल में यह योजना हैंडोवर नहीं लूंगा।

ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने सामूहिक सुहागली पूजा कर मांगी अखंड सौभाग्य की कामना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सनातन धर्म में लोक पर्वों और पारंपरिक पूजा पद्धतियों का विशेष महत्व है जो ना केवल परिवार में सुख समृद्धि लाते हैं बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से भी जोड़ते हैं। इसी कड़ी में आज नगर के परशुराम भवन में सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंडल के द्वारा सुहागली पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस सामूहिक पूजन में समाज की महिलाओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया और विधि विधान से अपने अखंड सुहाग की रक्षा एवं परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। पूजन के दौरान

परशुराम भवन का वातावरण भक्तिमय और उत्सव जैसा नजर आया। सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज धजकर सोलह श्रृंगार के साथ पूजा संपन्न की। पूजन स्थल पर धूप दीप और सुहाग सामग्री की खुशबू के बीच महिलाओं ने सामूहिक रूप से मंगल गीत गाए और परंपरागत रीति.रिवाजों का पालन किया। इस धार्मिक आयोजन के साथ ही समाज की आगामी गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी १९ अप्रैल को आराध्य भगवान परशुराम की जयंती अत्यंत भव्य और गरिमामय रूप से मनाई जाएगी। महिला मंडल ने इस उपलक्ष्य में अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। शोभायात्रा सांस्कृतिक कार्यक्रम और महाप्रसाद जैसे आयोजनों को लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है। ताकि जयंती महोत्सव को ऐतिहासिक बनाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने समाज में एकता और समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया। सुहागली पूजा के इस सामूहिक आयोजन ने ना केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया बल्कि सामाजिक एकजुटता का भी एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती पूनम झा ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की सनातन परंपरा में सुहागली पूजा का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में इन परंपराओं को सहेज कर रखना आवश्यक है। सभी महिलाओं ने इस आयोजन में अपार उत्साह दिखाया है। हमारा मुख्य उद्देश्य इस पूजा के माध्यम से नई पीढ़ी की बेटियों और बहुओं को अपने संस्कारों से अवगत कराना है ताकि वे भी अपनी संस्कृति पर गर्व कर सकें। इस अवसर पर श्रीमती पूनम झा,श्रीमती प्रियंका शर्मा, श्रीमती उषा मिश्रा,श्रीमती यामिनी त्रिवेदी, श्रीमती रीता मिश्रा,श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्रीमती भारती आड़े, श्रीमती नीतू मिश्रा,श्रीमती राधा दुबे, श्रीमती वर्षा मिश्रा, श्रीमती हेमलता दुबे, श्रीमती पुष्पा शर्मा, श्रीमती रेखा मिश्रा,श्रीमती पूजा मिश्रा,श्रीमती निशा मिश्रा, श्रीमती रानू दुबे,श्रीमती चारू शर्मा, श्रीमती संगीता वैष्णव, श्रीमती रेनू मिश्रा, श्वेता शर्मा, श्रीमती वर्षा मिश्रा, श्रीमती उषा मिश्रा, श्रीमती अर्चना चौबे, किरण दूबे, प्रिती मिश्रा,अनुपमा तिवारी, लोरी जोशी सहित अन्य महिलायें मौजूद रही।

पीएम श्री शासकीय उ.मा.वि. भेंडारा में मनाई गई आंबेडकर जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। विकासखंड खैरलांजी मुख्यालय स्थित पीएम श्री शासकीय उ.मा. वि.भेंडारा में शासन के निर्देश अनुसार इस वर्ष आंबेडकर जयंती पर साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन

किया गया । इस वर्ष डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की १३५ वीं जयंती के अवसर पर विद्यालय में निबंध प्रतियोगिताएं चित्रकला प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई । जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़. चढ़कर हिस्सा लिया। शोषित पिड़ित,वंचित बरसों से स्वेच्छाचारी लोगों के समूह के द्वारा दबे कुचले लोगों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान समाज सुधारक महिलाओं को समाज में हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जे की बात रखने वाले जननायक को शत शत नमन करते हुए बाबा साहेब आंबेडकर के छायाचित्र पर पूजन अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जहाँ विद्यालय के शिक्षक विनोद कुमार हाड़गे ,जितेंद्र कुमार बंसोड़, मौसम कोल्हेकर,महेश डहारे के द्वारा छात्रों को संबोधित भी किया गया। ताकि वे बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों एवं सीखको जीवन में आत्मसात कर सके । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर के नगपुरे ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों की जयंती सिर्फ से पूजन करने से सार्थक नहीं होगी बल्कि उनके विचारों को हमेशा अपने व्यवहार में अपनाने से ही सफल हो सकती है। कार्यक्रम के सफल संचालन में सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती रश्मि तुरकर,अमित भंवरे सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं का सराहनीय रहा परीक्षा परिणाम

विद्यार्थीयों का नगर से जिले तक रहा दबदबा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल का माध्यमिक शिक्षा मण्डल म. प्र. भोपाल के द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल का परीक्षाफल सराहनीय रहा। हायर सेकेण्डरी कक्षा १२ वीं में कला संकाय में इकरा खान ने ७८.२,महिमा मालाधारे ७७.८ तथा नीलेश नंदेश्वर ने ७३.६ अंक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त हाईस्कूल परीक्षा कक्षा १० वीं में रागिनी हेड़ाऊ ने ८९.८,हर्ष वरकड़े ८६.८, भाविका नगपुरे ८५.८, यश नगपुरे ८३, शिवम माहुरकर ८२.८ एवं चाहत बघेले ने ८१.२ अंक प्राप्त किये। स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन एवं सचिव कैरियर शिक्षा समिति श्रीमती पुष्पा बिसेन सहित समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों तथा अध्यापन करा रहे व्याख्याताओं राकेश कुमार मिश्रा, श्रीमती अनीता मिश्रा, यू के कटरे, देवसिंह ठाकुर, राजेन्द्र बिसेन, सुश्री ज्योति बिसेन, श्रीमती मौसमी बिसेन, भारती कटरे, ज्योति बाला बोपचे, सुश्री आंचल साखरे, सुश्री ज्योति गौतम, महेश्वरी डोहरे डी पी चैतगुरू, नरेन्द्र घरडे , कुसुम नकाशे, आशा बारेकर एवं नीरज बोरकर के द्वारा छात्र छात्राओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

कक्षा दसवी में 500 में 498 अंक प्राप्त कर गांव की बेटी अक्षरा ने बजाया सफलता का डंका प्रदेश में पाया दूसरा स्थान

प्रतिभाएं संसाधनों की मोहताज नही होती कठिन परिश्रम सच्ची लगन जोश और जुनून हो तो मुश्किल परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। यह सिद्ध कर दिखाया है खैरलांजी तहसील के अंतर्गत छोटी सी ग्राम पंचायत टुईयापार की रहने की रहने वाली अक्षरा घोड़ेश्वर ने। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल छतेरा में कक्षा दसवी में अध्ययनरत उक्त छात्रा निर्धन परिवार से आती है। मां तेंदूपत्ता की बीड़ी बनाकर और रोजगार गारंटी योजना में मजदूरी कर बेटियों का लालन पालन करती है। तीन बहनों में अक्षरा सबसे छोटी बहन है। पिताजी और भाई नही है कुछ वर्ष पूर्व ही दोनों दुनिया से चल बसे है। अक्षरा ने पहाड़ जैसे दु:ख और निर्धनता को कभी अपनी सफलता में बाधा नही बनने दिया। रोज ६ घण्टे रोजाना अध्ययन और प्रश्न के उत्तर को लिख लिखकर देखने की कला और हुनर ने उसे प्रदेश में दूसरे नंबर की रैंक दिलवा दी। परिणाम स्वरूप प्रदेश में बालाघाट जिले का डंका बज चुका है। उनकी इस सफलता ने जहां परिवार और माता पिता का नाम रोशन किया है वहीं शाला परिवार सहित जिले वासियों का सिर भी गर्व से ऊंचा कर दिया है। अक्षरा द्वारा कक्षा दसवीं में ५०० में से ४९८ अंक प्राप्त किए गए हैं। मात्र दो अंक उनके कम हो गए वर्ना पूरे ५०० में ५०० अंक हो जाते। निश्चित ही इस सफलता में अक्षरा के साथ शाला परिवार के साथ और सहयोग को भी नकारा नही जा सकता। ऐसे लोग जो कहते

है सरकारी शालाओं की शिक्षा गुणवत्ता युक्त नही होती छात्रा ने इस मिथक को भी तोड़ा है। समान्य तौर पर देखा जाता है कि माता पिता अपने बच्चों को प्राइवेट शालाओं में अध्यन करवाना ज्यादा पसंद करते है। अक्षरा की सफलता से उनके घर के साथ गांव में खुशी की लहर है। ग्राम की महिला सरपंच शोभा गंगाराम डहरवाल ने अक्षरा के घर जाकर सफलता की बधाई दी और बिटिया के उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने अपनी ओर से यथा संभव मदद का भी भरोसा दिलाया है। इसी प्रकार प्राचार्य पीआर भोरगड़े और शाला परिवार के द्वारा भी छात्रा को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेंडारा का परीक्षा परिणाम सराहनीय

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेंडारा का सत्र २०२५-२६ में हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा २०२६ का परीक्षा परिणाम ९६.८ रहा तथा हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा २०२६ का परीक्षा परिणाम ९८.६ प्रतिशत रहा। विद्यालय में कक्षा दसवीं परीक्षा में कुल १२६ परीक्षार्थी शामिल हुए। जिसमें प्रथम श्रेणी में ९९ छात्र, द्वितीय स्थान में २३ कुल १२२ परीक्षार्थियों ने उत्तीर्ण होकर पीएम श्री विद्यालय भेंडारा का नाम रोशन किया। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में कुमारी पूर्णिमा पिता लालचंद लिल्हारे ९६.२ लेकर प्रथम श्रेणी, कुमारी सलोनी पिता विजय अटराहे ९५.२ प्रतिशत लेकर द्वितीय श्रेणी तथा कुमारी श्रुति पिता गणेश नगपुरे और अभय पिता मीताराम डाहाके ने संयुक्त रूप से ९४.८ प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कक्षा १२ वीं में कुल २१८ परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें २१५ परीक्षार्थी उत्तीर्ण होकर विद्यालय का नाम रोशन किया। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में प्रथम श्रेणी में १८५ द्वितीय श्रेणी में ३० विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में प्रथम श्रेणी में श्रीराम पिता गेंदलाल पटले गणित संकाय से ९४.२ प्रतिशत ,मयंक पिता नंदकिशोर नगपुरे कृषि संकाय से ९१ तथा स्वामी पिता हरिशंकर पटले ने कला संकाय से ८९ प्रतिशत बनाकर शाला का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थीयो की इस सफलता पर विद्यालय प्राचार्य श्री आर के नगपुरे ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी का कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

कौशिकी हरिनखेड़े, अनन्या सोहाने, जागृति सोनकुसरे,अभय ठाकरे ने कराया अपनी मेधा का परिचय

चंदोरी स्थित आइडियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने हाल ही में घोषित केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई के १० वीं कक्षा के परिणामों में एक बार फिर अपनी शानदार शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण दिया है। जिस पर स्कूली विद्यार्थीयों के अभिभावको में भी प्रसन्नता का वातावरण व्याप्त हो गया है। स्कूल के संचालक अब्दूल रब कुरैशी ने बताया की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, संस्थान ने लगातार इस असाधारण उपलब्धि से पूरे स्कूल परिसर और स्थानीय क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल है। विद्यालय की होनहार छात्रा कौशिकी हरिनखेड़े ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से ९६ प्रतिशत अंक अर्जित कर स्कूल टॉपर का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है और अपने साथियों के लिए एक मिसाल कायम की है। उनके ठीक पीछे, अनन्या सोहाने ने ९३.४ प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। जबकि जागृति सोनकुसरे और अभय ठाकरे ने अपनी मेधा का परिचय देते हुए ९१ प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया है। सफलता का यह सिलसिला यहीं नहीं रुकाय अंशु भलावे ८९.२ प्रतिशत , हार्दिका येरपुडे ८८, भव्या पटले ८३.२, अक्षिता पटले ८२, लीलाधर बिसेन ८१.८ और विवेक भगत ८१ ने शानदार अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस निरंतर १०० प्रतिशत सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए स्कूल के निर्देशक अब्दुल रब कुरैशी और प्राचार्य सहित समस्त स्कूल प्रबंधन व शिक्षकों ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की सराहना की और सभी छात्र छात्राओं तथा उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुनहरे और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी का बोर्ड परीक्षा परिणाम अच्छा रहा

शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिहलीबाई का वर्ष २०२५-२६ का बोर्ड परीक्षा परिणाम विगत वर्ष के परीक्षा परिणाम से बेहतर एवं सराहनीय रहा। इस वर्ष विद्यालय में हाई स्कूल परीक्षा में ३५० विद्यार्थियों में ३५० परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए, जिनमें प्रथम श्रेणी में २७९, द्वितीय श्रेणी में ३७ तथा तृतीय श्रेणी में निरंक विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल ३१६ छात्र/छात्राएं उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षा परिणाम ९१ प्रतिशत रहा। विद्यालय में प्रथम स्थान पर तनु राणा पिता दयेन्द्र ने ९७.२ प्रतिशत अंक लेकर संस्था में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाया। वहीं द्वितीय स्थान पर माही पटले पिता संतोष पटले ९७ प्रतिशत तथा ९६.८ प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान पर खुशी नगपूरे पिता सुरेन्द्र नगपूरे एवं रानी पंचेश्वर पिता विजय पंचेश्वर रही। इसी प्रकार बोर्ड परीक्षा कक्षा १२वीं में विद्यालय के सभी संकायों में कुल दर्ज ३३१ परीक्षार्थीयों में ३३० परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिनमें प्रथम श्रेणी में २५०, द्वितीय श्रेणी में ३३ एवं तृतीय श्रेणी में निरंक परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल २८३ छात्र/छात्राएं उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षाफल ८६ प्रतिशत रहा। विद्यालय के सभी संकायों में प्रथम स्थान पर गणित संकाय से ओम पारधी पिता कन्हैया पारधी ने ९१.४ प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय को गौरान्वित किया। वहीं ९०.८ प्रतिशत अंक लेकर स्वान्दी ऐवले कृषि संकाय द्वितीय स्थान पर रहे तथा ८८.६ प्रतिशत अंक लेकर जीव विज्ञान संकाय से सुजल बिसेन पिता रूपचंद बिसेन तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम हाई स्कूल एंव हायर सेकेण्डरी नगर में सर्वोत्कृष्ट रहा। विद्यार्थियों की इस आशातीत सफलता पर विद्यालय प्राचार्य हुमराज पटले ,बोर्ड परीक्षा प्रभारी , लखन रिनायत, शिक्षिका श्रीमती वंदना शर्मा, प्रवीण राणा, शरद सोनी, श्री डेलेन्द्र मेश्राम , डिलनसिंह तुरकर ,कमल टेंभरे, अमित डोंगरे सहित समस्त शाला परिवार ने अपनी बधाईयाँ प्रेषित की साथ ही भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रेषित की है। संस्था प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अनुत्तीर्ण हुए परिक्षार्थियों को निराश ना होकर पढ़ाई करने की बात कही। जिसके लिए हर संभव इन परिक्षार्थियों को मदद देने हेतु संस्था के सभी शिक्षक कृतसंकल्पित है। जिले की ऐतिहासिक एवं गौरवशाली संस्था के परीक्षा परिणाम पर अनेक शिक्षा सचेतकों ने अपनी बधाईयाँ प्रेषित की है एवं अनुत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के लिए अपनी बात इस प्रकार कही है।

महिला आरक्षण बिल के बाद बदलेगी संसद की सूरत

16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र आयोजित होने जा रहा है। इस सत्र में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। लंबे इंतजार और व्यापक राजनीतिक विमर्श के बाद पारित हुआ महिला आरक्षण बिल—जिसे आधिकारिक रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है—देश की संसद और विधानसभाओं की संरचना में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, जो भारतीय राजनीति में लैंगिक संतुलन की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। आज तक भारतीय संसद में महिलाओं की भागीदारी सीमित रही है। हालाँकि इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज और ममता बनर्जी जैसी प्रभावशाली महिला नेताओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, लेकिन कुल संख्या के लिहाज से महिलाएं अब भी कम प्रतिनिधित्व वाली श्रेणी में रही हैं। ऐसे में यह आरक्षण बिल केवल संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की दृष्टि और संवेदनशीलता को शामिल करने का प्रयास भी है। इस विधेयक के लागू होने के बाद संसद की सूरत में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। अधिक संख्या में महिला सांसदों की भागीदारी से सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और पोषण जैसे मुद्दों पर अधिक गंभीरता से चर्चा होने की संभावना है। इससे नीतियां अधिक समावेशी और जमीनी हकीकत के करीब बन सकती हैं। हालांकि, इस बदलाव के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। राजनीतिक दलों को योग्य महिला उम्मीदवारों को तैयार करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। केवल आरक्षण से ही वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं है; इसके लिए सामाजिक मानसिकता में बदलाव और राजनीतिक प्रशिक्षण भी उतना ही आवश्यक है। इसके अलावा, आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी, जो इस कानून के क्रियान्वयन को प्रभावित कर सकती है। इस कारण, इसके प्रभावी लागू होने में समय लगने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक, संतुलित और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह न केवल संसद की सूरत बदलेगा, बल्कि राजनीति की सोच और प्राथमिकताओं को भी नई दिशा देगा। यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि एक मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की आधारशिला रखता है। केंद्र सरकार ने हाल ही में उन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया है, जो 2029 तक विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों में उभर रही हैं।

यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संघीय ढांचे, प्रतिनिधित्व के संतुलन और लोकतांत्रिक विश्वास से भी जुड़ा हुआ है।महिला आरक्षण का उद्देश्य राजनीति में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही है। ऐसे में 33प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। लेकिन इसके साथ जुड़ा परिसीमन का सवाल कई जटिलताओं को जन्म देता है। परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण। 2026 के बाद होने वाली संभावित परिसीमन प्रक्रिया में जनसंख्या के वर्तमान आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। यहीं से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंता शुरू होती है। इन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में जनसंख्या वृद्धि अधिक रही है।

होर्मुज़ संकट 2026-अमेरिकी नाकेबंदी

चीनी चुनौती और वैश्विक शक्ति- संतुलन का निर्णायक मोड़- बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक विस्फोटक संकट

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में 15 अप्रैल 2026 को उत्पन्न घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर अस्थिरता के मोड़ पर ला खड़ा किया है। स्ट्रैट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नाकेबंदी,चीनी टैंकरों की सक्रियता,ईरान-अमेरिका के बीच तनाव औरइस्लामाबाद में असफल कूटनीतिक वार्ताओं ने मिलकर एक ऐसा संकट पैदा कर दिया है,जिसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है।यह स्थिति केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं,बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून,ऊर्जा सुरक्षा और महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का प्रतीक बन चुकी है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी की राजनीति अब केवल संवाद से नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन और रणनीतिक दबाव से संचालित हो रही है। एडवोकेट किस सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस बीच भारतीय पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति 14 अप्रैल 2026 को हुई 40 मिनट की बातचीत इस संकट के बीच भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।भारत,जो ऊर्जा आयात पर निर्भर है,इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो सकता है। इस वार्ता में ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने हमेशा संतुलन कारी नीति अपनाई है और इस संकट में भी वह कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रयास कर सकता है। यह भारत के लिए एक अवसर भी है कि वह वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को और मजबूत करे।

साथियों बात अगर हम होर्मुज़ का भू-राजनीतिक महत्व ऊर्जा की जीवनरेखा पर नियंत्रण को समझने को करें तो, स्ट्रैट ऑफ होर्मुज़ विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल और गैस का परिवहन होता है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और इसके दोनों ओर ईरान और ओमान स्थित हैं। इस क्षेत्र पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव, और यही कारण है कि अमेरिका, चीन और ईरान जैसे देश यहां अपनी रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखते हैं। होर्मुज पर किसी भी प्रकार की नाकेबंदी या सैन्य गतिविधि का सीधा असर तेल की कीमतों, वैश्विक व्यापार और आर्थिक स्थिरता पर पड़ता है, जिससे यह क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन जाता है।

साथियों बात अगर हमअमेरिकी नाकेबंदी- रणनीतिक दबाव या अंतरराष्ट्रीय विवाद इसको समझने की करें तो अमेरिका ने यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के माध्यम से ईरानी पोर्ट्स पर दबाव बनाने के लिए नाकेबंदी लागू की, जिसमें 10,000 से अधिक सैनिक, कई युद्धपोत और दर्जनों एयरक्राफ्ट शामिल किए गए। इस नाकेबंदी का उद्देश्य ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय गतिविधियों के कारण आर्थिक और सामरिक रूप से कमजोर करना था। हालांकि, इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, क्योंकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में एकतरफा नाकेबंदी को वैध नहीं माना जाता। यूरोपीय देशों ने भी इस कदम का समर्थन नहीं किया, जिससे अमेरिका की कूटनीतिक स्थिति कमजोर हुई और यह स्पष्ट हुआ कि यह कदम केवल सामरिक नहीं, बल्कि राजनीतिक जोखिम से भी भरा हुआ है।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की रणनीतिक- सफलता और विफलता का मिश्रण इसको समझने की करें तो, ट्रम्प द्वारा लागू की गई नाकेबंदी रणनीति को पूरी तरह सफल या विफल कहना कठिन है। एक ओर जहां कई जहाजों को वापस लौटना पड़ा और ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ, वहीं दूसरी ओर कुछ टैंकर नाकेबंदी को पार करने में सफल भी रहे। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह रणनीति आंशिक रूप से प्रभावी है,लेकिन इसमें कई कमजोरियां भी हैं।इसके अलावाअंतरराष्ट्रीय समर्थन की कमी और कानूनी विवादों ने इस योजना की विश्वसनीयता को प्रभावित किया है। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है, ताकि वह अधिक प्रभावी और वैध तरीके से अपने उद्देश्यों को सटीक रूप से प्राप्त कर सके।

साथियों बात अगर हम चीनी टैंकर की चुनौती- वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत इसको समझने की करें तो 15 अप्रैल 2026 को चीनी टैंकर रिच स्टैरी अमेरिकी नाकेबंदी को पार करने में असफल रहा,जबकि एक दिन पहले वह सफलता पूर्वक गुजर गया था। यह घटना न केवल अमेरिकी रणनीति की सीमाओं को दर्शाती है, बल्कि चाइना की बढ़ती वैश्विक भूमिका का भी संकेत देती है। यह टैंकर यूनाइटेड अरब अमीरात के हमरियाह पोर्ट से चला था और इसमें भारी मात्रा में मेथेनॉल लोड था। चीन का यह कदम स्पष्ट करता है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों और दबावों को चुनौती देने के लिए तैयार है और अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए जोखिम उठाने को भी तैयार है। यह घटना एक बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष की ओर संकेत करती है, जिसमें आर्थिक हित और रणनीतिक प्रभुत्व दोनों शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम अमेरिका बनाम चीन-एक नए शीत युद्ध की आहट को समझने की करें तो यूनाइटेड स्टेट्स और चाइना के बीच होर्मुज़ में बढ़ता तनाव एक नए शीत युद्ध की शुरुआत का संकेत दे रहा है। यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं, बल्कि आर्थिक और तकनीकी भी है। चीन, ईरान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका अपने प्रतिबंधों और सैन्य शक्ति के माध्यम से उसे रोकने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव वैश्विक शक्ति संतुलन को बदल सकता है और आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय कर सकता है। इस संघर्ष में अन्य देश भी अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ शामिल हो सकते हैं, जिससे यह स्थिति और बहुत हीजटिल हो सकती है।

साथियों बात अगर हम 1953 का ऐतिहासिक संदर्भ-अतीत की छाया को समझने की करें तो 1953 ईरानीयन कपल डीटट का उल्लेख इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दर्शाता है कि ईरान पर बाहरी दबाव और हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं है। उस समय भी तेल और सत्ता के लिए संघर्ष हुआ था, और आज भी वही मुद्दे केंद्र में हैं। अंतर केवल इतना है कि अब इस संघर्ष में चीन जैसे नए खिलाड़ी शामिल हो गए हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। यह ऐतिहासिक संदर्भ यह भी बताता है कि ऐसे संघर्षों का समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि कूटनीति और सहयोग से ही संभव है। साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद वार्ता की विफलता- कूटनीति की सीमाएं इसको समझने की करें तो इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता, जिसे जेडी वैन्स ने नेतृत्व किया, 21 घंटे तक चली लेकिन अंततः असफल रही। इस विफलता का मुख्य कारण ईरान का अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने से इनकार और अमेरिका की कठोर शर्तें थीं। इस असफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में कूटनीति की सीमाएं हैं और दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी है। इस स्थिति में नाकेबंदी जैसे कठोर कदमों का सहारा लिया गया, जिसने तनाव को और बढ़ा दिया।

साथियों बात अगर हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव- ऊर्जा संकट और बाजार अस्थिरता इसको समझने की करें तो होर्मुज़ संकट का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। तेल की कीमतें अचानक बढ़कर 100 प्रति बैरल से ऊपर चली गईं, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने भी वैश्विक विकास दर में गिरावट की चेतावनी दी है। एयरलाईंस और अन्य उद्योगों को बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है, जबकि ओपेक बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। यह स्थिति दर्शाती है कि एक क्षेत्रीय संघर्ष कैसे वैश्विक आर्थिक संकट में बदल सकता है और यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

साथियों बात अगर हम संभावित भविष्य- युद्ध, कूटनीति या गतिरोध इसको समझने की करें तो वर्तमान स्थिति तीन संभावित दिशाओं में विकसित हो सकती है। पहला, यदि तनाव बढ़ता है, तो यह सैन्य संघर्ष में बदल सकता है, जिसमें अमेरिका और ईरान के बीच सीधा टकराव संभव है। दूसरा, यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं, तो एक समझौता हो सकता है, जिससे स्थिति सामान्य हो सकती है। तीसरा, यह स्थिति लंबे समय तक गतिरोध में भी बदल सकती है, जहां नाकेबंदी जारी रहे लेकिन कोई निर्णायक परिणाम न निकले। इन तीनों संभावनाओं में से कौन-सी वास्तविकता बनेगी, यह आने वाले दिनों में होने वाली घटनाओं पर निर्भर करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अधूरी जीत और बढ़ती अनिश्चितता होर्मुज़ में अमेरिकी नाकेबंदी न तो पूरी तरह सफल है और न ही पूरी तरह विफल। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें सभी पक्ष कुछ हद तक सफल और कुछ हद तक असफल रहे हैं। अमेरिका ने दबाव बनाया, लेकिन पूर्ण नियंत्रण हासिल नहीं कर पाया। चीन ने चुनौती दी, लेकिन पूरी तरह सफल नहीं हुआ। ईरान ने प्रतिरोध किया, लेकिन उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यह स्थिति वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यह संकट कूटनीति के माध्यम से सुलझता है या यह एक बड़े संघर्ष का रूप ले लेता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी संकट

-कातिलाल मांडोत

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण भारत में भी ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की कीमतों में लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है। यह संभावित वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल है और फिलहाल कीमतों को स्थिर रखा गया है।

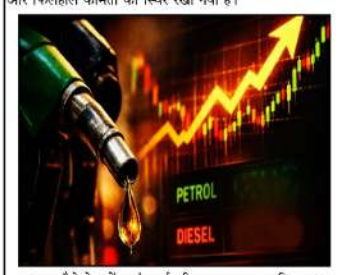

भारत जैसे देश में जहां ऊर्जा की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है, वहां कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे आम लोगों की जिंदगी को प्रभावित करता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व और रूस जैसे क्षेत्रों से आता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव, युद्ध या आपूर्ति में कमी का असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ता है। पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। करीब डेढ़ महीने के भीतर ही कीमतों में 27 डॉलर प्रति बैरल तक का उछाल दर्ज किया गया है। इस बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियां हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान झेल रही हैं। कुल मिलाकर यह नुकसान प्रतिदिन लगभग 1600 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पहले 2400 करोड़ रुपए के स्तर तक भी जा चुका था।

सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कुछ कटौती किए जाने के बावजूद यह राहत पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार का तेल पर मिलने वाला राजस्व भी घटा है। जहां 2017 में यह 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर करीब 8 प्रतिशत रह गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार के पास भी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीमित विकल्प बचे हैं। यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तब भी कंपनियों के घाटे की पूरी भरपाई संभव नहीं है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव भी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, विशेष रूप से ईरान और यूनाइटेड स्टेट के बीच बढ़ती खींचतान, कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित कर रही है। आपूर्ति में कमी और मांग में स्थिरता या वृद्धि के कारण कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल, साबुन, शैंपू, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने लगते हैं। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के बजाय पैकेट का आकार छोटा कर देती हैं, जिसे 'श्रिंकफ्लेशन' कहा जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से बोझ बढ़ता है। खाद्य तेल की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 57 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से इनके दाम भी 7 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री महंगी होने से एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है।

घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में भी लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा पहले ही ग्राहकों पर डाल चुकी हैं और आगे भी कीमतें बढ़ने की संभावना बनी हुई है। कपड़ा उद्योग में सिंथेटिक फाइबर की कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कपड़ों के दाम भी बढ़ेंगे। पेंट उद्योग में भी लागत में वृद्धि के कारण 2 से 5 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इस पूरी स्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू देश का चालू खाता घाटा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत का चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। यूनाइटेड स्टेट में पेट्रोल की औसत कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है। भारत के पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका में भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। फिलहाल भारत में कीमतों को स्थिर रखा गया है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहना मुश्किल है। जैसे ही चुनावी प्रक्रिया समाप्त होगी, कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा और महंगाई में और वृद्धि होगी।

इस परिस्थिति में सरकार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर कंपनियों के घाटे को कम करना जरूरी है, तो दूसरी ओर आम जनता को राहत देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और तेल कंपनियां इस चुनौती से कैसे निपटती हैं और आम जनता को कितनी राहत मिल पाती है।

बिहार में संभावनाएं विकास की- अब सत्ता सम्राट की

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलों सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों हैं कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है।

पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

-ललित गर्ग

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अंतराराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्यपूर्व में तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। आज कारोबार के दौरान प्रमुख बेंचमार्कों में हल्की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 122.56 अंक फिसलकर 77,988.68 पर था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.55 अंक नीचे आकर 24,196.75 पर बंद हुआ।

वहीं व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 0.63 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.89 फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मेटल में 1.53 प्रतिशत की तेजी और निफ्टी आईटी में 0.88 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी

रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी में भी तेजी रही जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी ऑटो और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ, टाइटन, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों को हुआ जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी पोर्ट्स और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत को लेकर जारी आशंकाओं से भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है जिससे वे बाजार से दूर बने हुए हैं। हालांकि विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी और भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है जिससे गिरावट पर अंकुश लगाने का काम किया है। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 78,677 के स्तर पर खुला । वहीं निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,385 के स्तर पर खुला पर समय के साथ ही दोनो सूचकांकों में गिरावट आने लगी।

भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक रैंकिंग में खिसककर छठे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी। साल 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसककर छठे स्थान पर पहुंच गई है। यूनाइटेड किंगडम ने भारत को पीछे छोड़ते हुए पांचवां स्थान हासिल कर लिया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत की जीडीपी करीब 3.92 ट्रिलियन डॉलर रही, जबकि यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। इसके चलते भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इस बदलाव के साथ भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी फिलहाल टल गया है। पहले उम्मीद थी कि भारत जापान को पीछे छोड़ देगा, लेकिन अब नए अनुमानों के मुताबिक 2026 में भी यह संभव नहीं दिख रहा। वहीं जर्मनी को पीछे छोड़ने का लक्ष्य भी आगे खिसककर 2031 तक पहुंच गया है। हालांकि, वैश्विक रैंकिंग में गिरावट के बावजूद भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। 2021 से 2025 के बीच भारत की जीडीपी में औसतन 8.56 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, रैंकिंग में गिरावट की सबसे बड़ी वजह रुपये की कमजोरी है। वित्त वर्ष 2026 में रुपया डॉलर के मुकाबले 4.6 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है और आगे भी दबाव बना रह सकता है। चूंकि वैश्विक तुलना डॉलर में की जाती है, इसलिए रुपये के कमजोर होने से भारत की जीडीपी का आकार कम नजर आता है। इस बीच इंटर मोनिटरी फंड (आईएमएफ) ने भारत के लिए विकास का अनुमान बढ़ाते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए 6.5 प्रतिशत की ग्रोथ दर तय की है।

पश्चिमी एशिया संकट के बावजूद एलपीजी की मारामारी खत्म, सिलेंडर बुकिंग में कमी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की बुकिंग के लिए मची मारामारी अब काफी हद तक खत्म हो गई है। एक महीने पहले जहां दैनिक बुकिंग 90 लाख तक पहुंच गई थी, वहीं अब यह घटकर 43 लाख रह गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आपूर्ति व्यवस्था में सुधार और सरकार के त्वरित कदमों के कारण स्थिति सामान्य हो रही है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 14 अप्रैल को सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने घरेलू उपभोक्ताओं को 43.1 लाख सिलिंडरों की बुकिंग के मुकाबले 47.6 लाख एलपीजी सिलिंडर वितरित किए, जो आपूर्ति व्यवस्था के दुरुस्त होने का संकेत है। पश्चिम एशिया संकट से पहले घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की औसत दैनिक मांग लगभग 55 लाख थी, और अब आपूर्ति तथा मांग के अंतर को काफी हद तक पाट लिया गया है। रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन में वृद्धि, सिलिंडर बुकिंग के बीच लंबे अंतराल, विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति को प्राथमिकता देने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने जैसे कदमों से स्थिति को संभालने में खासी मदद मिली है। भारत ने पश्चिम एशिया से बाधित आपूर्ति की भरपाई के लिए अमेरिका, अंगोला और ईरान सहित अन्य देशों से एलपीजी की खरीद बढ़ाई है। केंद्र सरकार ने भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी है। सरकार के अनुसार, अब किसी भी वितरक कंपनी के पास ड्राई-आउट जैसी स्थिति नहीं है और ऑनलाइन बुकिंग 84 प्रतिशत से बढ़कर 98 प्रतिशत हो गई है। ऑटो एलपीजी की बिक्री में भी अप्रैल में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकार ने फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और खाद्य जैसे अहम क्षेत्रों के लिए सी3 और सी4 गैसों की मात्रा को पहले के 800 टन/दिन से बढ़ाकर 1,000 टन प्रतिदिन कर दिया है। सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन के लिए इन गैसों का पूरा उपयोग करने का निर्देश दिया था।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दालों में कमजोर बिक्रे के चलते गुरूवार को दलहनों में तुअर बाजार नरमी के रहे। चना सुस्त बना रहा। खाद्य तेलों में नरमी का वातावरण देखा गया। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर दाल में कमजोर लेवाली के चलते साबूत मालों में बाजार नरमी बनाये हुए है। चना भी मंदी पर रहा। खाद्य तेलों में नरमी कायम रही। तिलहनों में सरसो, रायडा व सोयाबीन में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1430, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1440, धूलिया 1450, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1530,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5550-5575, महाराष्ट्र विशाल 5525-5550, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7100-7200, एवरेज 6800-6900, हल्की 6500-6700, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 246000, चाँदी (99) 245800, टंच 245600, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 153700,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.27 पर बंद हुआ। इससे पहले आज कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने और अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से भी रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.26 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.29 प्रति डॉलर पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया दो पैसे मजबूत होकर 93.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 97.72 पर रहा।

मेष- आज आपका घर-परिवार खुशियों से भरने वाला है। वैवाहिक जीवन में मिठास बढ़ेगी और पुराने विवाद भी आपकी समझदारी से खत्म हो सकते हैं। लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है। बीती गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। ध्यान रखें धन से जुड़ी किसी भी योजना पर आंख बंद करके भरोसा ना करें।

वृषभ- आज आपको अपनी जुबान पर कंट्रोल रखना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। बेवजह के विवाद से दूर रहें और पैसों के मामलों में समझदारी दिखाएं। कार्यक्षेत्र में कोई आपको भ्रमित कर सकता है, सतर्क रहें। पुराने कर्ज उतारने की कोशिश करेंगे। प्रॉपर्टी लेने का सपना पूरा करने के लिए लोन लेना पड़ सकता है। संतान का व्यवहार थोड़ा टेंशन दे सकता है।

मिथुन- आज करियर में चमकने का मौका है। मेहनत का फल मिलेगा, बस फोकस बनाए रखें। सरकारी काम में थोड़ी समझदारी दिखानी होगी। खर्चे बढ़ सकते हैं, खासकर शौक पूरे करने में, इसलिए सेविंग जरूरी है। घर में किसी नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा।

कर्क- आज दिल नहीं, दिमाग से फैसले लेने का दिन है। भावनाओं में बहकर लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है। खर्चों का हिसाब रखें, नहीं तो परेशानी बढ़ेगी। दूसरों की कमियां निकालने से रिश्ते खराब हो सकते हैं। बिजनेस में बदलाव करेंगे तो फायदा मिलेगा, लेकिन मेहनत ज्यादा करनी होगी। परिवार में जिम्मेदारियों को लेकर बातचीत बढ़ेगी।

सिंह- आज आपका रुका हुआ हर काम पूरा होने की ओर बढ़ेगा। आत्मविश्वास चरम पर रहेगा और व्यापार में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी बदलने का सोच रहे हैं तो अच्छा मौका मिल सकता है प्रमोशन के साथ। आपकी लीडरशिप चमकेगी और विद्यार्थी भी शानदार प्रदर्शन करेंगे।

कन्या- आज सतर्क रहना बहुत जरूरी है। आसपास के लोग आपके खिलाफ चाल चल सकते हैं। पुराने कर्ज की याद आपको तनाव दे सकती है। लापरवाही से नुकसान हो सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। पुराने दोस्त से मुलाकात होगी, लेकिन पुरानी बातें छेड़ने से बचें। पिता की आंखों की सेहत को लेकर डॉक्टर से सलाह लेनी पड़ सकती है।

तुला- आज किस्मत आपका साथ देने को तैयार है। करियर में अच्छा फायदा मिलेगा और आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होगा। मनपसंद व्यक्ति से मुलाकात दिल को खुश कर देगी। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी चमक अलग ही नजर आएगी।

वृश्चिक- आज का दिन संतुलन का है। बाकी सब छोड़कर सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए नए कदम उठाएंगे और साइड इनकम का रास्ता भी खुल सकता है। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभाएंगे। संतान से जुड़ी जरूरी बातचीत भी आज होगी।

धनु- आज खुशियों की बारिश होने वाली है। एक के बाद एक अच्छी खबर आपका इंतजार कर रही है। घर में मांगलिक कार्यक्रम का माहौल बन सकता है। आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे मन को सुकून मिलेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे और आय में बढ़ोतरी आपको खुश कर देगी। संतान के लिए नई शुरुआत का समय है।

मकर- आज का दिन संतुलित लेकिन फलदायक है। आय बढ़ेगी और मन खुश रहेगा। नौकरी में फोकस बनाए रखना जरूरी है। प्रॉपर्टी या वाहन खरीदने की योजना बन सकती है। परिवार में एकता बनी रहेगी और किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर हो सकती है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा।

कुंभ- आज आपके लिए खास दिन है। भाई-बहनों का सहयोग आपको आगे बढ़ाएगा। दूर बैठे किसी अपने की याद दिल को छू सकती है। बच्चों के साथ बिताया समय आपको खुशी देगा। सेहत में थोड़ी गिरावट आ सकती है, सावधानी रखें। जीवनसाथी की ओर से सरप्राइज मिल सकता है और कुछ नया करने का जोश जागेगा।

मीन- आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। काम पर पूरा ध्यान दें, नहीं तो धन फंस सकता है। बड़ा रिस्क लेने से बचें और पार्टनरशिप में आंख बंद करके भरोसा ना करें। मीठी वाणी से आप हर समस्या सुलझा सकते हैं। परिवार में किसी की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, डॉक्टर से सलाह लें। संतान के साथ घूमने का प्लान दिन को खास बना देगा।

शब्दजाल - 8231

ह	म	मा	प	र	व	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अं	था	त	र	ज	ल	दी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ट	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	ठी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	व	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फ्र	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

शब्दजाल में अमिषा पटेल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गदर, हमराज, परवाना, सुनो ससुरजी, आप की खातीर, यह है जलवा, वादा, अनकही, तथास्तु, जमीर,

शब्दजाल - 8230 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7175

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टूट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे सावन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7174

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.29 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.13 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.11 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.25 बजे से
गुरू	मिथुन में	सिंह	13.41 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	15.53 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.03 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.18 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.34 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मकर	00.39 बजे से
		कुंभ	02.26 बजे से
		मीन	03.58 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 107 वा दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) पक्ष कृष्ण तिथि अमावस्या 17.22 बजे को समाप्त। नक्षत्र रेवती 12.02 बजे को समाप्त। योग वैधृति 07.22 बजे तदनन्तर विष्कुम्भ 03.46 बजे रात्र को समाप्त। करण चतुष्पद 06.50 बजे, नाग 17.22 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 03.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 24'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872682
जूलियन दिन 2461147.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल तारीख 28
विशेष दर्श व वैशाख अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभला श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सत्संग का प्रभाव

एक बार मगध के राजा चित्रांगद अपने मंत्री के साथ प्रजा के सुख-दुख का पता लगाने के लिए दौरे पर निकले। जंगल में उन्होंने एक तपस्वी को देखा। राजा ने उनके पास पहुंचकर कहा, 'मैं यहां का राजा हूं। आप सोने की कुछ मोहरें रख लीजिए और जंगल से बाहर सुखपूर्वक अपना जीवन बिताइए।' तपस्वी बोले, 'पुत्र, मैं तो एक ऋषि हूं, भला मोहरों का मेरे पास क्या काम? आप इन मोहरों को किसी निर्धन को दे दीजिए।' इस पर राजा ने कहा, 'लेकिन आपको भी तो जीविकोपार्जन के लिए धन की आवश्यकता होती होगी न? आप इन मोहरों को क्यों ठुकरा रहे हैं?' तपस्वी बोले, 'पुत्र, हम स्वर्ण रसायन से तांबे को सोना बना देते हैं। उसी से अपनी जीविका चलाते हैं।' यह सुनकर राजा हैरान रह गए। उन्होंने तपस्वी से निवेदन किया, 'कृपया मुझे भी वह कला सिखा दीजिए। इससे हमारे राज्य में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होगी और मेरी प्रजा अपना सारा जीवन आराम से व्यतीत करेगी।' राजा की बात पर तपस्वी बोले, 'राजन, मैं आपको वह कला सिखा दूंगा किंतु उसके लिए आपको एक वर्ष तक मेरे साथ रह कर साधना करनी होगी।' राजा अपनी प्रजा के हित के लिए तपस्वी के साथ साधना करने को तैयार हो गए। वह एक वर्ष तक निःस्वार्थ तपस्वी के साथ साधना करते रहे। इस बीच उन्हें यहां पर सच्चे अध्यात्म और आनंद की प्राप्ति हुई और उनका धन से मोह दूर हो गया। एक दिन तपस्वी बोले, 'आओ राजन, आज मैं आपको तांबे से सोना बनाने की कला सिखाता हूं।' तपस्वी की बात पर राजा ने कहा, 'अब मुझे स्वर्ण रसायन की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस एक वर्ष में आपने मेरे पूरे अस्तित्व को ही अमृत रसायन में परिवर्तित कर डाला है। बस आप मुझे आशीर्वाद दीजिए कि मैं निःस्वार्थ भाव से ऐसे ही प्रभु का स्मरण करते हुए अपने कार्य करूं।' तपस्वी राजा को आशीर्वाद देकर वहां से चले गए।

सूडोकु नवताल- 7484

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7483 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8699

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8698 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा सत्र 2025-2026 के हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित हुआ। इस वर्ष शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक रहा। जिसने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं समर्पण की परंपरा को एक बार फिर सशक्त रूप से स्थापित करके कक्षा 10वीं में 95.56 प्रतिशत एवं 12वीं में 87.02 प्रतिशत रहा।

सत्र 2025-2026 में कक्षा 10 वीं में कुल दर्ज 168 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 158 व स्वाध्यायी रूप से 9 सम्मिलित हुये एवं 1 स्वाध्यायी छात्र अनुपस्थित रहा। जिसमें नियमित 151 व स्वाध्यायी 8 कुल 159 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 9 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। इस प्रकार कक्षा 10 वीं का सम्मिलित परीक्षा परिणाम 95.56 प्रतिशत रहा।

जिसमे हिन्दी माध्यम से प्रथम स्थान पर गौरव/कमलेश बिछोड़े 95.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान लिवेश/घनश्याम चौधरी 92.2 प्रतिशत, तृतीय स्थान कु.पूनम/गजानन घोरमारे 91.6 प्रतिशत एवं अंग्रेजी माध्यम से प्रथम स्थान पर कु. पल्लवी/गजानन मेश्राम 97 प्रतिशत, द्वितीय स्थान कु. विधि/विजय ये? 96.8 प्रतिशत एवं तृतीय स्थान कु.वृष्टि/अनिल नागेश्वर 95.4 प्रतिशत अंक प्रास किये।

इसी प्रकार कक्षा 12 वीं विज्ञान संकाय हिन्दी माध्यम में कुल दर्ज 61 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 57 व स्वाध्यायी रूप से 4 सम्मिलित हुये। जिसमें नियमित 48 व स्वाध्यायी 2 कुल 50 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 11 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। 12 वीं कला संकाय में कुल दर्ज 76 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 68 व स्वाध्यायी रूप से 8 सम्मिलित हुये। जिसमें नियमित 64 व स्वाध्यायी 6 कुल 70 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 6 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। 12 वीं कृषि संकाय में कुल दर्ज 57 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 52 व स्वाध्यायी रूप से 5

सम्मिलित हुये। जिसमें नियमित 38 व स्वाध्यायी 4 कुल 42 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 15 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। 12 वीं कॉमर्स संकाय में कुल दर्ज 25 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 18 व स्वाध्यायी रूप से 6 सम्मिलित हुये एवं 1 स्वाध्यायी छात्र अनुपस्थित रहा। जिसमें नियमित 16 व स्वाध्यायी 5 कुल 21 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 4 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। 12 वीं विज्ञान संकाय अंग्रेजी माध्यम में कुल दर्ज 45 छात्रों ने परीक्षा में नियमित रूप से 44 व स्वाध्यायी रूप से 1 सम्मिलित हुये। जिसमें नियमित 42 व स्वाध्यायी 1 कुल 43 छात्र उत्तीर्ण हुये एवं कुल 2 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। इस प्रकार कक्षा 12 वीं का सम्मिलित परीक्षा परिणाम 87.02 प्रतिशत रहा. जिसमे विद्यालय में हिन्दी माध्यम विज्ञान संकाय से प्रथम स्थान पर कु. प्रतिज्ञा/मधुसूदन कोठारे 91.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान आर्य/दिनेश वानखेड़े 91.4 प्रतिशत, तृतीय स्थान कु. रोहिणी/राकेश करहि 88.4 प्रतिशत, कला संकाय से प्रथम स्थान धानेन्द्र/रुमनलाल दखेमाल 86.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान गौरव/ सुनील सहारे 85.8 प्रतिशत, तृतीय स्थान वरुण/सियाराम कुशले 83 प्रतिशत ?षि संकाय से प्रथम स्थान विशाल/ढालेश्वर लिल्हारे 89.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान प्रियांशु/राकेश करहि 84.2 प्रतिशत, तृतीय स्थान कु. मुस्कान/कृष्णा कुमार करहि 84 प्रतिशत वाणिज्य संकाय से प्रथम स्थान पर प्रकाश/मनमोहन बड़गैया 87.2 प्रतिशत, द्वितीय स्थान संजय/अशोक बेलगैया 82.6 प्रतिशत, तृतीय स्थान टोपेश कुमार/लक्ष्मण महोबिया 75.6 एवं विज्ञान संकाय अंग्रेजी माध्यम से प्रथम स्थान पर कु.अनिषा/बसंत पांडे 91.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान कु.तनुश्री/मनोहर उइके 91.4 प्रतिशत, व तृतीय स्थान कु. महिमा/गणेश चौहान 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

उक्त समस्त छात्र/छात्राओं को संस्था में पदस्थ शिक्षक एस.आई. बनोठे, अभिलाषा मौर्य, रविता टाण्डेकर, सारिका बिसेन, जी.आर. चिखले, पवन चौधरी, आशा दुरूगकर, शीतल तुरकर, बबीता चौरे, छायाकिशोर घरते, आर.जी. नगपुरे, शिवानी खरगाल, एन.के. मेश्राम, बी.एस. सोनवाने, ज्योत्सना वैद्य, भूमेश्वरी बघेल, अंजु करांहे, ए.आर. फुण्डे, एम. के. हरिणखेडे, के.आर. कोठारे, निर्मला नागदेवे, आर. के. नागदेवे, सी. के. वैद्य, एम.डी. मेश्राम, किरण कुमार महारवाडे, यमुना लिल्हारे एवं समस्त अतिथि शिक्षक व विद्यालयीन परिवार ने हार्दिक शुभकामनायें देते हुये इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय के प्र.प्राचार्य डी. के. फुल्झरे ने परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम है। विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तत्पर है। समस्त सफल हुए छात्रों को हार्दिक शुभकामनायें एवं ढेर सारी बधाईयां। साथ ही असफल हुए छात्र निराश न हो, 7 मई से द्वितीय अवसर हेतु परीक्षा प्रारंभ होना है। 16 अप्रैल से अनुत्तीर्ण छात्रों की कक्षा संचालित हो रही है। अनुत्तीर्ण हुए समस्त छात्र कक्षा में उपस्थित होकर अध्ययन करें एवं घर में भी मेहनत करें, सफलता अवश्य मिलेगी। प्रवेश प्रारंभ कक्षा 10वीं उत्तीर्ण छात्रों हेतु कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुके है। समस्त उत्तीर्ण छात्र अगली कक्षा में प्रवेश लेंवे एवं विकासखण्ड अंतर्गत निवासरत अन्य विद्यालय के इच्छुक छात्र भी प्रवेश ले सकते है।

शासकीय हाईस्कूल रिसेवाड़ा के छात्र रौनक बागड़े ने पाया प्रदेश में 7वाँ स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी । माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र भोपाल के द्वारा 15 अप्रैल को 10वीं एवं 12वीं के नतीजे घोषित किये गये है। इन नतीजों में लांजी के भाडरा अंचल के छात्र छात्राओं ने ना केवल जिला अपितू पूरे प्रदेश में लांजी सहित अपने ग्राम एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बतादे कि लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत ओटेकसा निवासी गुनीराम बागड़े के पुत्र रौनक बागड़े जो कि शासकीय हाईस्कूल रिसेवाड़ा के छात्र है जिन्होने कक्षा दसवीं में अतिउत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये 500 में से 493 अंक हासिल कर 98.6 प्रतिशत के साथ प्रदेश में सातवॉं स्थान प्राप्त कर संपूर्ण लांजी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। रौनक की इस सफलता पर उन्हे लगातार बधाई संदेश प्रदान किये गये।

रौनक ने पाया प्रदेश में 7वॉं स्थान, बहन रिद्धी ने हासिल किये 95 प्रतिशत

उल्लेखनीय है ग्राम पंचायत क्षेत्र ओटेकसा निवासी कक्षा दसवीं के छात्र रौनक पिता गुनीराम बागड़े ने जहां कक्षा दसवीं में 493 अंक के साथ 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लांजी क्षेत्र का नाम संपूर्ण प्रदेश में गौरवान्वित किया है वहीं उनकी बहन रिद्धी बागड़े भी प्रतिभावान छात्रा है जिन्होने भी शासकीय हाईस्कूल रिसेवाड़ा में ही अध्ययन कर कक्षा दसवीं 95 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने अभिभावको, स्कूल एवं ग्राम का नाम रोशन किया है। इन दोनो भाई बहनों ने लांजी क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इनकी इस उपलब्धि पर दादाजी भरतराम बागडे, दादी सुशीला बागड़े, पिता गुनीराम बागड़े, माता धनवंता बागड़े, भाई विनीत बागड़े, रिश्तेदारो में तायकराम बागड़े, पूर्व सरपंच नेतराम बागड़े सहित समस्त बागड़े परिवार ने रौनक और रिद्धी को बधाई देते हुये कहा कि दोनो ही कुशाग्र बुद्धि के धनी है। रौनक से चर्चा करने पर उन्होने बताया कि वे आगे की पढाई जीवविज्ञान विषय के साथ आगे बढायेंगे जिनका लक्ष्य डाक्टर बनकर क्षेत्र की सेवा करना है।

रौनक बागड़े की इस उपलब्धि पर लगातार सोशल मीडिया में बधाईयों का दौर प्रारंभ हो गया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो से लेकर समाजिक कार्यकर्ताओ, नाते रिश्तेदारों के द्वारा रौनक को सोशल मीडिया सहित फोन कर बधाईयाँ संदेश दिया गया। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खौंगल, नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, अवंती साधना मंच, आलोक संघ लांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खौंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ अमृत मेश्राम, पत्रकार संघ लांजी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, बीओ प्रमोद भीमटे, बीआरसी शिवेन्द्र उके, संकुल प्राचार्य गणेश फरदे बहेला,ख्प्राचार्य गुलनाज खान, शिक्षक गण डिलेश उइके, कृष्ण भिमटे, दिनेश टेंभरे, डालेश्वर लिल्हारे, सुरेश भौतेकर सहित सभी परिजनों, ईष्ट मित्रो के द्वारा रौनक एवं रिद्धी बागड़े को बधाई प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

बतादे कि रिसेवाड़ा हाईस्कूल में अध्ययनरत छात्र छात्राओ ने हमेशा से स्कूल का नाम रोशन किया है। इस वर्ष जहां रौनक बागड़े ने प्रदेश की प्राविण्य सूची में 7वॉं स्थान प्राप्त किया है वहीं बीते वर्ष भी रिसेवाड़ा हाईस्कूल प्रदेश की प्राविण्य सूची में टॉप 10 में शामिल था। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे रिसेवाड़ा हाईस्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों को श्रेय जाता है जो कि शुरूवाती दौर से ही बच्चो के अध्ययन पर पूर्ण ध्यान देते है। इस वर्ष भी रिसेवाड़ा हाईस्कूल का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम लगभग 90 प्रतिशत रहा है। जिसमे रौनक बागड़े 98.6 प्रतिशत,नितीश लिल्हारे 97 प्रतिशत, ककुन ब्राम्हणकर 96 प्रतिशत, रिद्धी बागड़े 95 प्रतिशत, दिव्या बघेल 94 प्रतिशत, प्रणय लिल्हारे 92 प्रतिशत एवं जान्हवी बसेना ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर अपना, अपने अभिभावको, स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में सीबीएसई पाठ्यक्रम की शुरुआत

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के प्रसिद्ध सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शिशु मंदिर) लांजी में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू हो गया है। अब विद्यालय में एनसीईआरटी की पुस्तकों के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर 16 अप्रैल को कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति के अध्यक्ष बारेलाल बड़गैया, सचिव विजय रामटेक्कर, उपाध्यक्ष संतोष तिडके, योगेश रामटेक्कर, समिति सदस्यगण, प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने एवं समस्त आचार्य परिवार की उपस्थिति में एनसीईआरटी आधारित सीबीएसई पुस्तकों का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ किया गया।

सीबीएसई से मिलेगा कौशल आधारित एवं आनंददायी शिक्षा

समिति के सदस्य योगेश रामटेक्कर ने कहा कि सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू होने से भैया-बहनों को रटने की बजाय विषय की गहराई समझकर पढ़ने का अवसर मिलेगा। यह आनंददायी एवं कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। सचिव विजय रामटेक्कर ने अपने संबोधन में कहा कि सीबीएसई पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ावा देगा तथा भविष्य में होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

प्राचार्य गोस्वामी ने किया आभार प्रकट

अंत में प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी जी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ॠनई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू होने से हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई है। अब भैया-बहनों को खेल-खेल में और आनंददायी तरीके से अध्यापन कराया जाएगा, जिसमें सहायक सामग्री का विशेष उपयोग किया जाएगा। बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को दी बधाई।

इस अवसर पर विद्यालय द्वारा विभिन्न कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा परिणाम भी घोषित किए गए। विद्यालय परिवार ने मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिसमें कक्षा 5वीं से प्रथम स्थान- कु. तोशी ऐडे 89.75 प्रतिशत, द्वितीय स्थान- भैया सौरभ महोबिया 88.5 प्रतिशत, तृतीय स्थान- कुमारी श्रेया बडमें 83 प्रतिशत। कक्षा 8वीं से प्रथम स्थान- मोहित दमाहे 87.6 प्रतिशत, द्वितीय स्थान- चिराग अगासे 86.8 प्रतिशत, तृतीय स्थान- विनय कुशले – 85.8 प्रतिशत।

कक्षा 10वीं से प्रथम स्थान- कु. अंजली वाकले 81.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान- कु. मेरुल टिकेश्वर 81 प्रतिशत, तृतीय स्थान- मनीष सोनवाने 75.6 प्रतिशत।

कक्षा 12वीं से प्रथम स्थान- कु. चेतेश्वरी कछवाहे 87.8 प्रतिशत, द्वितीय स्थान- पीयूष महोबिया 82.8 प्रतिशत, तृतीय स्थान- कुमारी श्रद्धा टेकाम 72.8 प्रतिशत। विद्यालय समिति के सभी पदाधिकारियों, प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं समस्त आचार्य परिवार ने इन मेधावी भैया-बहनों को हार्दिक बधाई दीं तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा नेवरवाही ने मनाया डॉ अंबेडकर जी की 135वीं

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा नेवरवाही के अंतर्गत ग्राम गुलपुर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, बोधिसत्व डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर जी की 135वीं जन्म जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अखंड भारत के संस्थापक सम्राट अशोक, सामाजिक क्रांति के पितामह महात्मा ज्योतिबा फुले जी, शिक्षा की देवी माता सावित्रीबाई फुले जी तथा त्यागमूर्ति माता रमाई जी की जयंती भी मनाई गई।

कार्यक्रम के तहत प्रात: 06ः30 बजे बुद्ध विहार नेवरवाही में महापुरुषों की छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना की गई। प्रात: 07ः00 बजे अंबेडकर चौक नेवरवाही से सद्भावना बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों बौद्ध भाई-बहनों ने भाग लिया। रैली लोड़ामा, बेलगांव, देवरबेली, कंसूली, सर्रा, नंदोरा, भानुटोला, खुर्सीटोला, वालेगांव, घोटी, पौसेरा होते हुए ग्राम गुलपुर में समाप्त हुई। शाम 06ः00 बजे ग्राम गुलपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उद्बोधन सत्र का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार करहि विधायक, अध्यक्षता धीरज वाहने अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा नेवरवाही एवं आनंद रामटेके वरिष्ठ बौद्धाचार्य की प्रमुख उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण के साथ की गई। इसके बाद कुमारी यशस्वी वाहने द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। मुख्य अतिथि राजकुमार करहि ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान के कारण ही आज हर वर्ग के लोग ऊंचे पदों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के हर बच्चे को समान शिक्षा मिल रही है और बच्चे अपनी

प्रतिभा से क्षेत्र, जिला एवं प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही तथा ग्राम गुलपुर में डॉ. अंबेडकर सभा मंच बनाने की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पी.के. भीमटे अध्यक्ष, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी, के.के. भालाधारे, पी.डी. भालाधारे, एम.के. बौद्ध, शशि बौद्ध, वंदना वैद्य, चंद्रदीप रामटेके, कैलाश वैद्य आदि वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर, महात्मा फुले एवं अन्य महापुरुषों के जीवन संघर्ष तथा उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धीरज वाहने ने बताया कि इस वर्ष 14 गांवों को एक साथ जोड़कर सर्कल स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब के तीन सूत्री मंत्र ॠशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो पर बल दिया और कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी उपासक-उपासिकाओं का आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा रंगारंग डांस, भाषण एवं गीत प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन दीपक रामटेके द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विजय गोस्वामी पार्षद, सूरजदीन गुप्ता, चुन्नीलाल हरदे, तिलक चोखांदरे, गोवर्धन बोरकर, प्रेमदास बागड़े, रविंद्र बागड़े, सत्यभामा राउते, बेनीराम चौरे, तिलकचंद वाहने, गुलाबचंद गोस्वामी, विनोद नागदेवे, कृष्ण कुमार नागदेवे, वीरेंद्र बागड़े, विजय मेश्राम, गौतम गोस्वामी, रामकुमार बोरकर, सुरेंद्र वाहने, सुमित सोनटेके, कुंदन वाहने, ऋषभ ऊके, संयम वाहने, उमेंद्र रावते, प्रकाश चोखांदरे, अशोक खोबरागड़े, मनोज गढ़पायले, अनिल गढ़पायले, महेंद्र बागड़े, यशवंत मेश्राम, समल मसराम, करुणा वाहने, फुलवंती चौखांदरे, ममता राउते, रितु गढ़पायले, आशा मेश्राम आदि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। महाविद्यालय परिसर में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की प्रमुख श्रीमती वंदना वैद्य एवं प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे के द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा। प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे ने अपने उद्बोधन में डॉ. अम्बेडकर को सामाजिक समरसता, समानता और कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा, बाबा साहेब विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के संविधान के रचयिता हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में जो क्रांति लानी चाही, वह आज भी प्रासंगिक है॥ उन्होंने बाबा साहेब के प्रसिद्ध कथन को दोहराते हुए कहा, ॠतुम्हारे पैरों में जूते भले न हों, पर

हाथों में किताब जरूर होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि बाबा साहेब का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को शिक्षा से जोड़कर देश को शक्तिशाली बनाना था। संस्था की डायरेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने भारतीय सामाजिक ढांचे को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने संविधान के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांतों को मजबूत किया तथा सामाजिक समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। बी.एस.सी. बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर की हर्षा गिरेपुंजे ने डांस प्रस्तुत किया। राहुल मेश्राम, स्नेहल भीमटे, साहिल बोरकर, रूचि फुलमारे एवं स्वाति राउतकर ने भाषण दिए। विशाल बरकड़े ने शायरी सुनाई। बी.एस.सी. बी.एड. षष्ठम सेमेस्टर की रागिनी गजभिये ने कविता पाठ किया। अष्टम सेमेस्टर के गुलजार राउत एवं दीपक मेश्राम ने मराठी गीत तथा दीपक मेश्राम ने एकल गीत प्रस्तुत किया। चतुर्थ सेमेस्टर के मनीष रहांगडाले ने भी भाषण दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण सी.एस. मेश्राम, उमेंद्र नागभिड़े, के.के. उमरे, बी.सी. पटले, जी.के. भंडारकर, ए.के. बोरकर, श्रीमती कृष्णकली बड़गैया, राजेश गजभिये, आर.एस. नगपूरे, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, योगेश नंदनवार सहित सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के समापन पर के.के. उमरे ने आभार प्रदर्शन किया। इसके बाद मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

साकेत पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र गुर्वेश अशोक महेश्वरे का आयकर विभाग में ऑफिस सुपरिटेंडेंट पद पर चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी । साकेत पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र गुर्वेश अशोक महेश्वरे ने एसएससी सीजीएल 2025 परीक्षा के माध्यम से भारत सरकार के आयकर विभाग में ऑफिस सुपरिटेंडेंट के प्रतिष्ठित पद पर चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। इस सफलता ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

गुर्वेश की प्राथमिक शिक्षा से लेकर हायर सेकेंडरी तक की पढ़ाई साकेत पब्लिक स्कूल से हुई। उन्होंने स्नातक की शिक्षा होल्कर साइंस कॉलेज, इंदौर से और स्नातकोत्तर की शिक्षा डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर से पूरी की। गुर्वेश विद्यालय काल से ही मेधावी छात्र रहे और अपनी मेहनत व लगन से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की।

इस उपलब्धि पर साकेत पब्लिक स्कूल के संचालक संतोष मोरघडे, श्रीमती बरखा महेश्वरे, प्राचार्य बी.आर. गुर्दे (सांदीपनि विद्यालय, बोलेगांव), श्रीमती नेत्रेश्वरी सोनवाने, डॉ. किशोर सोनवाने, नंदकुमार बिहोने, सुमित खरे, नितेश खरे, सतीश खरे, सुयश बिहोने, झाडुलाल महेश्वरे, संदीप कुमार रामटेक्कर एवं सलोनी महेश्वरे ने गुर्वेश को हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में लोकसभा की 43 और विधानसभा 345 सीटें हो जाएंगी

- संसद में महिला आरक्षण संशोधन बिल पेश...बदलेगा सत्ता का समीकरण

भोपाल। संसद में गुरूवार को महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिल पेश किए गए। इन बिलों में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव है। इसके लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। संशोधन बिल में लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है। मौजूदा संख्या 543 है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन भी किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। अगर मप्र की बात करें तो 2029 का लोकसभा चुनाव 29 नहीं बल्कि 43 सीटों पर हो सकता है। वैसे ही मप्र विधानसभा में भी सीटों की संख्या 230 से बढ़कर 345 हो सकती है। दरअसल संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम में केंद्र सरकार ने बड़ा संशोधन संसद में लाई है। पहले इस कानून को जनगणना 2027 के बाद लागू करने की तैयारी थी, लेकिन अब इसे जनगणना और परिसीमन की मौजूदा शर्त से अलग करके पहले लागू करना है। इस बदलाव से न केवल महिला जनप्रतिनिधियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, बल्कि सीटों के गणित से लेकर सरकार बनाने के समीकरण और कैबिनेट के आकार तक सब कुछ बदल जाएगा। मप्र में आगामी परिसीमन और महिला आरक्षण लागू होने के बाद राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को

मिल सकता है।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा

वर्तमान में मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 6 महिला सांसद हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, यानी लगभग 14 सीटें महिला प्रतिनिधियों के लिए तय होंगी। यदि परिसीमन का यही फॉर्मूला विधानसभा पर भी लागू होता है तो 230 सदस्यीय विधानसभा बढ़कर लगभग 345 सदस्यों की हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रक्रिया 2011 की जनगणना के आधार पर की जाएगी क्योंकि वर्तमान जनगणना अभी पूरी नहीं हुई है।

परिसीमन से बढ़ेंगी सीटें

सूत्रों के मुताबिक, प्रस्ताव के अनुसार राज्यों में लोकसभा सीटों में लगभग 50 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसी आधार पर मध्यप्रदेश की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी। इनमें सभी नई सीटों पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षित सीटों में भी महिला कोटा लागू रहेगा। संसदीय कार्य विभाग और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रखने का प्रावधान है। इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करना है तो परिसीमन करना होगा। चूंकि, जनगणना का काम अभी पूरा नहीं हुआ है इसलिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाएगा। इसके लिए परिसीमन विधेयक प्रस्तुत होगा। प्रस्ताव के अनुसार राज्यों में लोकसभा की सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस हिसाब से प्रदेश में लोकसभा की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी। इनमें 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। जितनी सीटें बढ़ेंगी, उतनी संख्या में महिला आरक्षण रहेगा। अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए सुरक्षित सीटों में ही महिला आरक्षण का कोटा रहेगा। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के साथ अगले लोकसभा चुनाव कराए जाएंगे।

भाजपा-कांग्रेस का फोकस महिला नेतृत्व पर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम की रोशनी में अब भाजपा और कांग्रेस मध्य प्रदेश में नया महिला नेतृत्व तैयार करेंगी। कांग्रेस में इसकी जिम्मेदारी महिला कांग्रेस को सौंपी जा रही है। 17 अप्रैल को प्रदेश इकाई की बैठक भी बुलाई गई है, जिसमें संगठन के विस्तार के साथ नया नेतृत्व तैयार करने पर चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने नया महिला नेतृत्व तैयार करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है। प्रदेश इकाई का अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया को बनाकर इसके संकेत भी दिए जा चुके हैं। उनकी टीम में भी 46 प्रतिशत नए चेहरे शामिल हैं। जिला और ब्लाक इकाइयों में भी नई टीम तैयार की जा रही है। उधर, भाजपा भी इसकी तैयारियों में जुटी है। महिला मोर्चा में नए चेहरों को स्थान दिया ही गया है। भाजपा संगठन और अन्य मोर्चा-प्रकोष्ठों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रही है। राज्य स्तर में कम से कम 30 प्रतिशत लेकर बूथ समितियों में कम से कम तीन महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। महिलाओं के विकास से हटकर महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर भाजपा का सत्ता-संगठन काम कर रहे हैं। विधानसभा से लेकर नगरीय निकाय में भाजपा ने महिलाओं को तवज्जो दी है। भाजपा महिला मोर्चा के माध्यम से महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक कौशल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय निकायों में भी सशक्त नेतृत्व अभियान जैसी पहलों से निर्वाचित प्रतिनिधियों की नेतृत्व क्षमता बढ़ाई जा रही है।

ओबीसी को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

उधर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग की महिलाओं को आरक्षण देने की बात तो की जा रही है पर अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। इस आरक्षण को परिसीमन से जोड़ दिया गया है, जबकि इस प्रक्रिया की कोई स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह आरक्षण मध्य प्रदेश के 2028 विधानसभा चुनाव में लागू हो पाएगा? या फिर यह केवल एक राजनैतिक घोषणा बनकर रह जाएगा? सरकार 2027 की जातिगत जनगणना के परिणाम की प्रतीक्षा क्यों नहीं करना चाहती? क्या बिना वास्तविक सामाजिक आंकड़ों के इतना बड़ा निर्णय लेना न्यायसंगत है, या फिर ओबीसी की वास्तविक हिस्सेदारी सामने आने से बचने की कोशिश है?

एमएसपी खरीदी में देरी पर दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से की हस्तक्षेप की मांग

भोपाल। प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क) पर हो रही खरीदी प्रक्रिया में विलंब को लेकर राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों को हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया तथा व्यवस्था को शीघ्र सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कृषि सलाहकार परिषद, मध्यप्रदेश के पूर्व सदस्य एवं किसान नेता श्री केदार सिरोही द्वारा प्रस्तुत आवेदन में बताया गया है कि एमएसपी खरीदी में लगभग एक माह की देरी के कारण प्रदेश के किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह व्यवस्था प्रभावित होती प्रतीत हो रही है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि यदि समय रहते खरीदी प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं तेज नहीं बनाया गया, तो किसानों की समस्याएं और अधिक बढ़ सकती हैं। इस स्थिति को सुधारने हेतु किसान नेता श्री केदार सिरोही द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए गए हैं, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है।

प्रमुख सुझाव इस प्रकार हैं-

- खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि किसानों को दूरस्थ स्थानों तक न जाना पड़े।
- खरीदी केंद्रों पर निर्धारित खरीद सीमा को दोगुना किया जाए।
- खरीदी प्रक्रिया में आने वाली छुट्टियों को नियस्त कर निरंतर तौल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
- सभी वेयरहाउसों पर धर्मकांटे से तौल अनिवार्य की जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।
- शनिवार एवं रविवार को किसानों को स्वयं के संसाधनों से वेयरहाउस पर तौल कराने की अनुमति दी जाए तथा उसका व्यय सीधे उनके खातों में जमा किया जाए।
- बड़े किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली प्रारंभ की जाए, जिससे भीड़ प्रबंधन सुचारू रूप से हो सके।

दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि प्रदेश के लाखों किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए एमएसपी खरीदी प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए किसानों को राहत प्रदान करने हेतु शीघ्र निर्णय लेगी।

मध्यप्रदेश के 23 हजार रोजगार सहायकों को 106 करोड़ का भुगतान

भोपाल। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में कार्यरत करीब 23 हजार रोजगार सहायकों के लिए राज्य सरकार ने 106 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह भुगतान वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मानदेय वितरण के लिए स्वीकृत किया गया है। स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आवंटित राशि का उपयोग केवल रोजगार सहायकों के मानदेय के भुगतान में ही किया जाएगा। किसी अन्य मद में खर्च पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी। लंबे समय से लंबित भुगतान की मांग कर रहे रोजगार सहायकों को इस निर्णय से राहत मिलने की उम्मीद है। विभागीय स्तर पर राशि का वितरण शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

मप्र में पैक्स समितियों का होगा विस्तार

10 लाख नए किसानों को समितियों से जोड़ेगी सरकार

भोपाल । भारत सरकार की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में सहकारिता का विस्तार गांव-गांव तक किया जाएगा। छह सौ रुपये शेयर कैपिटल लेकर सहकारी समितियों में दस लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे। इसके लिए 15 मई तक शिविर लगाए जाएंगे, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) प्रति शिविर एक हजार रुपये देगा। अभी प्रदेश में 60 लाख किसान समितियों के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 600 नई समितियां बनाई जा रही हैं।

प्रदेश में साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) हैं, जिनसे 68 लाख किसान जुड़े हैं। लगभग दस लाख किसान और हैं, जो समिति का सदस्य बनने की पात्रता रखते हैं। उन्हें भी समितियों से जोडने के लिए सहकारिता विभाग का अभियान 15 मई तक चलाया जाएगा। इसमें छोटे, सीमांत, महिला एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। भूमि के आधार पर इनकी साख सीमा निर्धारित कर बिना ब्याज के अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। खाद-बीज-कीटनाशक भी मिलेगी। सहकारी संस्था को लाभ मिलने पर किसानों को लाभांश भी दिया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सहकारी समितियों का विस्तार किया जा रहा है। नई समितियां बनाई गई हैं। पात्र सभी किसानों को समितियों से जोडने के लिए सदस्यता अभियान शुरू किया गया है।

शिक्षकों की मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा रोकने की कवायद

राज्य कर्मचारी संघ, मजदूर संघ, शिक्षक संघ ने की सीएम से मुलाकात, रिव्यू पिटीशन का आग्रह

भोपाल। मध्य प्रदेश में 18 अप्रैल को प्रस्तावित शिक्षकों की 'मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा' को लेकर सियासी और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। इस बीच सरकार समर्थित कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर यात्रा पर विराम लगाने और मामले में सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर करने की मांग की। मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार को हुई इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ और राज्य कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने टीईटी सहित शिक्षकों से जुड़े लंबित मुद्दों को रखते हुए कहा कि सरकार को सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करनी चाहिए। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए रिव्यू पिटीशन दायर करने का आश्वासन दिया है। बैठक में शिक्षकों की प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिनमें नियुक्ति की तारीख से वरिष्ठता तय करना और टीईटी से जुड़ी विसंगतियां प्रमुख रहीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि सरकार शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी शिक्षक के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रिव्यू पिटीशन के माध्यम से वरिष्ठता से जुड़ी कानूनी और तकनीकी बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

कर्मचारी नेताओं ने मांग पत्र भी सौंपा

प्रतिनिधिमंडल में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह गठौर, सहसंगठन मंत्री राजीव शर्मा, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा कर्मचारी संगठनों ने सरकार के समक्ष अन्य मांगें भी रखीं। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षकों को नियुक्ति की पहली तारीख से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए और 12 व 24 वर्ष की सेवा के आधार पर क्रमोन्नति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति के समय ग्रेच्युटी, पेंशन और अन्य लाभों में भी वरिष्ठता को शामिल करने की मांग उठाई गई। कर्मचारी संगठनों ने शासकीय सेवकों और पेंशनर्स के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने तथा कर्मचारी आयोग के गठन की पूर्व घोषणाओं को जल्द अमल में लाने की भी मांग की।

उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करें राज्य सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि सरकार उच्च न्यायालय के संविदा कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारी के संबंध में जो आदेश दिए हैं उनको तत्काल संज्ञान में लेकर लागू करें जिससे प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों को उच्च न्यायालय के आदेश का लाभ हो सके और न्याय मिल सके।

मध्य प्रदेश की उच्च न्यायालय ने प्रदेश के संविदा कर्मचारियों और आउटसोर्स कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारी के संबंध में आदेश जारी करा है कि 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके उक्त संवर्ग के कर्मचारियों को तत्काल नियमित न्यूनतम वेतन मान का लाभ दिया जाए तथा सरकारी कर्मचारियों के समान सुविधा का लाभ दिया जाए। राज सरकार उक्त संवर्ग के कर्मचारियों को नियमित न्यूनतम वेतनमान एवं नियमित कर्मचारियों के लाभ के समान अन्य लाभ से उक्त कर्मचारियों को वंचित नहीं रह सकती रख सकती। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि देश की सर्वोच्च न्यायालय के पांच जस्टिसों की बेंच ने 10 अप्रैल 2006 को देश की सभी राज्य सरकारों की दैनिक वेतन भोगी सांविदा कर्मचारियों से की संबंधित 212 याचिकाओं को एक करके एक बड़ा फैसला देते हुए आदेश पारित करा था कि दैनिक वेतन भोगी संविदा या अंशकालीन कर्मचारी के रूप में यदि अस्थाई कर्मचारी 10 साल की सेवा पूर्ण कर लेता है तो उसे नियमित किया जाए या नियमित वेतनमान दिया जाए लेकिन सरकार सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को पूर्ण रूप से लागू नहीं कर रही है इसीलिए उच्च न्यायालय को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को आधार बनाकर बार-बार आदेश पारित करना करना पड़ रहा है मध्य प्रदेश सरकार ने 20 साल का समय निकल जाने के बाद भी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन पूर्ण रूप से नहीं किया है जिस कारण मध्य प्रदेश सरकार के शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय विभागों में 5 लाख से अधिक अस्थाई संविदा कर्मचारी नियमित कारण के लाभ से वंचित है यदि राज सरकार उच्च न्यायालय के वर्तमान आदेश को संज्ञान में लेकर इसका लाभ प्रदेश के संविदा आउटसोर्स दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन कर्मचारियों को एक माह में नहीं देगी तो मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच सरकार का ध्यान आकर्षित करने एवं उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करने की मांग को लेकर भोपाल राजधानी में ध्यान आकर्षण आंदोलन करेगा।

एमपी बोर्ड के फिर होंगे एग्जाम

10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स न हों निराश

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) 2026 के हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की दूसरी परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। ऐसे छात्र जो कुछ विषयों में अनुत्तीर्ण हुए हैं या अंक सुधार के लिए दोबारा एग्जाम देना चाहते हैं, वे बोर्ड की द्वितीय परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गया है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश के द्वारा वर्ष 2026 में हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित कर दिए गए हैं। इसमें सरकारी स्कूल के छात्रों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं, ऐसे बच्चे जो अनुत्तीर्ण विषयों की परीक्षा देना चाहते हैं, अंक सुधार चाहते हैं या किसी वजह से पहली परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे वे माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। छात्र मुख्य परीक्षा परिणाम घोषित होते ही एमपी ऑनलाइन के कियोस्क पर अपनी मुख्य परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर द्वितीय परीक्षा के विषय अनुक्रमांक की जानकारी देकर और शुल्क का भुगतान कर परीक्षा का आवेदन पत्र भर सकते हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा द्वितीय परीक्षा में छात्रों को अनुत्तीर्ण विषयों का चयन अनिवार्य है परंतु पास हुए विषयों का चयन भी स्वैच्छिक होगा।

मई में होगी एमपी बोर्ड की दूसरी परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा हाई स्कूल की द्वितीय परीक्षा का आयोजन 7 मई से 19 मई तक किया जा रहा है। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी स्कूल की द्वितीय परीक्षा दिनांक 7 मई से 25 मई तक सुबह 9:30 से 12:00 तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए स्टूडेंट्स को अलग-अलग परीक्षा केंद्र आलॉट किए जाएंगे।

असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी कांग्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी और चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी। इसके लिए विधानसभा प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा प्रभारी को अपनी रिपोर्ट में बताना होगा नेता- कार्यकर्ता क्यों असंतुष्ट, नाराजगी के कारण, नाखुश नेता, किस नेता से जुड़ा हुआ है ये सब बताना होगा।

इसका उद्देश्य वक्त रहते भीतरघातियों और असंतुष्ट नेताओं को पहचाना जिसका चुनाव में प्रभाव न पड़े। समर्पित कार्यकर्ताओं के फोन नंबर, निरंतर संवाद, सामाजिक और जाति का समीकरण, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रभावशाली व्यक्ति, सामाजिक संगठन से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव में कई कांग्रेसी पार्टी के खिलाफ भीतरघात कर देते हैं जिससे पार्टी को नुकसान होता है।

जो काम करेगा वही पद पर रहेगा

प्रभारियों को विधानसभा में प्रवास करने के निर्देश भी दिए है। कांग्रेस में चल रही तीन दिन की बैठक में पदाधिकारियों से सीधा कहा गया जो काम करेगा वही पद पर रहेगा। आगामी दिनों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी और जगह मिलेगी। सिर्फ तमगा लेकर चलने वाले नेताओं को महत्व कम मिलेगा।

ईओडब्ल्यू ने पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड एसडीओ के ठिकाने पर मारी रेड

- करीब साढे पॉच करोड़ की अनुपातहीन संपत्ति उजागर

भोपाल/छिंदवाड़ा। आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने छिन्दवाड़ा में महेन्द्र नागवंशी पिता महतु नागवंशी (रिटायर्ड) एसडीओ सेतु निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग, आदर्श नगर, परासिया रोड, छिंदवाड़ा के यहां छापामार कार्यवाही की, इस दौरान करीब पांच करोड़ 47 लाख की अनुपातहीन सम्पत्ति उजागर हुई है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू, जबलपुर द्वारा महेन्द्र नागवंशी के खिलाफ भ्रष्टाचार से करोड़ों रूपये की असमानुपातिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली। शिकायत के सत्यापन के बाद शिकायत में लगाये गये आरोप सही पाये जाने पर धारा 13(1) (बी), 13(2) भ्रनिअ का मामला दर्ज किया गया है। 16 अप्रैल को को ईओडब्ल्यू,, जबलपुर टीम द्वारा आरोपी के परासिया रोड, छिंदवाड़ा स्थित मकान और आटा मिल में एक साथ सुबह के समय छापमार कार्यवाही की गई। तीन टीमों द्वारा की जा रही सर्च की कार्यवाही जारी है। अभी तक की गई सर्च कार्यवाही में महेन्द्र नागवंशी एवं उसके परिजनों के नाम पर परासिया रोड, पेट्रोल पम्प के सामने, छिंदवाड़ा स्थित 40 लाख कीमत का मकान, मकान से तलाशी के दौरान 91 हजार से अधिक की नगदी, 24 लाख कीमत के घरेलू सामान की इन्वेंट्री, 20 लाख रुपये 22 बीमा पॉलिसियों में निवेश किये जाने, 9 लाख कीमत के सोने के जेवरात, डेढ़ लाख कीमत के चॉदी के जेवरात, 13 लाख कीमत की दुकान के दस्तावेज, 20 लाख कीमत के तीन चार पहिया वाहन, 2 लाख 10 हजार कीमत के 3 दो पहिया वाहन,महेन्द्र नागवंशी के 8 बैंक खाते, सीमा नागवंशी के 10 बैंक खातें, उसके बेटे ऋत्विक के 3 बैंक खाते जिनमें करीब 30 लाख की रकम जमा होने की संभावना है, के दस्तावेज बरामद किये गये है। इसके साथ ही आरोपी द्वारा खरीदी 1 करोड़ 76 लाख 21 हजार की खरीदी कई 25 एकड़ कृषि भूमि, 2 भूखण्ड, नागदा इंडस्ट्रीज प्रा.लि., ग्राम उमरिया, ग्राम पंचायत गुरैया में ढाई करोड़ कीमत की आटा मिल के कागजात भी जत किये गये है।

मुख्यमंत्री ने किया प्रदेश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया का ऑनलाईन आरंभ, कहा

जनगणना देश के विकास की नींव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुरूवार से प्रदेश में जनगणना का शुभारंभ हो रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों की प्रक्रिया नहीं बल्कि हमारे राष्ट्र के भविष्य को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण कदम है। जनगणना देश की रीढ़ है, यह विकास की नींव है। इस बार की जनगणना डिजिटल और आधुनिक तकनीक के साथ हो रही है। प्रदेशवासियों को इसमें पूर्ण निष्ठा और सत्यता के साथ भाग लेना चाहिये। यह जनगणना हमारे बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए है। प्रदेश में 30 अप्रैल तक ऑनलाईन स्व-गणना का कार्य होगा। एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण होगा। यह प्रक्रिया डिजिटल रूप से होगी। मुख्यमंत्री डॉ . यादव ने प्रदेश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में आयोजित कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-गणना पोर्टल पर प्रारंभिक पंजीकरण कर प्रदेश में स्व-गणना प्रक्रिया का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों की प्रक्रिया नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण कदम है। इससे हम जान सकेंगे कि विकास की धारा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सुगमता से पहुंच रही है या नहीं। यह जनगणना हमारी अगली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि जनगणना में वह सही, सटीक और पूर्ण जानकारी दे। जनगणना में लगे कर्मचारी-अधिकारी राष्ट्र निर्माण का पवित्र कार्य कर रहे हैं। उनका परिश्रम और सटीकता से किया गया कार्य देश के भविष्य को मजबूत बनाएगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा, आयुक्त भोपाल नगर निगम संस्कृति जैन, जनगणना संचालनालय के डिप्टी रजिस्ट्रार जनरल डॉ. विजय कुमार सहित जिला प्रशासन और जनगणना संचालनालय के अधिकारी उपस्थित थे।

30 मई तक मकान सूचीकरण होगा

इस बार की जनगणना डिजिटल और आधुनिक तकनीक के साथ हो रही है। प्रदेशवासियों को इसमें पूर्ण निष्ठा और सत्यता के साथ भाग लेना चाहिए। यह जनगणना हमारे बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए है। सही आंकड़े बेहतर स्कूल, बेहतर अस्पताल और बेहतर अवसर देंगे। प्रदेश में 16 से 30 अप्रैल तक स्व गणना का कार्य होगा।

गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला

अहमदाबाद। आईपीएल में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स की टीम का मुकाबला आजिंक्य रहाणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजी हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनों के बीच पांच मुकाबले हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा।

वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इसी कारण उसे एक अंक मिला है। ऐसे में कप्तान रहाणे का प्रयास किसी प्रकार टीम को जीत दिलाना रहेगा। केकेआर की टीम का प्रयास गुजरात के खिलाफ मैच जीतकर लय हासिल करना रहेगा। । केकेआर की टीम को इसके लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा। हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर है जिसके देखते हुए किसी अच्छे गेंदबाज को शामिल करना होगा। इसके अलावा उसके फार्म से बाहर चल रहे स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसे लगातार असफल हो रहे कैमरुन ग्रीन की जगह पर टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर विचार करना होगा। उसके कप्तान को भी ठीक फैसले लेने होंगे। पिछले मैचों में उसके कप्तान के टॉस जीतने के बाद कई गलत फैसलों से भी टीम को नुकसान हुआ है।

टीम की गेंदबाजी कितनी लचर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों से हार गयी जबकि लक्ष्य 200 से भी कम था।

टीम के बल्लेबाजी क्रम में कमी नजर आती है। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। यह दोनों ही बदलाव गलत साबित हुए थे। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को अभी तक अवसर नहीं मिला है। ऐसे में केकेआर के लिए जीत दर्ज करना काफी कठिन है। उसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में सुधार करना होगा।

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

क्रुणाल पांड्या ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड , अक्षर और जडेजा के क्लब में शामिल

100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। क्रुणाल ने इस मैच में अब्दुल समद को आउट करते ही आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बने हैं, उनसे पहले ये खास उपलब्धि सिर्फ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ही हासिल कर पाए थे। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी वह किसी से पीछे नहीं है। आईपीएल में उनके नाम 1000 रन भी हैं। सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच में क्रुणाल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 38 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने एलएसजी की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल मार्श को आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। . समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में क्रुणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में क्रुणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। क्रुणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर है। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार टीम को जीत दिलायी है। आईपीएल में उन्होंने अबतक 119 पारियों में 1757 रन भी बनाए हैं। इसके कारण ही वह रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं जडेजा ने आईपीएल में चार टीमों के लिए 259 मैचों में 173 विकेट और 3336 रन बनाए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 166 आईपीएल मैचों में 1919 रन और 131 विकेट लिए हैं। वहीं इनके अलावा तीन विवेशी खिलाड़ियों सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और ड्वेन ब्रावो ने भी आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लिए हैं।

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

मुम्बई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं। धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है।

धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली। शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और

कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है। हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके। अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके। धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है। इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं। धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है।

मैच के दौरान रील बनाने में महिला की अंगूठी गुमी, 70 हजार का हुआ नुकसान

मोहली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक मैच के दौरान रील बनाने के दौरान एक महिला की 70 हजार रुपये की अंगूठी खो गयी। यहां के पीसीए स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के दौरान इस महिला ने वायरल रिंग ट्रेंड के लिए रील बनानी शुरू कर दी पर इसी दौरान उसकी 70,000 रुपए की महंगी अंगूठी खो दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में महिला एक लोकप्रिय रिंग ट्रेंड की दोहराने की कोशिश कर रही थी, इसमें लोग रिकॉर्डिंग करते समय अपनी अंगूठी को हवा में उछालने का नाटक करते हैं और फिर उसे पकड़ लेते हैं पर यहां ये प्रयास उल्ट पड़ गया। अंगूठी को सुरक्षित रूप से पकड़ने के बजाय, उसने गलती से उसे नीचे गिरा दिया। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अंगूठी उसके हाथ से फिसलकर नीचे जा गिरी।

अंगूठी के हाथ से फिसलते ही महिला परेशान हो गयी। इस घटना के बाद वह तुरंत अपनी सीट और आसपास के क्षेत्र में अपनी खोई हुई अंगूठी को तलाशन में जुट गई। स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ और अव्यवस्थित माहौल में अपनी कीमती अंगूठी को ढूंढना उसके लिए एक बड़ी चुनौती बन गया। इसका एक वीडियो एक दर्शक ने साझा किया। इसमें अंगूठी के गुम होने का पूरा मामला दिखाया गया है।

गुम हुई अंगूठी की कीमत 70,000 रुपए बताई जा रही है। वीडियो के साथ लिखा गया है, 70,000 हजार का नुकसान हो गया। अंगूठी अभी भी नहीं मिली है। महिला ने स्टेडियम में मौजूद सभी दर्शकों और सोशल मीडिया पर वीडियो देखने वाले लोगों से अपील की है कि यदि किसी को भी वह अंगूठी मिले, तो उसे वापस लौटाने में मदद करें। इसमें लिखा है, अगर स्टेडियम में मौजूद कोई भी व्यक्ति यह वीडियो देख रहा है, तो कृपया हमारी अंगूठी ढूंढने और उसे वापस लौटाने में हमारी मदद करें। यह घटना सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग महिला के प्रति सहानुभूति व्यक्त कर रहे हैं।

गुजरात के खिलाफ मैच में ग्रीन को बाहर करेगी सीएसके ?

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन बेहद खराब है और वह पांच मैचों में एक भी जीत नहीं पायी है। उसका एक मैच बारिश से रद्द हो गया था जिससे उसका केवल एक अंक है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले के अलावा उसकी टीम एक भी मैच में संघर्ष नहीं कर पायी। केकेआर की इस खराब हालत के लिए ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन सहित सभी टीम के कुछ खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन है। ऐसे में अब देखना है कि शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले मैच में ग्रीन को शामिल किया जाता है या नहीं। सबसे महंगे खरीदे गये ग्रीन इस सत्र में एक भी मैच में रन नहीं बना पाये हैं और गेंदबाजी में भी विफल रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य को उतारने की मांग की जा रही है। इसके अलावा टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है, दो मुख्य स्पिनर में से एक आउट ऑफ फॉर्म है और बल्लेबाजी में भी दम नहीं है।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मंगलवार रात हुई हार ने उनकी कमी को दिखाया है। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम असफल रही। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने तो यहां तक कह दिया कि टीम की बल्लेबाजी में तकनीकी खामी है। सुनील नारायण को की पारी की शुरुआत के लिए भेजने का फैसला एक नया प्रयोग था जो असफल रहा। वह 17 गेंदों में 24 रन ही बना पाये। फिंच ने अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी की 31 गेंदों में 50 रन की साझेदारी पर भी निराशा व्यक्त की। उनके अनुसार, इस साझेदारी में आक्रमक अंदाज नहीं था। यह विरोधी टीम के कप्तान को अपनी रणनीति में बदलाव के बारे में मजबूर नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, कुछ दूसरे फैसले थोड़े अजीब थे जिससे लगा कि टीम जीत की दौड़ में शामिल नहीं थी। टीम के बॉलिंग कोच टिम साउदी ने हालांकि इन फैसलों को अलग-अलग विकल्प आजमाने और टीम की गहराई को परखने का प्रयासद बताया। उन्होंने कहा कि हारने पर ऐसे विकल्प तलाशना स्वाभाविक है और यह आईपीएल की खूबसूरती है। मंगलवार को, केकेआर ने नारायण और फिन एलन के साथ ओपनिंग की। एलन ने सिर्फ 1 रन बनाया, और उनके इस इस में केवल 37, 28, 6, 9 और 1 रन ही बनाये हैं। वहीं 25.20 करोड़ रुपए में खरीदे गए कैमरन ग्रीन भी असफल रहे। उन्होंने लगातार दो मैचों में एक ही बल्लेबाजी क्रम पर बल्लेबाजी नहीं की है, और 18, 2, 4, 32* और 0 रन ही बना पाये। फिंच ने नंबर 6 पर ग्रीन को बल्लेबाजी को अजीब पोजिशन करार दिया, वह देखते हुए कि उन्होंने टी20 क्रिकेट में इस नंबर पर बहुत कम खेला है। ऐसे में ग्रीन को बाहर कर टिम सीफर्ट और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ियों को भी आजमाया जा सकता है। साथ ही कहा कि जब आपके पास डगआउट में इतना अनुभव होता है, तो आपको लगता है कि वे कम से कम सही समय पर सही फैसले तो लेंगे प ये नहीं दिख रहा।।

रसिक की जगह पर हेजलवुड को प्लेयर ऑफ द मैच दिये जाने पर उठे सवाल

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इस सत्र मे शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक अपने पांच मैचों में से 4 में जीत हासिल कर जीते हैं। टीम का पिछला मुकाबला लखनऊ सुपरजायंट्स से हुआ, जिसमें उसने 5 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में टीम के युवा गेंदबाज रसिक सलाम को चार विकेट लेने के बाद भी प्लेयर ऑफ द मैच नहीं मिलने पर सवाल उठे हैं। उनकी जगह पर हेजलवुड को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया जबकि इस गेंदबाज ने 20 रन देकर केवल एक ए विकेट लिया था। आरसीबी के प्रशंसकों का मानना है कि हेजलवुड नहीं रॉरिक को मिलना चाहिये था अवार्ड। वहीं अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने भी तीन विकेट लिए थे। ऐसे में सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने हेजलवुड को अवार्ड दिये जाने पर नाराजगी जताई। जीत के जश्न के बीच भी आरसीबी प्रशंसकों ने इसको लेकर अपनी नाराजगी जतायी। प्रशंसकों का कहना है कि रसिक सलाम को टीम में बनाये रखना चाहिये। इसम मैच में रसिक की घातक गेंदबाजी के आगे लखनऊ की बल्लेबाजी धवस्त हो गयी। केवल मिचेल मार्श 40 और मुकुल चौधरी 39 रन बना पाये।

रसेल को कोच बनाना केकेआर को भारी पड़ा - कैफ

ऑलराउंडर के तौर पर रखते तो फायदे में रहती टीम

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इस सत्र में आंद्रे रसेल को कोच बनाकर गलती की है। कैफ के अनुसार रसेल को कोच बनाने की जगह पर ऑलराउंडर के तौर पर उतारना चाहिए था। कैफ ने ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में केकेआर की सबसे बड़ी भूल रसेल को ऑलराउंडर की जगह पर कोच बनाना रहा। उन्हें केकेआर के डगआउट में रखने और दूसरी फ्रेंचाइजी को नीलामी में खरीदने न देने का दावं बेकार गया। वह अब भी कैमरोन ग्रीन से बेहतर ऑल-राउंडर हैं।

आईपीएल 2026 में केकेआर ने अब तक पांच मैच खेले हैं और इसमें से उसे चार में हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मैच नहीं हो पाया। हैरानी की बात ये है कि केकेआर ने अभी तक एक भी मुकाबला इस सत्र नहीं जीता है।

कैफ ने कहा कि टीम ने सुनील नरेन को तो रिटेन किया पर रसेल को छोड़ दिया। यहां तक कि उनको नीलामी से भी दूर रखा और अपने साथ जोड़ने के लिए उन्हें चावर कोच की भूमिका दी। आईपीएल इतिहास में पहली बार किसी टीम के सहयोगी स्टाफ में कोई ऐसा पद दिया गया है। इससे लगता है कि चावर केकेआर से ही गायब हो गयी है। । टीम अंकतालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है उसके पास केवल एक अंक है। वहीं अन्य टीमों के 2 या इससे ज्यादा अंक हैं। एक टीम के खाते में तो 8 अंक हो गये हैं। वहीं दूसरी नंबर की टीम के खाते में 7 अंक हैं।

गुजरात के खिलाफ मैच में ग्रीन को बाहर करेगी सीएसके ?

37 साल की उम्र में भी आईपीएल में जमकर रन बना रहे विराट

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली 37 साल की उम्र में भी आईपीएल 2026 में जमकर रन बटोर रहे हैं। विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से 2 साल पहले ही संन्यास ले लिया था पर इसके बाद भी आईपीएल में वह छये हैं। विराट सबसे बड़े रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाईंट्स के खिलाफ चुथवार को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे विराट कोहली ने 34 गेंदों में ही 49 रन बना दिय। अब तक इस सत्र के 5 मैचों में उन्होंने 57 के औसत से सबसे ज्यादा 228 रन बना लिए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 158 से ऊपर का है। विराट केवल एक रन से अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। अगर वह एक रन और बना लिए होते तो इस आईपीएल सीजन में ये उनका तीसरा अर्धशतक होता। अब तक 5 पारियों में उनके नाम 4 बार 30 से अधिक रन हैं। इस सत्र में उनका सबसे कम व्यक्तिगत स्कोर 28 रन का रहा है। इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में अब तक 5 पारियों में 25 चौके और 8 छक्के लगाये हैं। विराट ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्वकप के बाद ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 146 रन ही बना पायी। वहीं आरसीबी ने 15.1 ओवर में ही विराट के 49 रनों की पारी से 5

विकेट से ये मैच जीत लिया। टीम को 9 रन के स्कोर पर ही फिल सॉल्ट के रूप में बड़ा झटका लगा पर उसके बाद कोहली ने पारी संभाली। कोहली ने 34 गेंदों में 49 रन की अपनी पारी के दौरान 6 चौके और एक छक्का लगाया। उनका स्ट्राइक रेट 144.11 का रहा। इससे पहले भी विराट ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अर्धशतक जड़ा था। उन्होंने 38 गेंदों में 50 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा 10 अप्रैल को विराट कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सिर्फ 16 गेंद में 32 रन की पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। हालांकि इस मैच में आरसीबी को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 5 अप्रैल को विराट ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 18 गेंद में 28 रन की पारी खेली थी। 27 मार्च को आईपीएल 2026 के उद्घाटन मैच में विराट ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेंगलुरु में 69 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

विराट बोले, मैं अभी भी पूरी तरह फिट नहीं

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली का कहना है कि वह अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं आर उनके घुटने में सूजन बना हुआ है। विराट ने इसके बाद भी लखनऊ सुपर जाईंट्स के शानदार पारी खेली थी। इससे आरसीबी ने लखनऊ को 5 विकेट से हरा दिया था।

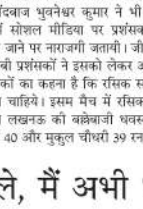

मैच के बाद विराट से जब उनकी फिटने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने माना है कि वह अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। कोहली ने कहा, 'मेरा घुटना हालांकि पिछले मैच की तुलना में काफी बेहतर है, लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। पिछले मैच के दौरान घुटने में काफी सूजन थी। इतना ही नहीं, पिछले 4-5 दिनों से मेरी तबीयत भी सही नहीं थी और मैं स्वास्थ्य के लिहाज से भी अच्छा महसूस नहीं कर रहा था।' इन शारीरिक परेशानियों के बाद भी ने काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 49 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। कोहली को हालांकि इस बात का दुख है कि वह मैच समाप्त नहीं कर पाये। इस मैच में

लखनऊ द्वारा दिए गए 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, आरसीबी के लिए कठिन पिच पर रन बनाना आसान नहीं था। ऐसे में विराट ने एक अलग रणनीति अपनाई। उन्होंने पिच की स्थिति को देखते हुए पावरप्ले का पूरा लाभ फायदा उठाया। कोहली ने अपनी पारी में 6 चौके और 1 शानदार लगाकर लखनऊ के गेंदबाजों को शुरुआती ओवरों में ही पीछ कर दिया। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल 10 रन के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की अहमम साझेदारी कर टीम की अच्छी शुरुआत की। रसिख सलाम और भुवनेश्वर कुमार की अच्छी गेंदबाजी के बाद विराट सहित अन्य खिलाड़ियों के सहयोग से आरसीबी जीत हासिल करने में सफल रही।

आयुष म्हात्रे के खेल से प्रभावित हैं ब्रेविस

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने टीम के उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसका खेल लाजवाब है। ब्रेविस के अनुसार जिस प्रकार से आयुष निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसका कोई जवाब नहीं है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज को खेलते देखने उन्हें काफी अच्छा लगता है।

रविचंद्रन अश्विन और डेल स्टेन के साथ बातचीत के दौरान, ब्रेविस ने आयुष के धमाकेदार प्रदर्शन को लेकर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि म्हात्रे एक अलग तरह के बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि वह युवा हैं और जिस तरह से चाहते हैं खेलते हैं। मेरा भी यही मानना है कि वह अपने अनुसार खेलें। साथ ही कहा कि आपके करियर में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं पर ये देखना शानदार है कि वह कैसे खेलते हैं। ब्रेविस की इस बात से साफ है कि आयुष के खेले से उनकी टीम के साथी किस प्रकार से प्रभावित हैं। इसके अलावा, ब्रेविस ने कोलकाता के खिलाफ अपने स्वयं के प्रदर्शन और टीम की जीत पर भी खुशी जतायी। उन्होंने मैच के अनुभव को बेहतरीन बताया और कहा कि चेन्नई में दर्शकों की उत्साही भीड़ के सामने खेलना खास अनुभव रहा। ब्रेविस ने पिच की स्थिति पर भी बात की, यह स्वीकार करते हुए कि विकेट को समझने में कुछ समय लगा, क्योंकि यह पिछली रात की तुलना में थोड़ा अलग था।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में पहुंची आर्सेनल, एटलेटिको से होगा मुकाबला

लंदन । आर्सेनलक की टीम यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। उसने स्पोर्टिंग सीपो के खिलाफ कड़े मुकाबले में गोल रहित ड्रॉ खेलकर अंतिम चार में जगह बनायी। अब सेमीफाइनल में उसका सामना स्पेन के क्लब एटलेटिको डी मैड्रिड से होगा। इस सत्र की चैंपियंस लीग में आर्सेनल अकेली ऐसी टीम है जो अब तक कोई मैच नहीं हारी है। उसने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए, उसने प्रतियोगिता में खेले गए 12 मैचों में से दस में जीत हासिल की है जबकि दो ड्रॉ रहे है। पहले हाफ में ज्यादातर समय तक आर्सेनल हावी रही। 20 वें मिनअ में ही एकेरेची एजे के शानदार पास ने मार्टिन जुबिमेंडी ने गोल का प्रयास किया पर असफल रह। स्पेनिश मिडफील्डर के क्रॉस को ब्लॉक किए जाने के बाद, विक्टर ग्योकेरेस ने भी हमला करने की कोशिश की पर गोंसालो इनासियो ने उन्हें गोल करने से रोक दिया। आर्सेनल के निरंतर हमलो के बाद भी स्पोर्टिंग ने पहले हाफ में कई अच्छे प्रयास किये। जेनी कैटामो ने 43वें मिनट में मैक्सिमिलियानो अराउजो के क्रॉस पर दूर के पोस्ट के बेस पर एक जोरदार वॉली लगाई, हालांकि वह उसे गोल में बदल नहीं पाये। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने गोल के लिए संघर्ष किया। आर्सेनल के लिए खतरा तब और बढ़ गया जब गैब्रियल मार्टिनेली और नोनी मड्के ने एक के बाद एक तेजी से करीब आकर प्रतिद्वंद्वी टीम को चुनौती दी, लेकिन गोलकीपर और बचाव दल ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया। मैच के अंत में भी दोनों तरफ से देर से कुछ मौके बने। आर्सेनल की ओर से लिएंड्रो ट्रोसार्ड ने 84वें मिनट में साथी सब्स्टीट्यूट मैक्स डाउमैन के कॉर्नर पर हेडर से पोस्ट पर शॉट मारा, जबकि स्पोर्टिंग के जोआओ सिमोस ने स्टॉपेज टाइम में बाहर शॉट मारकर अपनी टीम के लिए मौका गंवा दिया।

कलेक्टर ने ली निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक

निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 16 अप्रैल को अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने एवं पूर्ण हो चुके कार्यों को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा बनायी जा रही सड़कों की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान एनएचपीडब्ल्यूडी के अधिकारी द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक -543 के नैनपुर बायपास के अंत से बालाघाट बायपास अंत तक 66 किमी लंबाई में उन्नयन का कार्य किया जाना है। इसके लिए 844.53 करोड रुपए का संशोधित प्राक्कलन तैयार कर मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल को प्रस्तुत किया गया है। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-543 के गर्रा-वारासिवनी-तुमसर के महाराष्ट्र सीमा तक 51 किमी लंबाई में उन्नयन का कार्य प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री मीना ने इस पर एनएचपीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निर्देशित किया कि इन मार्गों के उन्नयन के लिए भूमि आवंटन संबंधी कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करें और मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल से समन्वय कर उन्नयन कार्य की प्रक्रिया को शीघ्रता से आगे बढाये। एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक ने बताया कि वारासिवनी-लालबर्रा सड़क बीओटी के अंतर्गत है और इसका मेटनेंस 2030 तक संबंधित फर्म द्वारा किया जाएगा। वारासिवनी-कटंगी सडक का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैहर-लामता सड़क के 50 किमी लंबाई का कार्य किया जाना है। सिवनी-बालाघाट सड़क के बीटी रिनिवल का कार्य कर लिया गया है। इस सडक को फोरलेन करने का डीपीआर पूर्ण हो गया है। खैरलांजी-अगासी एवं सीतापठोर-महकेपार सड़क लोकनिर्माण विभाग को हस्तांतरित की जा रही हैं। बैहर-मुक्की-गढ़ी सड़क के 32 किमी में बीटी रिनिवल का कार्य कर लिया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी रोड में चल रहे मरम्मत के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, सेतु संभाग, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, एमपी हाउसिंग बोर्ड, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जनजातीय कार्य विभाग, सिंचाई विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराये जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि शाला भवन, स्वास्थ्य विभाग के भवन, छात्रावास भवन, नक्सल प्रभावित क्षेत्र की सडके, पुल पुलिया का कार्य समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने कहा।

आरसीपीएलडब्लयूई एवं एससीए के अंतर्गत पूर्व में स्वीकृत सड़कों एवं पुल पुलिया का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। जिन कार्यों के लिए वन विभाग की अनुमति लेना है उसके लिए परिवेश पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाए एवं अनुमति लेने के प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण की जाए। वन विभाग से अनुमति लेने की प्रक्रिया में किसी भी तरह का विलंब नही होना चाहिए। छात्रावास एवं स्कूल भवनों के जो कार्य पूर्ण हो गए है उन्हें संबंधित विभाग को शीघ्र हस्तांतरित किया जाए। बैठक में सिचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान सातनारी जलाशय एवं लामता सिंचाई योजना का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार पोला जलाशय के जमीन आवंटन संबंधी कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गयी।

शासकीय हाईस्कूल रानककोड़ी का शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

किरनापुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया गया है। जिसमे शासकीय हाईस्कूल रानककोड़ी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं मे दर्ज 50 विद्यार्थियों मे से सभी 50 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय को गौरान्वित किया है। शाला से जारी प्रावीण्य सूची अनुसार हर्षा अरूण चौधरी 93.6 प्रतिशत अंक, रोशनी दिलीप मानेश्वर 92 प्रतिशत अंक, प्रवीण राजकुमार हनोते 90.6 प्रतिशत अंक, हर्ष भूमेश्वर कारसर्प 84.6 प्रतिशत अंक, शुभांगी ओपनसिंह उईके ने 82.2 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय को गौरान्वित किया है। छात्रों की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य घनश्याम तेलासे द्वारा शुभकामनाएं दी गई है। वही सतत एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कार्य कराने मे शाला के शिक्षक शिक्षिकाएं मे प्रेमलता रामटेके, महेश कुमार बंसोड, रमेश मर्सकोले, सुरेश रावते, सुनील दमाहे, चेतन बिरनवार, एवं मिथलेश भगत सराहनीय योगदान रहा।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर का उत्कृष्ट रहा परीक्षा परिणाम

तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर का मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहद ही सराहनीय रहा। विद्यालय में कक्षा बारहवीं मे कुल दर्ज 260 छात्रों मे से 212 छात्र उत्तीर्ण हुए जिसमे सा 176 छात्र प्रथम श्रेणी मे रहे। विद्यालय के छात्र भव्य निन्हावे ने 95 प्रतिशत अंक, रुद्र जमाहे ने 94.6 प्रतिशत अंक, ध्रुव मरठे 92.2 प्रतिशत अंक, रोहित बिसेन 90.4 प्रतिशत अंक, आदेश कटरे ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। उसी प्रकार कक्षा दसवीं मे कुल 78 छात्र मे से 57 उत्तीर्ण हुए है जिसमे से 21 छात्र प्रथम श्रेणी मे पास हुए है। इस तरह कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 73 प्रतिशत रहा जिसमें रुखसार खान 91.6 प्रतिशत अंक, नियति देशमुख ने 89.8 प्रतिशत अंक लोकेश कटरे ने 88.4 प्रतिशत अंक हासिल किए तथा कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 81.85 प्रतिशत रहा। एवं जीवविज्ञान समूह का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा हैं। छात्रों की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय प्राचार्य अनिता तारन सहित समस्त विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिकाओ कर्मचारियों ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडरा का वर्ष 2026 का परिणाम अत्यन्त उत्कृष्ट एवं सराहनीय रहा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 15 अप्रैल 2026 को घोषित हाई स्कूल 10 वीं एवं हायर सेकेंड्री 12वीं का परीक्षा परिणाम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ना केवल विद्यालय बल्कि पुरे क्षेत्र का नाम रोशन किया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 10वीं में कुल 153 दर्ज जिसमें 149 छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए, जिसमें कुल 119 छात्र छात्राएं उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कक्षा 10 वीं का कुल परिणाम 89.16 प्रतिशत रहा, इसमें 74 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में एवं 41 विद्यार्थियों ने द्वितीय एवं 04 तृतीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की । वहीं कक्षा 12 वीं में कुल 118 विद्यार्थियों में से 106 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की जिसका कुल परीक्षा परिणाम 89.83 प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं में 96 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 10 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की।

मेधावी विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

कक्षा 10वीं में खुशी पटले ने 94.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जानवी वासनिक ने 93.6 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं आरजू रामटेके ने 92.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं कला संकाय में प्रणाली सोनटेके ने 82.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, राखी उड़के ने 81.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय एवं वीणा गजभिये ने 77.6 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया । कक्षा 12वीं विज्ञान/गणित संकाय से अदिति रणदिवे ने 85.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, खुशबू गौतम ने 85.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय एवं विवेक कुमार मडामें ने 84.4 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

लैपटॉप/स्कूटी योजना का मिलेगा लाभ

विद्यालय के प्राचार्य एस. के. नारनौरे ने बताया की राज्य शासन की योजना के अंतर्गत इस वर्ष कक्षा 12वीं के 25 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं, जिन्हें निःशुल्क लैपटॉप योजना के तहत 25000 रूपये की राशि प्रदान की जायेगी। एवं 12 वी में. सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एक बालक व एक बालिका को स्कूटी प्रदान की जायेगी ।

शिक्षकों के मार्गदर्शन में मिली सफलता -

छात्रों की इस सफलता पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर प्राचार्य एस. के. नारनौरे, पी.एन.धनोले, टी.डी. लिल्हारे, एम. के. गुरदे, के.डी. मेश्राम, पी. के. कुराहे, एच.आर.वाकडे, सी.के. ठाकरे, श्रीमति सोनम नागले, डी. के. नगपुरे, ओ.पी. नारनौरे, श्रीमति शिल्पा कावडे, आर. के. नगपुरे, एस. के. अगासे, अनिल कुमार धारणे, श्रीमति जी. कटरे, श्रीमति एम. दुबे, डी. के. लिल्हारे, पी. दशहरे, विलास लिल्हारे, आर.डी. वाहने, आकाश जाम्भुरे, संतोष कुमार भरने, कु. उमादेवी मस्करे, लिलाधर कटरे, कु. हर्षिता बैस एवं भृत्य ममता बब्बरखेड़े व मधु नारनौरे ने विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

चहुओर गुंजा जय हिंद का नारा, दरगाह में हुई मनको की बरसात

मनका टेकरी दरगाह का एक दिवसीय सालाना उर्स सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी कौमी एकता की मिसाल मनका टेकरी दरगाह में एक दिवसीय सालाना उर्स आज गुरुवार 16 अप्रैल को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया गया। मनका टेकरी उर्स मुबारक के मौके पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिविल लाइन स्थित हजरत सैयद् शाह बाबा की मजार और बसस्टैंड से श्रद्धालुओं द्वारा एक शाही संदल निकाला गया जो मुख्यमार्ग का ग्रस्त करता हुआ मनका टेकरी दरगाह शरीफ पहुंचा, जहां अकीदतमंदो द्वारा मजार शरीफ में फूल व चादर पेश कर फातेहा पढ़ी गई। साथ ही दरगाह शरीफ में देश की सुख समृद्धि आपसी भाईचारे और अमनो अमान की सामुहिक रूप से दुआएं मांगी गई।

कई श्रद्धालु को मिले मन्नतो के मनके

वैनगंगा नदी तट पर स्थित कलंदर बाबा मेहर अली शाह दरगाह को मनका टेकरी दरगाह के नाम से जाना जाता है।श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार दरगाह परिसर में मनके यानी एक खास किस्म के कीमती रत्नों की बरसात होती है। और इस दरगाह शरीफ में आने वाले लोगों की मन की मुरादे पूरी हो जाती है। इसीलिए दरगाह शरीफ का नाम मनका टेकरी रखा गया है। जहां प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले उर्स मुबारक पर लोगों का तांता लगा रहता है वहीं दरगाह में पहुंचने वाले लोगों को अक्सर मनका की खोज करते देखा जाता है ।ऐसा माना जाता है कि जिसे मनका मिल जाता है वह खुश किस्मत होता है और उनकी मन की मुराद पूरी होती है। उर्स मुबारक पर कई श्रद्धालुओं को मन्नतो के मनके मिले, जिसे पाकर श्रद्धालु झूम उठे।

कौमी एकता का दिखा मंजर

मनका टेकरी स्थित दरगाह शरीफ उन आस्तानो में शुमार है जहां कौमी एकता का मंजर आप देख सकते हैं, यहां किसी के भी आने जाने में कोई मनाही नहीं है सभी धर्म और मजहब के लोग यहां आते हैं और शीश झुकाते हैं फिर चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान। सामाजिक सद्भाव का नजारा यहां देखने को मिलता है। जो इस उर्स मुबारक पर भी देखने को मिला ।यही कारण बड़ी तादाद में लोग इस आस्ताने से जुड़े हुए हैं और खिदमत को अंजाम देते हैं।

बिना किसी से चंदा लिए हुआ आयोजन

कलंदर बाबा मोहर अली शाह के उर्स मुबारक की विशेषता यह है कि यह कार्यक्रम के लिए किसी से किसी प्रकार का चंदा नहीं लिया जाता बल्कि इस आस्ताने से जुड़े लोग अपने अपने स्तर पर सहयोग कर आयोजन को संपन्न कराते हैं। यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है, बताया जाता है कि कलंदर बाबा मोहर अली शाह द्वारा किसी से कोई चंदा नही लिए जाने को कहा गया था लिहाजा उनकी आज्ञा का परिपालन यह किया जाता है और किसी से कोई चंदा नहीं लिया जाता।

विभिन्न राज्यों के लोग हुए शामिल

आपको बताए कि इस दरगाह शरीफ में उर्स मुबारक के खास मौके पर केवल स्थानीय ही नहीं बल्कि अन्य जिलों व राज्यों के विभिन्न समुदाय के लोग शामिल होते हैं। इस वर्ष भी हर वर्ष की तरह मप्र. महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के विभिन्न शहरों से श्रद्धालु इस सालाना उर्स में शामिल रहे।वही दरगाह शरीफ में उर्स मुबारक के मौके पर रात में कव्वाली व लंगर ए आम का इंतजाम किया जाएगा।

जो पैसा देकर बाजार में नहीं मिलते ऐसे रत्न यहां नसीबो से मिलते हैं- श्राद्धालु

उर्स मुबारक को लेकर की गई चर्चा के दौरान एक श्रद्धालु ने बताया कि यह बाबा का 36 वा सालाना उर्स है जो हर साल 16 अप्रैल को मनाते हैं। यहां दूर-दराज से लोग आते हैं करीब 2 से ढाई हजार लोगों का लंगर बनता है। यहां सभी प्रकार के रत्न पाए जाते हैं ऐसे रत्न जो बाजार में पैसे देकर भी नहीं मिलते ऐसे रत्न यहां नसीब वालों को मिलते हैं।रात को ही महाराष्ट्र से आए लोगों को रत्न मिले हैं। यहां लोगों की मन की मुरादे पूरी होती है।मिट्टी, सोने, चांदी ,हीरे सहित विभिन्न धातुओं के रत्न यहां मिलते हैं ऐसा माना जाता है कि जिसे रत्न मिल जाए उसी मन की मुरादे पूरी होती हैंआज उर्स मुबारक के खास मौके पर सभी लोगों ने सामूहिक रूप से देश के अमनो अमान की दुआएं मांगी हैं।

पदोन्नति की फांस में सरकारी नौकरियां !

- 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की सरकार की योजना पर पदोन्नति प्रमोशन बड़ी बाधा

भोपाल। मप्र में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए सरकार ने सरकारी नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। इसके लिए सरकार ने जो प्लान बनाया है उसके अनुसार, प्रदेश में 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की योजना है। परंतु सरकार की इस योजना पर पदोन्नति की अड़चन भारी पड़ रही है। पदोन्नति नहीं होने से पद रिक्त नहीं हो रहे हैं, जिससे भर्ती की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। उधर, पदोन्नति नियम 2025 को लेकर परिदृश्य साफ नहीं है। जबलपुर हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई 17 फरवरी को पूरी हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। इस कारण सरकार चाहकर भी आगे कदम नहीं उठा पा रही है।

उधर, सेवानिवृत्त होते जा रहे कर्मचारी नाराज हैं कि पदोन्नति का पात्र होने के बावजूद वे आठ साल से प्रतीक्षा ही कर रहे हैं। सरकार ने पदोन्नति नियम 2025 तैयार करने के साथ यह योजना बनाई थी कि चरणबद्ध तरीके से तीन वर्ष में ढाई लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए बाकायदा वित्त विभाग से सामान्य प्रशासन विभाग ने सहमति ली और दिशा-निर्देश जारी हुए मगर सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। दरअसल, पदोन्नति नियम कानूनी प्रक्रिया में उलझ गए।

केवल नए स्वीकृत पदों पर ही हो पा रही है भर्ती

कानूनी उलझनों से जो पद पदोन्नति के कारण उपलब्ध होने थे वे अब तक नहीं मिले। इसका असर यह हो रहा है कि केवल उन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है जो नए स्वीकृत हैं। इसमें शिक्षक, पुलिस आरक्षक, स्वास्थ्य कर्मी सहित अन्य पद शामिल हैं। उधर, पदोन्नति से वंचित कर्मचारी नाराज हैं क्योंकि पात्र होने के बाद भी उच्च पदनाम नहीं मिल पा रहा है। प्रतिमाह सेवानिवृत्ति होती जा रही है। मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि नियमों को अखिल भारतीय सेवा संवर्ग के समान बनाया जाता तो कोई उलझन ही नहीं होती। हमने कई बार इसके लिए ज्ञापन भी दिए पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यही कारण है कि यह मामला खिंचता जा रहा है, जिसका असर कामकाज पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाई कोर्ट ने निर्णय सुरक्षित रखा है। हमारी तैयारी पूरी है और निर्णय के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। इस बीच, पदोन्नति नियम को लेकर निर्णय शीघ्र आने की संभावना को देखते हुए गृह सहित अन्य विभागों ने उच्च पद का प्रभार देना बंद कर दिया था लेकिन अब यह व्यवस्था फिर प्रारंभ कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि निर्णय में विलंब के कारण काम प्रभावित हो रहा था, इसे देखते हुए राजस्व सहित कुछ विभागों में उच्च पद का प्रभार पदोन्नति के पात्र अधिकारियों को दिया गया है।

14 दिनों में पराली जलाने के 12 हजार 617 मामले दर्ज

भोपाल । जागरुक करने के प्रयास, समझाइश और सख्ती का असर मध्य प्रदेश में किसानों पर दिखाई नहीं दे रहा है। प्रदेश में गेहूं की कटाई के बाद पराली जलाने के आंकड़े रॉकेट की रफ्तार से बढ़े हैं। पराली के मामले में मध्य प्रदेश ने पिछले सालों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पूरे देश में इस साल अप्रैल माह के पिछले 14 दिनों के दौरान पूरे देश में 17 हजार 342 पराली जलाने के मामले रिकॉर्ड किए गए। इसमें से 12 हजार 617 मामले सिर्फ मध्य प्रदेश में दर्ज हुए है। इसमें देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र के 3 जिलों में ही 3700 से ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आ चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद मध्य प्रदेश शासन द्वारा पराली जलाने पर रोक के लिए किसानों को नोटिस थमाए गए, लेकिन इसके बाद भी पराली के मामले घटने के स्थान पर बढ़ गए हैं। अप्रैल माह में 1 से 14 अप्रैल के बीच पराली जलाने के मामलों में पिछले सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। 2026 में पिछले 14 दिनों में पराली के 12 हजार 617 मामले रिकॉर्ड किए गए हैं।

महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को देगी कांग्रेस चुनाव का टिकट

भोपाल । जब सांसद और विधानसभा में महिला आरक्षण को लागू करने की कवायद चल रही है उस समय पर कांग्रेस ने फैसला लिया है कि चुनाव में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं को टिकट दिया जाएगा। अब किसी सीट के महिला होने पर किसी नेता के परिवार की महिला को टिकट नहीं देंगे।

इस फैसले की घोषणा गुरूवार को भोपाल में महिला कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों की बैठक में की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी ने कहा कि महिला आरक्षण का कानून सबसे पहले कांग्रेस लेकर आई थी। उस समय पर भाजपा और दूसरे राजनीतिक दलों ने साथ नहीं दिया। कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में ही मध्य प्रदेश में नगर निगम और पंचायत में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था को लागू किया गया था। इस समय भाजपा सरकार के द्वारा जो संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है वह पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव को प्रभावित करने के लिए बुलाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अब जो भी चुनाव होंगे उसमें महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिया जाएगा। अब यदि मेरे परिवार की किसी महिला को भी चुनाव लड़ना है तो उसे महिला कांग्रेस में कार्य करना पड़ेगा। हमेशा यह आरोप लगता है कि महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर नेताजी की मां, पत्नी, बहन चुनाव लड़ती है। अब ऐसा नहीं होगा।

प्रतिनियुक्ति कर्मचारियों को बड़ी राहत महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, एरियर भी मिलेगा किस्तों में

भोपाल। राज्य शासन ने उपक्रमों, निगमों, मंडलों एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते में वृद्धि का निर्णय लिया है। इस फैसले से चौथे एवं पांचवें वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। राज्य शासन द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय अनुसार प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। संशोधित दरों के अनुसार पांचवें वेतनमान के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 323 प्रतिशत तथा चौथे वेतनमान के कर्मचारियों का 1465 प्रतिशत हो जाएगा। यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावशील मानी जाएगी।

इस निर्णय का लाभ कर्मचारियों को 1 अप्रैल 2026 से (भुगतान माह मई 2026) से दिया जाएगा। वहीं, 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का एरियर 6 समान किस्तों में मई से अक्टूबर 2026 तक भुगतान किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से वित्तीय लाभ प्राप्त होगा।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पारदर्शिता अनिवार्य

भोपाल। अपराध अनुसंधान विभाग पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश के पालन में सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित इकाइयों को एक महत्वपूर्ण परिपत्र जारी किया गया है। यह परिपत्र आपराधिक अपील के विरुद्ध महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य में दिनांक 06 नवंबर 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है, जिसमें गिरफ्तारी की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(1) के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों को जानने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। इस अधिकार के संरक्षण के लिए न्यायालय ने पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्?य में पुलिस मुख?यालय ने परिपत्र जारी किया है। जारी परिपत्र के अनुसार, पुलिस द्वारा किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय गिरफ्तारी के ठोस कारणों को लिखित रूप में गिरफ्तार व?यक्ति को देना अनिवार्य किया गया है, केवल मौखिक जानकारी को पर्याप्त नहीं माना जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि गिरफ्तारी के आधार स?थानीय भाषा अथवा ऐसी भाषा में लिखे जाएं, जिसे गिरफ्तार व्यक्ति भली-भाँति समझ सके। निर्देशों में यह भी उल्लेखित है कि यह लिखित जानकारी गिरफ्तारी के समय अथवा अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने से कम से कम दो घंटे पूर्व उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही, अभियुक्त को लिखित आधार प्रदान किए जाने की जानकारी को गिरफ्तारी पंचनामा अथवा संबंधित अभिलेख में विधिवत दर्ज किया जाना भी अनिवार्य होगा। इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बनस्स) 2023 की धारा 47 के प्रावधानों का भी उल्लेख किया गया है। परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि उक्त निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है, तो गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया जा सकता है। साथ ही संबंधित अधिकारी के विरुद्ध न्यायालय की अवमानना अथवा विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है और अभियुक्त को तत्काल रिहाई का अधिकार प्राप्त हो सकता है। पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित इकाइयों को निर्देशित किया गया है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सख्ती से सुनिश्चित कराएं, ताकि विधिसम्मत कार्रवाई के साथ-साथ नागरिकों के मौलिक अधिकारों की भी पूर्ण रूप से रक्षा की जा सके।

न्यूज गैलरी

शादी के 10 दिन पहले युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शादी के 10 दिन पहले ही एक युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नक्शी की है। किरनापुर पुलिस ने मृतिका डाली पिता स्व. चितुलाल बोपचे 21 वर्ष का शव उसके घर से बरामद किए और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। इस युवती ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की। अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। किरनापुर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डाली तीन बहने और एक छोटा भाई है। बड़ी बहन नीतू की शादी हो चुकी है और डाली एम ए प्रथम वर्ष की छात्रा थी ।जिसकी शादी इसी माह 25 अप्रैल को होनी थी।छोटी बहन प्रिंसी है जो बी ए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। 14 अप्रैल को डाली अपनी छोटी बहन प्रिंसी के साथ में घर में थी। मां लता बोपचे बेटे वंश के साथ अपनी बहन के घर ग्राम बोड़ुंदा शादी में गई हुई थी। 15 अप्रैल की रात की 10:00 बजे दोनों बहने ने खाना खा लिए थे। इसके बाद डाली अपने जीजा के साथ मोबाइल पर बात करने लगी थी। इस दौरान प्रिंसी सो गई थी। 16 अप्रैल को सुबह जब प्रिंसी सो कर उठी तब उसने हाल के अंदर पंखे में अपनी बहन डाली को फांसी पर लटकी हुई देखी। डाली ने पंखे में चुनरी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। खबर मिलते ही उसकी मां लता बोपचे अपने घर पहुंची और किरनापुर पुलिस थाना में रिपोर्ट की। किरनापुर पुलिस ने ग्राम नक्शी पहुंचकर डाली का शव बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। डाली ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। किरनापुर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर आगे जांच कर रही है।

10वीं-12वीं रिजल्ट में झटका, हजारों छात्र फेल, कई स्कूलों की पोल खुली

2456 छात्र 10वीं में और 2137 छात्र 12वीं में अनुत्तीर्ण, नगर पालिका स्कूल का प्रदर्शन सबसे कमजोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है, जिससे अब जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के उत्तीर्ण और अनुत्तीर्ण होने की स्थिति स्पष्ट हो गई है। रिजल्ट घोषित होने के बाद विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में उत्साह के साथ-साथ चर्चा का माहौल भी देखा जा रहा है। इस वर्ष जिले में कक्षा दसवीं का कुल परीक्षा परिणाम 87.19 प्रतिशत दर्ज किया गया है, वहीं कक्षा 12वीं का परिणाम 86.67 प्रतिशत रहा है। कुल मिलाकर जिले का परिणाम संतोषजनक माना जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में विद्यार्थी असफल भी हुए हैं, जो चिंता का विषय बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा दसवीं में 2456 छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण हुए हैं, जबकि कक्षा 12वीं में 2137 विद्यार्थी परीक्षा में सफल नहीं हो सके। विभाग द्वारा इन सभी विद्यार्थियों को आगामी दिनों में पुनः परीक्षा का अवसर प्रदान किए जाने की बात कही गई है, जिससे वे अपने परिणाम में सुधार कर सकें। वहीं, जिले के कुछ शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। इनमें शहर का बालाघाट नगर पालिका स्कूल भी शामिल है, जहां का रिजल्ट आवश्यकता से अधिक कमजोर दर्ज किया

गया है। इस स्थिति ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

15 अप्रैल को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। परिणाम जारी होने के साथ ही जिलेभर में विद्यार्थियों के बीच उत्साह और उत्सुकता का माहौल देखने को मिला। इस वर्ष कक्षा 10वीं का परिणाम जिले में काफी बेहतर रहा, जिसमें शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में उल्लेखनीय स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया। वहीं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं अपेक्षाकृत पीछे नजर आए। कक्षा 12वीं के परिणाम की बात करें तो इस बार जिले के अपेक्षाकृत कम विद्यार्थी ही प्रावीण्य सूची में स्थान बना सके। विभिन्न संकायों से कुल 8 छात्र-छात्राओं ने ही प्रदेश स्तर की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। इसके बावजूद समग्र रूप से जिले का परिणाम संतोषजनक माना जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि जिन विद्यालयों का परिणाम कमजोर रहा है, वहां के जिम्मेदार शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही आदिवासी क्षेत्रों के कुछ विद्यालयों में अपेक्षाकृत कमजोर परिणाम को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भी छात्राओं ने छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई है।

कक्षा 10वीं के आंकड़े

जिले में कक्षा 10वीं के लिए कुल 19,229 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था, जिनमें से 19,169 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इनमें 8,400 छात्र और 10,769 छात्राएं शामिल थीं। परिणामों के अनुसार 16,713 विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए, जबकि 2,456 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों को शीघ्र ही पुनः परीक्षा का अवसर प्रदान किया जाएगा।

कक्षा 12वीं के आंकड़े

कक्षा 12वीं में विभिन्न संकायों से कुल 16,071 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ, जिनमें से 16,033 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 6,919 छात्र और 9,114 छात्राएं थीं। परिणामों में 13,896 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि 2,137 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण घोषित किए गए। इन विद्यार्थियों के लिए भी विभाग द्वारा पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

नगर पालिका स्कूल का परिणाम फिर रहा निराशाजनक

जहां जिले के अधिकांश विद्यालयों का परिणाम संतोषजनक रहा, वहीं बालाघाट नगर पालिका स्कूल का प्रदर्शन एक बार फिर चिंताजनक रहा। कक्षा 10वीं में इस विद्यालय का परिणाम मात्र 32 प्रतिशत रहा, जहां कुल 32 विद्यार्थियों में से केवल 10 ही उत्तीर्ण हो सके। कक्षा 12वीं में स्थिति और अधिक गंभीर रही, जहां 70 विद्यार्थियों में से मात्र 33 ही उत्तीर्ण हुए, जबकि 39 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो गए। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भी इस विद्यालय का परिणाम कमजोर रहा था और सुधार के प्रयास किए गए थे, बावजूद इसके अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिला। अब देखना होगा कि इस कमजोर प्रदर्शन को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं और भविष्य में परिणाम सुधारने के लिए क्या ठोस रणनीति बनाई जाती है।

बेटे-बहू की प्रताड़ना से वृद्ध पिता बेघर, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर - समाज को झकझोरने वाला मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक भावुक मामला जिले के लांजी थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां एक वृद्ध पिता को उसके ही बेटे और बहू ने प्रताड़ित कर घर से बेघर कर दिया। इस घटना ने न सिर्फ इंसानियत पर सवाल खड़े किए हैं। बल्कि समाज को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है।

ग्राम देवलगांव निवासी जगतराम बागडकर 73 वर्ष जिनकी पत्नी का निधन वर्ष 2012 में हो चुका है।अपने बेटे पूरन बागडकर और बहू के साथ रह रहे थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। जिनकी शादियां हो चुकी हैं।वृद्ध ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका बेटा और बहू आए दिन उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। हालात इतने खराब हो गए कि उन्हें समय पर भोजन तक नहीं दिया जाता था।पीड़ित वृद्ध के अनुसार 24 जनवरी 2026 की सुबह करीब 10 बजे बेटे और बहू ने उनसे विवाद किया और उन्हें घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर कर दिया। भय और लाचारी में

उन्होंने अपना घर छोड़ दिया और अगले दिन अपनी बेटी के यहां शरण ली।

घटना की जानकारी परिजनों और ग्रामीणों को देने के बाद वृद्ध ने हिम्मत जुटाकर थाना लांजी पहुंचकर अपने बेटे और बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश मैंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पैरेंट्स एंड सीनियर सिटिजन रूल्स 2009 की धारा 4/24 के तहत मामला दर्ज किया है।

बुजुर्गों के सम्मान के लिए आगे आई पुलिस

बालाघाट पुलिस द्वारा हमदर्द सेल के तहत वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और सहायता के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यह पहल बुजुर्गों के साथ होने वाली प्रताड़ना, उपेक्षा और देखभाल से जुड़े मामलों में मदद प्रदान करती है।

बुजुर्ग के साथ प्रताड़ना कि सूचना तत्काल पुलिस को दे.-उप निरीक्षक शैलेंद्र शुक्ला प्रभारी उपनिरीक्षक शैलेन्द्र शुक्ला ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घर के बुजुर्गों का सम्मान करें, उनकी देखभाल करें और यदि कहीं भी किसी बुजुर्ग के साथ प्रताड़ना हो रही हो तो इसकी सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर- 8319644844पुलिस को दें।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 अप्रैल को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 अप्रैल दोपहर 01 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, मत्स्य विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग व अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

अपोलो कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल बालाघाट

दसवीं

VED MANGALKAR 93.2%	MAHI BAGHMARY 91.6%	ZAID QURESHI 91.2%	LACHI TEMBHRE 90.4%	MITALI MADANKAR 87.2%	TARIKA KHOBRAGADE 86.8%
ARYAN MANESHWAR 86%	SHIKHAR KHOBRAGADE 85%	MAHI BANOTE 84.6%	KASHISH CHAURE 83.8%	SHRUSTI BHOYER 83.6%	LAVANYA GAJBHIYE 81.4%

बारहवीं

YASH UJGAONKAR 91.2%	ABHAS KHANDELWAL 89.4%	VEENA NAGWANSHI 88.6%	MITALI MATRE 86.8%	ISTUTI GOUTAM 82%
ARYA BARVE 77%	ANJUM QRESHI 79.2%	UZAIFA ALI 76%	MAVIYA MALIK 75.4%	

बालाघाट शहर में स्थित शाला अपोलो कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल बालाघाट के कक्षा 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 में शानदार सफलता प्राप्त की। इस वर्ष विद्यालय का 10वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 87% रहा। कक्षा 10वीं में कुल 111 विद्यार्थी अध्ययनरत थें जिनमें से 71 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुये। शाला में छात्र वेद मंगलकर ने 93.2% अंक लेकर दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान माही बाघमारे 91.6% तथा तृतीय स्थान जैद कुरैशी 91.2% ने प्राप्त किया। वहीं 35 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किये हैं। वहीं कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने अद्वितीय प्रतिभा का प्रमाण देते हुये सभी संकायो में उत्तम प्रदर्शन किया है। गणित संकाय के छात्र यश उजगाँवकर 91.2% के साथ प्रथम स्थान पर रहा। वहीं आभास खण्डेलवाल 89.4% तथा वीणा नागवंशी 88.6% के साथ क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। गणित संकाय का कुल परीक्षा 98% रहा। जीवविज्ञान संकाय से प्रथम स्थान पर मिताली मात्रे 86.8%, द्वितीय स्थान पर इस्तुती गौतम 82% तथा तृतीय स्थान पर आर्या बर्वे 77% रहे। इस प्रकार जीवविज्ञान का कुल परीक्षा परीणाम 96% रहा। उसी प्रकार वाणिज्य संकाय की अंजुम कुरैशी ने 79.2% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर उजैफा अली 76% तथा तृतीय स्थान पर माविया मलिक 75.9% रहे। इस प्रकार वाणिज्य संकाय का कुल परीक्षा परिणाम 95% रहा। विद्यालय के संचालक डॉ. बी. गौतम एवं प्राचार्य श्रीमती विद्या गौतम ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत एवं शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया है। विद्यालय परिवार सभी सफल विद्यार्थियें के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। अनुशासन गुणवत्ता और शानदार परिणाम सदैव अपोलो की पहचान रहा हैं। प्रयास की इसी श्रृंखला को जारी रखते हुए तथा समय की मांग को ध्यान में रखते हुए अपोलो इस नवीन सत्र में रोबोटिक्स, ए. आई. व कोडिंग की कक्षाएँ बिना अतिरिक्त शुल्क के प्रारंभ करने जा रहा है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास व कौशल निपुणता की ओर अपोलो का एक नया कदम होगा। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करे।

प्रधानाचार्य
अपोलो कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी बालाघाट (म.प्र.)

4 माह से फरार मोटरसाइकिल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। गिरफ्तार दोनों आरोपी सौरभ पिता गोपीचंद मेश्राम 22 वर्ष ग्राम बम्हनी थाना तिरोड़ी और विरेंद्र पिता राजेंद्र हरिनखेडे 37 वर्ष ग्राम नीलागोंदी थाना दवनीवाड़ा जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 दिसंबर 2025 को फरियादी रुपेश जनबंधु 30 वर्ष ग्राम बम्हनी थाना तिरोड़ी निवासी ने अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक रूा-36क्क-2471) चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी सौरभ मेश्राम निवासी बम्हनी ने मोटरसाइकिल चोरी कर उसे महाराष्ट्र के गोंदिया निवासी विरेंद्र हरिनखेड़े को बेच दिया था।मामले में थाना तिरोड़ी में अपराध क्रमांक 326/2025 के तहत धारा 303(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। जिनकी लगातार तलाश की जा रही थी।

रविवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मुख्य आरोपी सौरभ मेश्राम अपने गांव बम्हनी में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दूसरे आरोपी विरेंद्र हरिनखेड़े को भी गोंदिया सिटी कोतवाली (महाराष्ट्र) क्षेत्र से गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल को वारासिवनी क्षेत्र के जागपुर से बरामद किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कटंगी में पेश किया गया। जहां से आगे की कार्रवाई जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुद्रकरण मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक दादूराम पटले, प्रधान आरक्षक नरेंद्र धुर्वे, कौशल उइके, आरक्षक लक्ष्मीप्रसाद बघेल, संदीप अहिरवार, नरेंद्र लोधी एवं नागेश बघेल की सराहनीय भूमिका रही।

पत्नी ने की आत्महत्या : आरोपी पति गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम खैरलांजी में एक महिला के द्वारा आत्महत्या करने के मामले में इस महिला के पति संजय पिता बालचंद भगत 37 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। इस आरोपी की प्रताड़ना से परेशान होकर उसकी पत्नी करिश्मा भगत ने जहरीली वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली थी। गिरफ्तार इस आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

कटंगी पुलिस के मुताबिक 11 अप्रैल को कटंगी अस्पताल में एक महिला की मृत्यु होने की सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर जांच की गई थी। जांच दौरान मृतिका करिश्मा भगत के ससुराल ग्राम खैरलांजी पहुंचकर गवाहों से पूछताछ करने पर पाया गया कि करिश्मा भगत की शादी 10 वर्ष संजय भगत से हुई थी। संजय भगत आए दिन शराब के नशे में करिश्मा को मारपीट करते रहता था और शराब पीने के लिए पैसों की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहता था। घटना के दिन भी संजय भगत ने अपनी पत्नी करिश्मा भगत से मारपीट की थी। लगातार प्रताड़ित करने से परेशान होकर करिश्मा ने जहरीला पदार्थ सल्फास का सेवन कर ली थी। जिसकी कटंगी अस्पताल लाते समय मृत्यु हो गई। मर्ग जांच उपरांत करिश्मा भगत को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताडति कर उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाने के आरोप में संजय भगत के विरुद्ध धारा 108 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर उसे इस अपराध में गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी जेल भिजवा दिया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट